राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 310

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

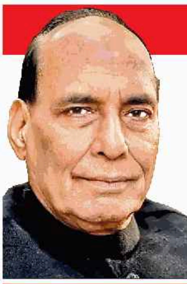

भारत में राम का विरोध करने वालों का पतन ही हुआ

>> 5

जागरण विशेष

विश्व धरोहर दिवस (18 अप्रैल)

पूर्वजों की धरोहर को नवजीवन दे रही नई पीढ़ी

बलरामपुर: पूर्वजों की धरोहर को नई पीढ़ी ने संवारने और सहेजने की पहल की है। दिल्ली के आर्किटेक्ट ने इसके तहत सिटी पैलेस और शिवालय को पुनः भव्यता दी है। ● पेज-7

संपादकीय

राहुल गांधी के सपनों का भारत: राहुल देश की समृद्धि बढ़ाने के स्थान पर उसके पुनर्वितरण की जो बात कह रहे हैं वह तो देश को पीछे ले जाने वाली है। **बलबीर पुंज** का दृष्टिकोण।

शिक्षा पर और अधिक खर्च आवश्यक: चीन, जापान, दक्षिण कोरिया आदि की तुलना में हम शिक्षा पर अपेक्षित बजट खर्च नहीं कर रहे हैं। **डा. ब्रजेश कुमार तिवारी** का आलेख। ● पेज-8

जगनिवास प्रभु प्रकटे अखिल लोक विश्राम

रघुवरशरण ● जागरण

- अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में श्रीराम जन्मोत्सव पर गढ़ा गया आस्था का नया प्रतिमान
- सूर्यवंशी के ललाट पर दमका सूर्य तिलक, रामलला के साथ आस्था के आह्लाद का शिखर सज्जित

अयोध्या: पांच सौ वर्षों से जिस क्षण की प्रतीक्षा हो रही थी वह अंततः आ ही गया। राम जन्मभूमि पर बने भव्य, नव्य और दिव्य मंदिर में श्रीराम जन्मोत्सव ने आस्था का नया प्रतिमान गढ़ा। इसकी भावभूमि इसी वर्ष 22 जनवरी को भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ तैयार हो गई थी। बुधवार को रामनवमी के अवसर पर इस भावभूमि पर आस्था के आह्लाद का शिखर सज्जित हुआ। भव्य मंदिर की तरह स्थापत्य का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत करते राम जन्मभूमि के प्रशस्त पथ पर ऊषाकाल से ही श्रद्धालु प्रवहमान होने लगे। मध्याह्न 12 बजे मुहूर्त निकट आने के साथ श्रीराम जन्मोत्सव का उल्लास शिखर की ओर उन्मुख हुआ। एक ओर गर्भगृह में अर्चक रामलला के प्राकट्य का वैदिक विधि-विधान निष्पादित कर रहे थे और दूसरी ओर अर्चकों का एक समूह वैदिक स्वस्तिवाचन के साथ रामलला के अवतरण के स्वागत की तैयारी कर रहा था।

सूर्य देव की रश्मियों से तिलक

बुधवार को दिन में ठीक 12 बजते ही घंटा-घड़ियाल और शंख ध्वनि के बीच पट खुले। दिव्य-भव्य मंदिर में ऊपरी तल से भूतल तक दर्पण-दर्पण घूमती-टहलती दृश्यमान देवता दिवाकर की किरणें मध्याह्न में रामलला के ललाट पर सुशोभित हुईं। सूर्य तिलक के बीच रामलला का दर्शन पाते ही श्रद्धालुओं की जैसे चिर साध पूर्ण हो गई। टकटकी लगाए लाखों नयन प्रसन्नता से छलक उठे। करोड़ों राम भक्तों की आंखें इस अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय पल को सहेजने में लगी थीं।

अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में बुधवार को श्रीराम जन्मोत्सव पर 12 बजकर 16 मिनट पर सूर्य की रश्मियों से रामलला का सूर्य तिलक हुआ। इस अद्भुत व अप्रतिम दृश्य को देखकर देश-दुनिया में करोड़ों लोग भाव-विभोर हो उठे। प्रेट्र

तिलक के लिए रामलला के ललाट तक ऐसे पहुंचीं सूर्य की किरणें

सूर्य की किरणें मंदिर के शिखर पर लगे पहले दर्पण पर पड़ने के बाद परावर्तित होकर पीतल के पाइप में पहुंचीं। इस पाइप में लगे दर्पण पर पड़ने के बाद 90 डिग्री पर परावर्तित हुईं और पाइप से होते हुए तीन अलग-अलग दर्पणों से निकलीं और फिर पाइप के गर्भगृह वाले सिरे पर लगे शीशे पर पड़ीं। यहां से किरणों ने सीधे रामलला के ललाट पर तिलक लगाया। सूर्य तिलक को तैयार करने में रुड़की के केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के विज्ञानियों के दल ने अमूल्य योगदान दिया। इसमें 10 से 12 लोगों की टीम लगी थी, जिनकी मेहनत रंग लाई।

नंगे पैर मोदी ने विमान में देखा सूर्य तिलक

नलबाड़ी (असम), प्रेट्र : अयोध्या के नवनिर्मित राम मंदिर में बुधवार को भगवान राम का सूर्य तिलक किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नंगे पैर रहकर विमान में यह अद्भुत दृश्य देखा। पीएम ने उम्मीद जताई कि भगवान राम का सूर्य तिलक लोगों के जीवन में ऊर्जा लाएगा और देश को नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित करेगा। पीएम ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक का अद्भुत और अप्रतिम क्षण देखने का सौभाग्य मिला। करोड़ों भारतीयों की तरह यह मेरे लिए भावुक क्षण है। उन्होंने अपनी दो तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वह एक टैबलेट पर कार्यक्रम देख रहे हैं। मोदी ने कहा, श्रीराम जन्मभूमि का यह बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। यह सूर्य तिलक विकसित भारत के हर संकल्प को अपनी दिव्य ऊर्जा से इसी तरह प्रकाशित करेगा। इससे पहले नलबाड़ी में एक चुनावी रैली में उन्होंने कहा कि यह सदियों की भक्ति व पीढ़ियों के बलिदान की वजह से हो पाया है।

असम दौरे के दौरान विशेष विमान में नंगे पैर रामलला के सूर्य तिलक को टैबलेट पर देखते पीएम नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

महामहोत्सव से तृप्त हुए भक्त पेज>>13

रामनाम की संजीवनी ने पूरी की दर्शन की अभिलाषा पेज>>13

2014 में आशा, 2019 में विश्वास व 2024 में गारंटी लेकर आया : मोदी

किया आश्वस्त ▶ सभी को बिना भेदभाव के अगले पांच साल तक मुफ्त राशन दिया जाएगा

नलबाड़ी (असम), प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह 2014 में लोगों के बीच आशा, 2019 में विश्वास और 2024 में गारंटी लेकर आए। एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में मोदी की गारंटी है और मैं इन सभी गारंटी को पूरा करने की गारंटी दे रहा हूं।

उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर मोदी की गारंटी का गवाह है, क्योंकि कांग्रेस ने इस क्षेत्र को केवल समस्याएं दी थीं, लेकिन भाजपा ने इसे संभावनाओं का स्रोत बना दिया है। कांग्रेस ने विद्रोह को बढ़ावा दिया, लेकिन मैंने लोगों को गले लगाया और इस क्षेत्र में शांति लेकर आया। उन्होंने कहा, कांग्रेस के 60 साल के शासनकाल में जो हासिल नहीं किया जा सका, उसे मोदी ने 10 साल में प्राप्त कर लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले पांच साल तक बिना किसी भेदभाव के सभी को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जाता रहेगा। 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों का 'आयुष्मान भारत' योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज किया जाएगा, ताकि परिवार पर बोझ न पड़े। आपका यह बेटा (मोदी) आपके इलाज का खर्च उठाएगा। अगले पांच वर्षों तक गरीबों के लिए तीन करोड़ नए मकान बनाए जाएंगे।

मोदी ने कहा, राजग सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' में विश्वास करती है और यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के वह लाभ मिले जिसका वह हकदार है। तत्काल तीन तलाक प्रथा खत्म करने का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इससे मुस्लिम महिलाओं को आजादी मिली है। हमने इसके खिलाफ एक कानून बनाया, जिससे न केवल मुस्लिम बहनों को बल्कि उनके पूरे परिवार को फायदा हुआ।

आइएएनएस के अनुसार, पीएम मोदी ने भारत को सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन और प्रौद्योगिकी विकास का वैश्विक केंद्र बनाने के अपने संकल्प का जिक्र किया। कहा कि भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को गति देने में पूर्वोत्तर क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

70 वर्ष या अधिक उम्र के लोगों को पांच लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा

60 साल के कांग्रेस शासन में जो हासिल नहीं हो सका, उसे मोदी ने 10 साल में प्राप्त किया

असम के नलबाड़ी में बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए जनसभा के दौरान वाद्ययंत्र बजाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। साथ में हैं मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा। प्रेट्र

समान नागरिक संहिता की जरूरत पूरा देश कर रहा महसूस : पीएम

नई दिल्ली: कुछ दिन पहले भाजपा के घोषणापत्र में समान नागरिक संहिता के लिए प्रतिबद्धता जता चुके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोहराया है कि पूरा देश इसकी जरूरत महसूस कर रहा है। दैनिक जागरण के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में यह लागू हो चुका है और पूरा देश इसे स्वीकार चुका है। इस कारण उत्तराखंड में विरोधी भी इसका विरोध नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने अपील की कि राजनीतिक दल लोगों की भावना समझें और राष्ट्रीय स्तर पर भी इसका विरोध न करें। (पेज-6)

कांग्रेस की 'लूट ईस्ट' नीति को भाजपा ने 'एक्ट ईस्ट' में बदला

अगरतला, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी ने 'लूट ईस्ट' नीति अपना रखी थी, लेकिन भाजपा ने उसे 'एक्ट ईस्ट' नीति में बदल दिया। प्रधानमंत्री ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि त्रिपुरा ने भाजपा सरकार के शासन में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। भाजपा सरकार क्षेत्र में विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। राज्य में राजमार्गों के उन्नयन के लिए तीन हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कांग्रेस और माकपा पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, जांच एजेंसियों के इस्तेमाल को लेकर आलोचना करने वाले कांग्रेस के युवराज अब भ्रष्टाचार के आरोप में केरल के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। किसी भ्रष्ट व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

देश में 150 सीटों तक सिमट जाएगी भाजपा : राहुल

- राहुल गांधी ने अखिलेश यादव के साथ गाजियाबाद में की संयुक्त प्रेस वार्ता
- दोनों बोले, चुनावी बांड दुनिया की सबसे बड़ी उगाही योजना
- सहारनपुर में प्रियंका ने बोलीं, ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं हुई तो भाजपा को केवल 180 सीटें

गाजियाबाद में बुधवार को पत्रकार वार्ता करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव। मनोज कुमार

जागरण टीम, नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा 150 सीटों तक सिमट जाएगी। वहीं महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का कहना है कि देश में ईवीएम से छेड़छाड़ किए बिना निष्पक्ष चुनाव हुए तो भाजपा 180 से ज्यादा सीटें हासिल नहीं कर पाएगी। बुधवार को राहुल और अखिलेश ने जहां गाजियाबाद में संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता को संबोधित किया, वहीं प्रियंका ने सहारनपुर में पार्टी प्रत्याशी इमरान मसूद के समर्थन में रोड शो किया।

राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव रामनवमी के मौके पर गाजियाबाद पहुंचे थे। राहुल ने अपनी सीटों का अनुमान लगाने से इन्कार करते हुए कहा कि 15 दिन पूर्व देश में भाजपा को करीब 180 सीटें मिल रही थीं, लेकिन हालात तेजी से बदले हैं। अब भाजपा 150 सीटों तक सिमट जाएगी। अखिलेश ने भी कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चली बदलाव की हवा उत्तर प्रदेश और देश में बदलाव लाएगी। प्रेसवार्ता के बाद दोनों नेताओं ने गठबंधन का प्रचार गीत भी लांच किया।

भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन चुकी है भाजपा...

अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा ने पेपर लीक से 60 लाख नौजवानों का भविष्य अंधकार में डाल दिया। इससे नाराज लोग भाजपा को वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की नैतिकता का बुलबुला फूट चुका है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन चुकी है। हमें उम्मीद है कि देश में आने वाले समय में आइएनडीआइए की नई सरकार बनेगी।

राहुल ने कहा कि मोदी कहते हैं कि चुनावी बांड पारदर्शिता के लिए लाया गया था, तो सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद क्यों किया। वह चाहे जितनी सफाई दें, हर कोई जानता है कि वह भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। जिन कंपनियों को हजारों करोड़ का कांट्रैक्ट मिलता है, वही बाद में भाजपा को पैसा देती हैं। इसे सड़क पर उगाही करना कहते हैं। चुनावी बांड स्कीम दुनिया की सबसे बड़ी उगाही योजना है।

प्रियंका ने कहा, मोदी को सत्य नहीं सत्ता चाहिए पेज>>4

विमर्श

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से मुक्ति: जलवायु परिवर्तन से धरती पर जीवों को होने वाले नुकसान का मामला बहुत ही गंभीर है। इनसे उत्पन्न खतरों से निपटने के लिए न्यायालय ने भी अपने स्तर से प्रयास आरंभ कर दिया है, जिसे रेखांकित कर रहे हैं, **शशांक राय**।

दक्षिण कराएगा 400 पार: प्रधानमंत्री मोदी ने जबसे राजग की लगातार तीसरी बार जीत का दावा करते हुए 'अबकी बार, 400 पार' का नारा दिया है, यह एक रोचक विषय हो गया है कि इस मिशन का फार्मूला क्या होगा। **डा. पश्यन्ती शुक्ला** का आलेख। ● पेज-9

आइपीएल

आज का मैच

पंजाब किंग्स vs मुंबई इंडियंस

शाम 7:30 बजे | स्थान: चंडीगढ़

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियो सिनेमा

सप्तरंग

तकनीक की दुनिया का

कैसे पाएं डिजिटल वोटर आइडी

पेशेवर कार्यों में उपयोगी एआइ टूल्स

● पेज-13

महासमर 2024

वोट तो है लेना, लेकिन हिस्सेदारी नहीं देना पेज>>3

'काला सोना' उगलने वाली सीट पर भाजपा-कांग्रेस में मुकाबला पेज>>3

चुनाव के बाद भाजपा बहुमत खोने जा रही : शशि थरूर पेज>>4

युवा कांग्रेस नेता ने 24 घंटे में दो बार मारी पलटी पेज>>4

भाजपा ने डीके शिवकुमार पर सत्ता के दुरुपयोग का लगाया आरोप पेज>>5

लोकसभा की 102 सीटों पर थमा चुनावी शोर, मतदान 19 को

नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, तमिलनाडु सहित 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की पहले चरण में शामिल 102 लोकसभा सीटों पर बुधवार शाम छह बजे चुनावी शोर थम गया। इन सीटों पर अब रैली और सभाओं के आयोजन की इजाजत नहीं होगी। हालांकि प्रत्याशी इस दौरान बगैर किसी तामझाम के घर-घर जाकर प्रचार कर सकेंगे। पहले चरण की इन सभी सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होंगे। पहले दौर में आठ केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्रियों व एक पूर्व राज्यपाल की चुनावी किस्मत का फैसला भी होगा। (पेज-5)

रेल टिकटों का 24 घंटे में मिलेगा रिफंड, नया सुपर एप होगा लांच

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव, 2024 के बाद नई सरकार के लिए रेलवे ने अपनी 100 दिन की योजना तैयार कर ली है। इसमें 24 घंटे में टिकट रिफंड, रेलवे की विभिन्न सुविधाओं के लिए एक व्यापक सुपर एप और स्लीपर वंदे भारत ट्रेन जैसे यात्री अनुकूल विभिन्न कदम शामिल हैं। सुपर एप में टिकट बुक व कैंसिल कराने, ट्रेनों की लाइव ट्रैकिंग और ट्रेनों में खाने की बुकिंग जैसी सुविधाएं होंगी। रेलवे के लिए सौ दिनों के एजेंडे में सभी रेल यात्रियों के लिए 'पीएम रेल यात्री बीमा योजना' भी शामिल है। (पेज-7)

किचन में घटिया किस्म के बर्तनों का इस्तेमाल होगा बंद

नई दिल्ली: किचन में इस्तेमाल होने वाले घटिया किस्म के बर्तनों की बिक्री अब बंद होने जा रही है। सरकार ने स्टेनलेस स्टील व एल्युमिनियम के बर्तन पर क्वालिटी कंट्रोल के नियम की अधिसूचना जारी कर दी है, जो आगामी सितंबर से लागू हो जाएगी। इससे घटिया किस्म के बर्तनों से सेहत पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव में कमी आएगी और घरेलू स्तर पर स्टेनलेस स्टील के बर्तन बनाने वाले छोटे उद्यमियों का कारोबार बढ़ेगा। कोई क्वालिटी कंट्रोल नहीं होने से बड़े पैमाने पर स्टेनलेस स्टील के बर्तन चीन से आयात हो रहे थे। (पेज-10)

नक्सलियों से मुठभेड़ को भूपेश बघेल फर्जी बताकर पलटे

विवाद

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम ने कहा- फर्जी मुठभेड़ें बढ़ीं, फिर बोले- बयान एनकाउंटर से पहले दिया था, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा- सर्जिकल स्ट्राइल को भी काल्पनिक कहती है कांग्रेस, मंगलवार को कांकेर में सुरक्षा बल के जवानों ने मार गिराए थे 29 नक्सली

राज्य ब्यूरो ● नईदुनिया

रायपुर : छत्तीसगढ़ के कांकेर में नक्सलवाद पर अब तक की हुई सबसे बड़ी कार्रवाई के बाद एक ओर जहां जवानों का उत्साह बढ़ा हुआ है, वहीं इसे लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ओर से मुठभेड़ को फर्जी बताए जाने के आरोप लगाए गए। विवाद बढ़ता देख उन्होंने राग बदलते हुए कहा, जबसे भाजपा की सरकार बनी है, प्रदेश में फर्जी मुठभेड़ बढ़ गए हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने यह बयान एनकाउंटर की घटना से पहले दिया था, मुठभेड़ की जानकारी बाद में लगी। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे कांग्रेस की बौखलाहट का परिणाम बताते हुए कहा कि इससे पहले कांग्रेस सर्जिकल स्ट्राइल को भी काल्पनिक बता चुकी है।

उल्लेखनीय है कि कांकेर में मंगलवार को हुई मुठभेड़ में अब तक 29 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस बौखला गई है। पिछले पांच वर्ष तक भूपेश सरकार में नक्सलवाद पैर फैलाता रहा। भाजपा के नेताओं की लगातार टारगेट किलिंग हुई। तब उनकी मिलीभगत इसी से स्पष्ट था कि कांग्रेस सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। अभी विष्णुदेव साय सरकार में लगातार कार्रवाई हो रही है।

वहीं, कांग्रेस ने मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की घटना पर संदेह प्रकट करते हुए जांच की मांग कर दी है। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि जो लोग बलिदान हुए और कुछ हमारे सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं, उनके प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। मारे गए नक्सलियों को कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा बलिदानी बताए जाने पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का ये निकृष्ट बयान है। यह लोकतंत्र, सुरक्षा बलों के मनोबल, सुरक्षा बलों के पराक्रम और बस्तर की जनता पर प्रहार है। हालांकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद दीपक बैज ने कहा कि हमारे जवानों की बहादुरी और जांबाजी को सलाम है। कांग्रेस सरकार ने बीते पांच वर्ष में नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए मजबूत नीति के साथ काम किया है। कांग्रेस सरकार के द्वारा बनाई गई नीति के चलते ही कोंडागांव जिला अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र से बाहर हुआ है।

भूपेश बघेल। फाइल

विष्णुदेव साय। फाइल

भूपेश ने जवानों के शौर्य का किया अपमान : गृह मंत्री विजय शर्मा

राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने भूपेश बघेल द्वारा एनकाउंटर को फर्जी बताने को जवानों के शौर्य का अपमान बताते हुए कहा कि जिन घायल जवानों से मैं अस्पताल में मिलकर आया हूं, क्या वह भी फर्जी है? बघेल को इसका जवाब देना होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रोडमैप पर चल रहा नक्सलियों के खात्मे का अभियान पेज>>7

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में मतदान के तीन दिन पहले भाजपा नेता की हत्या पेज>>7

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

Scan QR CODE to get UPSC Preparation Insights from VisionIAS Topper's Talk

8468022022 www.visionias.in

UPSC सिविल सेवा परीक्षा 2023 में चयनित सभी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई

16 in Top 20 Selections in CSE 2023 from various programs of VISIONIAS

हिन्दी माध्यम टॉपर

1 AIR ADITYA SRIVASTAVA

2 AIR ANIMESH PRADHAN

5 AIR RUHANI

53 AIR मोहन लाल

लाइव/ऑनलाइन कक्षाएं भी उपलब्ध

फाउंडेशन कोर्स
सामान्य अध्ययन 2025

प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज

दिल्ली: 10 अप्रैल, 9 AM | 14 मई, 9 AM

अधिक जानकारी, रजिस्टर या फ्री काउंसलिंग के लिए हमारे एक्सपर्ट से बात करें

Open Session DELHI

करें IAS बनने के सपने को साकार टॉपर्स के साथ

18 अप्रैल, 1 बजे से

136 AIR अर्पित कुमार

Scan QR for Open Session OFFLINE ONLY

Vision IAS Classroom & Enquiry office, GTB Nagar Metro Building, Above Gate No. 2

अभ्यास प्रीलिम्स 2024

आल इंडिया प्रीलिम्स (GS+CSAT) मॉक टेस्ट सीरीज

टेस्ट दिनांक 21 अप्रैल | 12 मई | 26 मई

पंजीकरण करें: www.visionias.in/abhyaas

DELHI: 1st floor, Apsara Arcade, Near Gate-7 Karol Bagh Metro Station, Delhi | CONTACT: 8468022022, 9019066066
GTB Nagar Enquiry and Classroom Centre, Above GTB Nagar Metro Station Gate No. 2, Delhi - 110009

AHMEDABAD | BENGALURU | BHOPAL | CHANDIGARH | GUWAHATI | HYDERABAD | JAIPUR | JODHPUR | LUCKNOW | PRAYAGRAJ | PUNE | RANCHI

****

75 पेड़ को नुकसान पहुंचाने और गिराने के मामले पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने एमसीडी को निर्देश दिया कि उचित संख्या में पौधारोपण किया जाए। वहीं, जनकपुरी स्थित हैवन रोड पार्क को पूर्व स्थिति के रूप में बहाल करने के संबंध में वन विभाग को निर्देश दिया।

आज का मौसम

दिनभर बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाएं चलेंगी। देर शाम या रात के समय हल्की वर्षा भी हो सकती है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
18 अप्रैल	36.0	22.0
19 अप्रैल	34.0	23.0
नोएडा		
18 अप्रैल	38.0	25.0
19 अप्रैल	38.0	23.0
गुरुग्राम		
18 अप्रैल	36.0	22.0
19 अप्रैल	34.0	23.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

10वीं-12वीं में दाखिले के लिए होगी प्रवेश परीक्षा

नई दिल्ली : राजधानी के सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 10वीं व 12वीं में दाखिले को लेकर 18 अप्रैल से आवेदन शुरू होंगे जो कि 30 अप्रैल तक चलेंगे। निदेशालय ने दाखिला प्रक्रिया को लेकर तिथियां जारी कर दी हैं। आवेदन करने के बाद एडमिट कार्ड सात मई को जारी होगा और नौ मई को प्रवेश परीक्षा होगी। वहीं, 14 मई को प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी होगा। निदेशालय ने स्पष्ट किया कि सरकारी स्कूलों में केवल वही विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे जो दिल्ली के मूल निवासी हैं। (जासं)

छात्राओं के लिए हो खेल उत्सव का आयोजन

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की ओर से नवरात्र में हर एक दिन छात्राओं को डूसू अध्यक्ष बनाने की पहल के दौरान राम नवमी पर स्वामी श्रद्धानंद कालेज की छात्रा सोफिया अध्यक्ष बनीं। उन्होंने कालेज के प्राचार्य को ज्ञापन भेजकर छात्राओं के लिए खेल उत्सव शुरू करने की मांग की। सोफिया ने बताया कि वो सुबह ही डूसू कार्यालय पहुंच गई थीं। ईद के बाद उन्होंने कार्यभार सौंपने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि पहल बहुत अच्छी है। मैंने कालेज के प्राचार्य से शौचालयों की स्वच्छता सुविधा को बढ़ाने की मांग की। (जासं)

दंगा करने और हत्या के प्रयास के मामले में दो बदमाश पकडे.

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने समयपुर बादली थाना क्षेत्र में दंगा करने और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान राजबीर उर्फ कैप्टन उर्फ मयंक और तुषार उर्फ तोता के रूप में हुई है। दोनो समयपुर बादली के रहने वाले हैं। (जासं)

आनंद विहार आरआरटीएस से जुड़ा मेट्रो स्टेशन

नमो भारत ट्रेन से उतरकर कुछ ही क्षण में सवार हो सकेंगे मेट्रो में, आनंद विहार में बन रहा मल्टीमाडल इंटीग्रेशन हब

आरआरटीएस और मेट्रो स्टेशन के कानकोर्स लेवल को आपस में जोड़ने के लिए लगाए गए एस्केलेटर और लिफ्ट

संजीव गुप्ता ● जागरण

नई दिल्ली: दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कारिडोर पर दिल्ली सेक्शन में बनाए जा रहे आनंद विहार स्टेशन का कानकोर्स लेवल, मेट्रो के ब्लू एवं पिंक लाइन आनंद विहार स्टेशन के कानकोर्स लेवल से जुड़ गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने कानकोर्स लेवल को आपस में जोड़ने के लिए यहां कई एस्कलेटर (स्वचालित सीढ़ियां) एवं लिफ्ट लगाई हैं, ताकि यात्री मेट्रो स्टेशन से आरआरटीएस स्टेशन या फिर आरआरटीएस स्टेशन से मेट्रो स्टेशन तक आसानी से आ-जा सकें।

इस स्टेशन के संचालित होने पर आरआरटीएस के यात्री स्टेशन से बाहर निकले बिना ही मेट्रो स्टेशन में आसानी से पहुंच सकेंगे। यहां पर आरआरटीएस के यात्री मेट्रो स्टेशन में प्रवेश करने के साथ ही आनंद विहार रेलवे स्टेशन, स्वामी विवेकानंद (आनंद विहार) अंतरराज्यीय बस अड्डा (आइएसबीटी), कौशांबी स्थित अंतर्राज्यीय बस अड्डा उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम व अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (डीटीसी) तक बिना किसी रुकावट के पहुंच सकेंगे।

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कारिडोर के अंतर्गत बनाया जा रहा आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन एक भूमिगत स्टेशन है। इस स्टेशन में कानकोर्स और प्लेटफार्म लेवल बनकर तैयार हो चुके हैं। यह स्टेशन 297 मीटर लंबा और 35 मीटर चौड़ा है। खास यह कि इस स्टेशन को जमीन से महज एक लेवल नीचे बनाया गया है।

यहां यात्रियों की सुविधा के लिए तीन लिफ्ट लगाई गई हैं, जिनमें से एक लिफ्ट कानकोर्स से प्लेटफार्म पर जाने के लिए और दो मेट्रो स्टेशन में आवागमन के लिए बनाई गई हैं। साथ ही यहां पांच एस्कलेटर लगाए जा चुके हैं। इनमें तीन एस्कलेटर कानकोर्स से प्लेटफार्म पर आवागमन के लिए दो अन्य मेट्रो स्टेशन से जोड़ने के लिए लगाए गए हैं। वहीं, स्टेशन में ट्रैक बिछाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। स्टेशन में फ्लोरिंग का कार्य अंतिम पड़ाव में है और तकनीकी रूम्स भी बनकर तैयार हो चुके हैं। वेंटीलेशन के लिए एसी एयर डक्ट भी लगाए जा चुके हैं। इसके साथ ही स्टेशन में फसाड लगाने और फाल सीलिंग का कार्य भी जारी हैं।

स्टेशन में यात्रियों के लिए दो प्रवेश व निकास द्वार बनाए जा रहे हैं। इसमें से एक प्रवेश-निकास द्वार चौधरी चरण सिंह मार्ग की तरफ और एक आनंद विहार रेलवे स्टेशन की तरफ बनाया जाएगा। इसके साथ ही स्टेशन को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए गाजीपुर ड्रेन पर तीन पुलों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है, इनमें से एक पुल मुख्य मार्ग से आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन में प्रवेश और दूसरा निकास के लिए बनाया जा रहा है, जबकि तीसरा पुल पैदल यात्रियों के लिए बनाया जा रहा है। इनमें से स्टेशन में वाहनों के प्रवेश और पैदल यात्रियों के लिए बनाए जा रहे पुलों की स्लैब कास्टिंग पूर्ण हो गई है और तीसरे पुल की स्लैब कास्टिंग लगभग आधी हो गई है।

आपस में जोड़ा गया आनंद विहार आरआरटीएस और मेट्रो स्टेशन। सौजन्य- एनसीआरटीसी

कुछ ऐसा होगा आनंद विहार का मल्टी माडल इंटीग्रेशन

- महज 50 मीटर की दूरी पर है आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन से मेट्रो स्टेशन (ब्लू और पिंक लाइन)
- यहां से स्वामी विवेकानंद (आनंद विहार) अंतरराज्यीय बस अड्डा (आइएसबीटी) सिर्फ 150 मीटर की दूरी पर है
- अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (डीटीसी) 150 मीटर की दूरी पर स्थित है
- **297** मीटर लंबा व 35 मीटर चौड़ा है यह स्टेशन
- कौशांबी स्थित अंतरराज्यीय बस अड्डा उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम महज 100 मीटर की दूरी पर है
- वर्तमान में मेट्रो परिसर से चौधरी चरण सिंह मार्ग को जोड़ने के लिए एक फुट ओवरब्रिज (एफओबी) बना हुआ है। आरआरटीएस स्टेशन को उससे जोड़ने के लिए लिफ्ट, सीढ़िया और एस्केलेटर की सुविधा दी जाएगी
- आनंद विहार रेलवे स्टेशन 200 मीटर की दूरी पर है

विदेशी नागरिकों से करते थे ठगी, काल सेंटर पर छापेमारी कर पांच पकड़े

जासं, सोनीपत: कस्टमर सर्विस के नाम पर विदेशी नागरिकों से ठगी करने वाले गिरोह का क्राइम यूनिट ने भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया, जबकि काल सेंटर संचालक भाग निकला। आरोपित पीड़ितों के सिस्टम पर एनीडेस्क डाउनलोड करवा उसे रिकार्ड जुटाकर ठगी करते थे। कुंडली थाना पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

गन्नौर की क्राइम यूनिट को सूचना मिली थी कि कुंडली स्थित लेक ग्रुप सोसायटी वाटर फ्लोर टावर मे थर्डफ्लोर पर फ्लैट नबर-88 मे दिल्ली के रोहिणी के रहने वाला नीरज राणा अपने साथियों के साथ मिलकर बिना किसी सरकारी अनुमति के फर्जी काल सेंटर चलाकर यूएसए के नागरिकों के पास एप्पल, माइक्रोसाफ्ट, अमेजन, एप्पल की कस्टमर सर्विस व टेक्निकल स्पोर्ट देने के नाम पर समस्या बतलाकर एप के माध्यम से काल प्राप्त करके विदेशी नागरिकों को गुमराह कर समस्या को दूर करने के नाम पर ठगी करता है, जिसके बाद सीआइए ने पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त क्राइम को मामले की सूचना दी। साइबर थाना व कुंडली थाना पुलिस को साथ लेकर छापेमारी की गइ। जहां दो युवक मौजूद मिले। इन्होंने अपनी पहचान वेस्ट मुंबई के नैनो एस्टेट अंबरनाथ के रहने वाले होजेफा मामाजीवाला और दूसरे ने मुंबई के ठाणे के अमरनाथ वेस्ट के रहने वाले जुनैद के रूप में दी।

पीडब्ल्यूडी ने सीएम के निजी सचिव को घर खाली करने का भेजा नोटिस

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव को पद से हटाए जाने के बाद अब उनको सरकारी आवास भी खाली करना होगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने उन्हें आवंटित सिविल लाइन के चंद्रावल वाटर वर्क्स के क्वार्टर नंबर डी-दो टाइप-चार को खाली करने का नोटिस भेजा है। दरअसल सतर्कता निदेशालय ने नियमों का उल्लंघन कर रखे गए मुख्यमंत्री के निजी सचिव विभव कुमार की नियुक्ति को रद कर दिया था।

वहीं सतर्कता निदेशालय के खिलाफ निजी सचिव ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण का रुख किया था। न्यायाधिकरण से राहत न मिलने पर पीडब्ल्यूडी ने निजी सचिव को एक माह के भीतर आवंटित आवास खाली करने का नोटिस भेजा है। पीडब्ल्यूडी ने अपने नोटिस में कहा है कि सतर्कता निदेशालय ने 10 अप्रैल को विभव कुमार की नियुक्ति खत्म कर दी है। दिल्ली शराब घोटाले में विभव कुमार का भी नाम है. ईडी ने इस मामले में विभव कुमार से 8 अप्रैल को पूछताछ भी की थी।

केजरीवाल को जेल से सरकार चलाने की अनुमति देने की मांग पर याचिका

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

> भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को केजरीवाल के इस्तीफे के लिए अवैध तरीकों से विरोध करने या बयान देने से रोकने की भी मांग की

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल से सरकार चलाने को लेकर जारी विवाद के बीच एक अधिवक्ता ने केजरीवाल को इसकी अनुमति देने की मांग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। अधिवक्ता श्रीकांत प्रसाद ने याचिका में वीडियो कांफ्रेंसिंग से कैबिनेट मंत्रियों के साथ बातचीत करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने की मांग की है।

अधिवक्ता ने याचिका में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को केजरीवाल के इस्तीफे के लिए अवैध तरीकों से विरोध करने या बयान देने से रोकने की भी मांग की गई है। सचदेवा के नेतृत्व में डीडीयू मार्ग पर 10 अप्रैल को किए गए विरोध प्रदर्शन के लिए उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू करने की भी मांग की गई है। आरोप लगाया गया है कि सचदेवा ने ऐसा करके यातायात और शांति को प्रभावित करने का प्रयास किया। याचिका में तर्क दिया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी की वर्तमान स्थिति में संविधान के अनुच्छेद 21, 14 और 19 के तहत दिल्ली के लोगों के मौलिक अधिकार का उल्लंघन हो रहा है। याचिका में कहा गया कि संविधान या किसी भी कानून में मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री सहित किसी भी मंत्री को जेल से सरकार चलाने पर रोक नहीं है। आबकारी घोटाले में आरोपित केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च की रात गिरफ्तार किया था और दस दिन के रिमांड के बाद अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। वहीं, गिरफ्तारी व ईडी रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के दिल्ली हाई कोर्ट के निर्णय के विरुद्ध केजरीवाल की याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रडार लगाने का काम शुरू, सितंबर तक होगी कमिशनिंग

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

27 मार्च को रूस से भारत पहुंच चुका है रडार, स्थापित करने में जुटा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

30 अप्रैल तक पूरी तरह स्थापित कर दिया जाएगा रडार

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की बड़ी बाधा दूर हो गई है। एयरपोर्ट पर हवाई यात्रा के संचालन के लिए जरूरी रडार की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। 27 मार्च को रूस से भारत रडार पहुंच चुका है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने इसे लगाने का काम शुरू कर दिया है। यह कार्य 30 अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। पांच सितंबर तक रडार की कमिशनिंग हो जाएगी। आटोमेटिक डेपेंडेंट सर्विलांस ब्राडकास्ट (एडीएस-बी), एडवांस सरफेस मूवमेंट गाइडेंट्स एंड कंट्रोल सिस्टम (एएसएमजीसीएस), आटोमेशन सिस्टम और सरफेस मूवमेंट रडार (एसएमआर) का काम चल रहा है। एयरपोर्ट से प्रतिदिन 150 विमान प्रतिदिन उड़ान भर सकेंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण अंतिम चरण में है। अक्टूबर से यात्री सेवाओं का संचालन शुरू होगा। हवाई सेवाओं के संचालन में सबसे बड़ी बाधा रडार को लेकर थी। मुख्य सचिव डीएस मिश्रा ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अधिकारियों को एयरपोर्ट के निरीक्षण के दौरान रडार की उपलब्धता समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। एयरपोर्ट पर सर्विलांस रडार (एआरएस) नार्थ व एयरपोर्ट सर्विलांस रडार (एआरएस) साउथ का काम रूका हुआ था। वहीं 27 मार्च को रडार के भारत पहुंचने से यह बाधा दूर हो चुकी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि.नियाल के नोडल अफसर शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने रडार को स्थापित करने का काम शुरू है। यह कार्य 30 अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। पांच सितंबर तक रडार की कमिशनिंग हो जाएगी। रडार लगाने के बाद एयरपोर्ट से यात्री सेवाओं की शुरुआत हो सकेगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का निर्माण कार्य 1334 हेक्टेयर में चल रहा है। 3,900 मीटर लंबा रनवे बनकर तैयार हो चुका है। इसके साथ ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर पर शीशे व उपकरण लगाने का काम पूरा होने को है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की निर्माणाधीन साइट। जागरण

'शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग में नियमों की अनदेखी कर आवंटित किया काम'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल सरकार के शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग में अनियमितता के आरोप को भाजपा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के लोग केजरीवाल सरकार के पुराने घोटालों को भूले भी नहीं थे कि अब शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का मामला सामने आ गया है।

प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा मंगलवार को दोनों विभागों के घोटाले को उजागर करने पर दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भ्रामक बयानबाजी कर विषय से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों को बताना चाहिए कि अधिक बोली लगाने वाली कंपनी बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप को ठेका क्यों दिया गया और पंजाब की आप नेता सीमा बंसल का इस कंपनी से क्या संबंध है? सत्यापन फेल होने के बाद भी अस्पतालों में दवा व अन्य सामान की आपूर्ति करने का काम प्राप्त करने वाली कंपनी तिरुपति मेडिलाइन पी लिमिटेड मालिकों मुदित गुप्ता एवं शुभम गुप्ता से आम आदमी पार्टी का क्या रिश्ता है? केजरीवाल सरकार से जवाब नहीं मिलने पर भाजपा कार्यकर्ता दिल्ली सचिवालय का घेराव करेंगे। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल सरकार का घोटालों से पुराना संबंध है।

सत्येंद्र जैन पर फर्जी कंपनियों के माध्यम से भ्रष्टाचार करने और जमीन घोटाले का आरोप है। केजरीवाल के साढू सुरेंद्र बंसल की कंपनी पर लोक निर्माण विभाग में फर्जी बिल घोटाले का आरोप है। दिल्ली जल बोर्ड में दो कंपनियों के माध्यम से घोटाला करने का आरोप है।

वीरेंद्र सचदेवा। फाइल

अधिक बोली लगाने वाली बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप को ठेका क्यों दिया : सचदेवा

यूनिटेक के पूर्व प्रवर्तक संजय व अजय चंद्रा की डिफाल्ट जमानत खारिज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: पटियाला हाउस कोर्ट ने कई घर खरीदारों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी से संबंधित मनी लांड्रिंग मामले में यूनिटेक के पूर्व प्रवर्तक संजय चंद्रा और अजय चंद्रा की डिफाल्ट जमानत याचिका खारिज कर दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरज मोर ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं की जांच तय सीमा की अवधि के भीतर पूरी की गई थी, इसलिए याचिकाकर्ता सीआरपीसी की धारा 167 के तहत डिफाल्ट जमानत के अधिकार के हकदार नहीं हैं।

न्यायाधीश ने कहा कि आरोपितों के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए रिकार्ड पर पर्याप्त सुबूत उपलब्ध है। यदि आरोपित की गिरफ्तारी की तारीख से निर्धारित सीमा में जांच समाप्त नहीं होती है, तो व्यक्ति के पास डिफाल्ट जमानत पर रिहा होने का वैधानिक अधिकार है। ईडी ने धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, रिश्वत देने सहित विभिन्न अपराधों के लिए 60 से अधिक केस के आधार पर 2018 में मामला दर्ज किया था।

राष्ट्रीय धाविका रही पत्नी और साले की हत्या कर किया आत्मसमर्पण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली के शकरपुर में बुधवार को एक व्यक्ति ने पेचकस से वार कर अपनी पत्नी और साले की हत्या कर दी। मृतका कमलेश होल्कर (29) राष्ट्रीय स्तर की धावक थीं, जबकि उनका भाई रुद्र प्रताप सिंह (17) हाकी का खिलाड़ी था। दोनों मूल रूप से मथुरा की अमर कालोनी के रहने वाले थे। वारदात के बाद आरोपित श्रेयांस कुमार मौके से फरार हो गया था, लेकिन कुछ ही घंटों बाद उसने घर पर जांच कर रही पुलिस टीम के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस मामले में हत्या की वजह स्पष्ट नहीं कर पा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपित का शादी के बाद से ही पत्नी से विवाद था। हत्या के आरोप में प्राथमिकी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है और पेचकस बरामद हो गया है। मृतकों के पिता पातीराम होल्कर का आरोप है कि श्रेयांस व उसके परिवार वाले दहेज मांगते थे। पिछले कुछ महीनों से कार की मांग कर रहे थे। उनका आरोप है कि दहेज के चलते ही उनके दामाद ने परिवार के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया है।

शकरपुर गली नंबर-तीन मकान नंबर डब्ल्यूबी-97ए में कमलेश दूसरी मंजिल पर पति श्रेयांस और बेटे काव्यांश के साथ रहती थी। पहली मंजिल पर ससुर रामबीर सिंह, सास लता रहती हैं। ससुर एयरफोर्स से रिटायर हैं, जबकि सास सरकारी शिक्षक के पद से सेवानिवृत्त हैं। भूतल पर दादा ससुर चुन्नीलाल व दादी सास रहती हैं। बुधवार सुबह पुलिस को मकान में झगड़े व किसी के घायल होने की सूचना मिली थी। वहां पहुंचने पर पुलिस टीम को दूसरी मंजिल पर कमलेश होल्कर और उसके भाई रुद्र प्रताप सिंह का शव खून से लथपथ पड़ा मिला।

कमलेश होल्कर।

रुद्र प्रताप सिंह।

'प्रेम में आत्महत्या करने पर दूसरे पक्ष को नहीं ठहराया जा सकता दोषी'

विनीत त्रिपाठी ● जागरण

> मामले में आरोपित एक महिला व पुरुष को अग्रिम जमानत देते हुए हाई कोर्ट ने की टिप्पणी
>
> सुसाइड नोट में युवक ने दोनों आवेदकों को अपनी आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया था

नई दिल्ली: प्यार में असफलता पर जीवन समाप्त करने पर दूसरे पक्ष पर आरोप लगाने से जुड़े मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम निर्णय सुनाया है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने कहा कि प्रेम के मामले में असफलता के कारण अगर प्रेमी आत्महत्या कर लेता है, तो महिला को पुरुष को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि कमजोर या दुर्बल मानसिकता वाले व्यक्ति द्वारा लिए गए गलत निर्णय के लिए किसी अन्य व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

अदालत ने यह टिप्पणी आत्महत्या के लिए उकसाने से जुड़े मामले में आरोपित एक महिला और एक पुरुष को अग्रिम जमानत देते हुए की। आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के पिता ने शिकायत दर्ज करा आरोप लगाया था कि महिला उसके बेटे से प्रेम करती थी, जबकि दूसरा आवेदनकर्ता दोनों का मित्र था। आरोप लगाया गया था कि आवेदकों ने युवक को यह कहकर उकसाया कि उन्होंने एक-दूसरे के साथ शारीरिक संबंध बनाए हैं और जल्द ही शादी करेंगे। व्यक्ति ने आत्महत्या की थी और उसके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला था। सुसाइड नोट में युवक ने दोनों आवेदकों को अपनी आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

अदालत ने आवेदकों को अग्रिम जमानत देते हुए कहा कि रिकार्ड पर रखे गए वाट्सएप चैट से प्रथमदृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक संवेदनशील स्वभाव का था और जब भी महिला उससे बात करने से इन्कार करती थी तो वह लगातार आत्महत्या करने की धमकी देता था।

तैयारी

स्नातकोत्तर की 13,500 सीटों पर लिया जा रहा है प्रवेश, 81 स्नातकोत्तर विषयों का छात्र कर सकते हैं चुनाव

डीयू में स्नातकोत्तर के लिए सीएसएएस पोर्टल माह के अंत तक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) स्नातकोत्तर के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। अब दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश की तैयारी में जुटा हुआ है। सीयूईटी देने वाले छात्रों को डीयू में प्रवेश सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) के जरिये दिया जाता है। एनटीए ने पहले स्नातकोत्तर के परिणाम जारी किए हैं। इसलिए डीयू उसके लिए पहले पोर्टल की शुरुआत करेगा। अप्रैल के आखिरी सप्ताह में सीएसएएस पर पंजीकरण शुरू हो जाएंगे। शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर डीयू तिथि की घोषणा करेगा। पिछले वर्ष भी सीएसएएस से ही डीयू में प्रवेश लिए गए थे।

डीयू की प्रवेश शाखा के अधिकारियों ने बताया कि स्नातकोत्तर के परिणामों के साथ ही सीएसएएस पोर्टल की शुरुआत की जानी थी। लेकिन, अभी पोर्टल का काम पूरा नहीं हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें परिणाम अप्रैल के अंत तक घोषित होने की उम्मीद थी। हालांकि, यह थोड़ा पहले घोषित कर दिए गए। डीयू की तैयारी पूरी है। थोड़ा ही काम बाकी है, जो इस हफ्ते में ही पूरा कर लिया जाएगा। कोशिश है कि शनिवार या सोमवार से स्नातकोत्तर के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए। उन्होंने कहा कि स्नातक की परीक्षाएं अभी नहीं हुई हैं। सीयूईटी स्नातक के परिणाम घोषित होने के बाद पंजीकरण की घोषणा की जाएगी। सीयूईटी स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए परीक्षा 11 मार्च से 28 मार्च तक हुई थी। डीयू पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि पंजीकरण के लिए सीएसएएस से आवेदन करना जरूरी है। छात्र डीयू की वेबसाइट पर इंफोर्मेशन बुलेटिन देखकर विषयों का चुनाव कर सकते हैं। नियमित कालेजों की तरह डीयू के नान कालिजिऐयट वूमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में भी स्नातकोत्तर प्रोग्राम में दाखिले सीयूईटी स्कोर के आधार पर होंगे। 2024-25 सत्र के लिए स्नातकोत्तर की 13,500 सीटों पर सीयूईटी स्कोर के आधार पर प्रवेश होंगे। इस वर्ष 81 स्नातकोत्तर विषयों के लिए प्रवेश लिए जा रहे हैं। पहले यह संख्या 77 थी। इस वर्ष डीयू ने एमए हिंदू स्टडीज, एमए चाइनीज, एमए कोरियन के अलावा मास्टर्स - पब्लिक हेल्थ इसमें शामिल किया है। पिछले साल हिंदू स्टडीज, चाइनीज और कोरियन के लिए मेरिट के आधार पर प्रवेश लिए गए थे।

दिल्ली विश्वविद्यालय। फाइल

स्नातक की 71 हजार सीटों पर दिया जाएगा प्रवेश

डीयू में स्नातक के लिए इस वर्ष 68 कालेजों में 71 हजार सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। छात्रों के लिए 79 स्नातक कार्यक्रम और 198 बीए प्रोग्राम की पेशकश की गई है। डीयू में 1550 से अधिक विषयों के संयोजन छात्र चुन सकते हैं। सीयूईटी स्नातक की परीक्षाएं 15 से लेकर 31 मई तक होंगी। इसके परिणाम घोषित होने के बाद डीयू स्नातक के लिए सीएसएएस पोर्टल की शुरुआत करेगा। सीयूईटी स्नातक के चार भाग हैं। श्रेणी एक ए में 13 भाषाएं, एक बी में 20 अतिरिक्त भाषाएं, श्रेणी दो में 27 डोमेन के विशिष्ट विषय और श्रेणी तीन में जनरल टेस्ट होगा। इस बार छात्र अधिकतम छह विषय चुन सकते हैं। जनरल टेस्ट के साथ एक या दो भाषा का चुनाव कर सकते हैं। डीयू ने पिछले साल श्रेणी एक ए और एक बी को जोड़कर एक श्रेणी बनाई थी। जिसमें से एक भाषा और दूसरी श्रेणी में 27 डोमेन विशिष्ट विषय में से कम से कम तीन विषय छात्रों को चुनने थे।

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

****

1977 में जेल से चुनाव लड़ कर तीन लाख से अधिक मतों से जीत हासिल की थी जार्ज फर्नांडिस ने। लोकसभा सीट थी बिहार की मुजफ्फरपुर। जार्ज उस समय बड़ौदा डायनामाइट मामले में जेल में थे।

अतीत के आईने से

नेहरू की कैबिनेट में विपक्षी नेता भी थे

15 अगस्त, 1947 को बनी देश की पहली कैबिनेट में पं. जवाहरलाल नेहरू ने विपक्षी नेताओं डा.भीमराव आंबेडकर और श्यामाप्रसाद मुखर्जी को भी शामिल किया था। कैबिनेट में कुल 14 मंत्री थे। आइये जानते हैं पहली कैबिनेट के मंत्रियों और उनके विभागों के बारे में।

पं जवाहरलाल	प्रधानमंत्री
वल्लभ भाई पटेल	उपप्रधानमंत्री
डा. राजेंद्र प्रसाद	कृषि मंत्री
मौलाना अब्दुल कलाम आजाद	शिक्षा मंत्री
जान मथाई	परिवहन मंत्री
बलदेव सिंह	रक्षा मंत्री
जगजीवन राम	श्रम मंत्री
डा.एचसी भाभा	वाणिज्य मंत्री
रफी अहमद	संचार मंत्री
अमृत कौर	स्वास्थ्य मंत्री
भीमराव आंबेडकर	कानून मंत्री
षणमुखम चेट्टी	वित्त मंत्री
श्यामाप्रसाद मुखर्जी	उद्योग मंत्री
एनवी गाडगिल	ऊर्जा मंत्री

वोट तो है लेना, लेकिन हिस्सेदारी नहीं देना

महागठबंधन के दलों ने टिकट देने में अति पिछड़ों को बहुत पीछे छोड़ा

बिहार में राजग ने सात, महागठबंधन ने तीन अति पिछड़ों को दिए टिकट

1872 से हो रही थी जाति आधारित गणना, पर 1951 में कांग्रेस सरकार ने इसे कर दिया बंद

14% देश की मुस्लिम आबादी के सामने टिकट वितरण की हकीकत आई तो तारे आसमान में ही थे और अरमान हवा में

चरितार्थ हो रहीं हैदर अली की यह पंक्तियां

बहुत शोर सुनते थे पहलू में दिल का चीरा तो इक कतरा-ए-खूं न निकला।

अरविंद शर्मा • जागरण

नई दिल्ली: सामाजिक न्याय के लिए जातिवार गणना को जरूरी बताने वाले राजनीतिक दलों पर हैदर अली की यह पंक्तियां सटीक बैठती हैं। बहुत शोर सुनते थे पहलू में दिल का, चीरा तो इक कतरा-ए-खूं न निकला। चुनावी मंचों और सड़कों से जोर-जोर से आवाज आ रही है-जितनी जिसकी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी। नारे अच्छे लग रहे हैं। लगभग दो तिहाई ओबीसी आबादी का उत्साह बढ़ रहा है। हफ्तेभर पहले तक देश की करीब 14 प्रतिशत मुस्लिम आबादी को भी यह नारा सुन-सुन कर हिस्सेदारी के सपने आने लगे थे, लेकिन तारे तोड़कर लाने का भरोसा देने वाले दलों ने जब टिकटों की पेटियां खोलीं तो तारे आसमान में ही थे और अरमान हवा में। न तो कांग्रेस ने आबादी के अनुपात में टिकट दिए, न ही सपा एवं राजद ने। बसपा का रास्ता भी अलग नहीं। बिहार में 36 प्रतिशत अति पिछड़े भी हाशिये पर खड़े हो प्रभावशाली जातियों के हिस्से का टिकट गिन रहे हैं।

बिहार, उत्तर प्रदेश एवं झारखंड में मुस्लिमों की आबादी लगभग 18 प्रतिशत है। अति पिछड़ों की संख्या भी दो तिहाई से ज्यादा है, लेकिन टिकट सबसे कम मिले हैं। मुस्लिम-यादव (माय) समीकरण के सहारे तीन दशकों से राजनीति का पर्याय बन चुके लालू प्रसाद ने मुस्लिमों को भी आईना दिखा दिया है। राजद ने महागठबंधन में अपने हिस्से की 23 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं, जिनमें नौ यादव हैं। मुस्लिम एवं अति पिछड़ा से सिर्फ दो-दो प्रत्याशी उतारे। तीन आरक्षित सीटों को हटा दिया जाए तो लालू ने कुल 20 अनारक्षित सीटों में लगभग आधी सीटें अपनी बिरादरी में ही बांट दीं। ऐसे में वरिष्ठ पत्रकार सेराज अनवर का सवाल लालू प्रसाद से है कि बिहार में जातिवार गणना कराई ही क्यों? सेराज कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी पूछते हैं कि आबादी के अनुपात में जब हिस्सेदारी नहीं देनी है तो फिर शोर क्यों मचाया जा रहा है? देश में 1872 से जाति आधारित गणना होती रही थी, किंतु आजादी के बाद 1951 में कांग्रेस की सरकार में ही इसे बंद कर दिया गया। बाद में भी पर्दा डालने का प्रयास ही किया गया।

घटती गई मुस्लिमों की भागीदारी: चुनाव दर चुनाव मुस्लिम टिकट से दूर होते गए हैं। बिहार में दोनों तरफ (राजग व महागठबंधन) से इस बार सिर्फ पांच मुस्लिम प्रत्याशी हैं। 2014 में इस वर्ग से 15 प्रत्याशी थे। राजद ने छह को टिकट दिया था। 2019 में नौ मुस्लिम प्रत्याशी थे। राजद ने पांच को टिकट दिए थे। इस बार राजद एवं कांग्रेस ने दो-दो तथा जदयू ने एक मुस्लिम पर दांव लगाया है। आबादी के अनुरूप मिलने चाहिए आठ, पर मिले सिर्फ पांच टिकट। सेराज कहते हैं कि मुस्लिमों के बराबर टिकट तो लालू ने अपने घर की बेटियों को दे दिए।

उत्तर प्रदेश का हाल भी अलग नहीं: उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर सपा 62 सीटों पर लड़ रही है। अभी तक सिर्फ छह मुस्लिम प्रत्याशी उतारे गए हैं। चार सपा और दो कांग्रेस ने। बसपा भी कंजूसी बरत रही है। 2014 में सपा ने 14 व कांग्रेस ने 11 मुस्लिमों को टिकट दिए थे। सपा ने अब तक चार यादवों को टिकट दिए हैं। सबके सब मुलायम परिवार से हैं। मेरठ एवं मुरादाबाद जैसी सीटों पर पहले सपा मुस्लिम प्रत्याशी उतारते रही थी। वहां भी इस बार हिंदू पर ही दांव लगाया है।

उम्मीद जागी, पर हिस्सेदारी नहीं मिली

बिहार में पिछले वर्ष जातिवार गणना कराकर राज्य सरकार ने बताया कि किस जाति के कितने लोग हैं। अति पिछड़ी जातियां 36 प्रतिशत निकलीं। मुस्लिम 17.70 और यादव 14 प्रतिशत। मुस्लिमों में उम्मीद जगी कि सियासत में उनकी हिस्सेदारी बढ़ने वाली है। खासकर वैसे दलों से ज्यादा उम्मीद थी, जो उनके वोटों पर अपना अधिकार समझते आए हैं, किंतु राजद ने दो और जदयू ने सिर्फ एक मुस्लिम को प्रत्याशी बनाया। भाजपा-लोजपा ने इसकी भी जरूरत नहीं समझी। राजद ने अति पिछड़ों को सिर्फ तीन टिकट दिए। वामदलों की सूची में एक भी अति पिछड़ा प्रत्याशी नहीं है। कांग्रेस की नौ सीटों में से अभी तक सिर्फ तीन प्रत्याशी घोषित हुए हैं। दो मुस्लिम और एक हिंदू। शेष छह सीटों में दो आरक्षित हैं। जदयू ने पांच और भाजपा ने दो टिकट दिए हैं। झारखंड में अभी तक आइएनडीआइए के घटक दल सीट ही नहीं बांट पाए। जो प्रत्याशी उतारे हैं, उनमें न तो कोई मुस्लिम और न ही अति पिछड़ा है।

'काला सोना' उगलने वाली सीट पर भाजपा-कांग्रेस में मुकाबला

ओमप्रकाश तिवारी • जागरण

महाराष्ट्र का रण

- महाराष्ट्र की चंद्रपुर सीट पर पिछली बार विजयी रही थी कांग्रेस
- राम मंदिर व नई संसद के लिए लकड़ियां इसी क्षेत्र से भेजी गई

चंद्रपुर: भाजपा कांग्रेस से चंद्रपुर लोस सीट पुनः लेना चाहती है, जो पिछले चुनाव में कांग्रेस ने महाराष्ट्र में जीती थी। पूर्वी महाराष्ट्र का यह क्षेत्र अपनी कोयला खदानों (काला सोना) के लिए तो जाना ही जाता है। भाजपा ने यहां से वरिष्ठ नेता एवं राज्य सरकार में मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को प्रत्याशी बनाया है, जबकि कांग्रेस अपने दिवंगत सांसद सुरेश धानोरकर की विधवा प्रतिभा धानोरकर को टिकट दिया है।

नागपुर के नजदीक स्थित चंद्रपुर शहर का एक बड़ा हिस्सा कोयले की भूमिगत खदानों के ऊपर बसा है, तो धरातल के ऊपर इसका 45 प्रतिशत भाग वन क्षेत्र से घिरा है। इसी क्षेत्र का हिस्सा ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व में दुनियाभर के लोग बाघ देखने आते हैं। यहां की लकड़ियां भी ऐसी हैं कि देहरादून स्थित वन अनुसंधान संस्थान की सिफारिश पर नई संसद भवन व राममंदिर में उसी का उपयोग किया गया है। रामजन्मभूमि आंदोलन के उभार के बाद 1996 में पहली बार भाजपा के हंसराज अहीर ने यह सीट जीती थी। 2004, 2009 और 2014 में भी यहां से जीतते रहे, किंतु 2019 में हार गए। तब कांग्रेस के खाते में आई राज्य की यह एकमात्र सीट थी। मुनगंटीवार 1989 में छात्र राजनीति में रहते हुए मात्र 25 वर्ष की उम्र में यहां से चुनाव लड़ चुके हैं, पर हार गए थे। 1995 से लगातार पांच बार विस चुनाव जीतकर जब-जब राज्य में भाजपा सरकार बनी, तब-तब मंत्री बनते रहे हैं। भाजपा ने उन्हें चंद्रपुर सीट वापस पाने की जिम्मेदारी सौंपी है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री मुनगंटीवार ने इस वर्ष चल रहे छत्रपति शिवाजी महाराज के 350वें राज्याभिषेक वर्ष पर शिवाजी का बाघनख लंदन के संग्रहालय से वापस लाने के साथ-साथ कई और कार्यक्रमों की योजना भी बना रखी है, पर लड़ाई आसान नहीं है। चंद्रपुर लोस क्षेत्र के छह में से दो विस क्षेत्रों पर कांग्रेस का कब्जा है। इनमें से एक क्षेत्र वरोरा की विधायक उनकी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार प्रतिभा धानोरकर ही हैं। इसी जिले के एक और विस क्षेत्र (जो पड़ोसी लोस क्षेत्र गढ़चिरौली का हिस्सा है) ब्रह्मपुरी पर भी कांग्रेस का कब्जा है। ब्रह्मपुरी के विधायक विजय वडेट्टीवार को कांग्रेस ने चंद्रपुर की जिम्मेदारी दे रखी है। भाजपा को यहां पसीना बहाना पड़ रहा है।

भाजपा की अग्निपरीक्षा ले रहा अखिलेश का 'समाजवाद'

जितेंद्र शर्मा • जागरण

जनसंपर्क के दौरान मेरठ-हापुड़ सीट से भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल को स्थानीय लोगों ने धनुष भेंट किया • जागरण आर्काइव

ग्राउंड रिपोर्ट मेरठ

- मुद्दों की कब्र पर सजा है जातियों का दंगल
- सपा-बसपा के बीच सेंधमारी के दांव

जनसंपर्क के दौरान लोगों से संवाद करतीं मेरठ-हापुड़ सीट से सपा प्रत्याशी सुनीता वर्मा • जागरण आर्काइव

मेरठ: ध्रुवीकरण का दांव देखते रहे मेरठ में बहुत कुछ बदला हुआ है। सड़कों की सुधरी सूरत और बदली कानून एवं व्यवस्था की कहानी दबी जुबान के नीचे है और 'जाति जिंदाबाद' के नारे बुलंद। इतने बुलंद कि विपक्ष द्वारा जोरशोर से उठाए जाते रहे जातीय गणना और किसान आंदोलन की कहीं चर्चा नहीं तो राम मंदिर निर्माण से भी ऐसी लहर नहीं कि भाजपा को सुकून पहुंचे। दरअसल, यहां मुद्दों की कब्र पर जातियों का ऐसा दंगल सजा है कि सपा-बसपा में चल रही सेंधमारी के बीच रामायण धारावाहिक में 'राम' का अभिनय करने वाले अरुण गोविल को 'अग्निपरीक्षा' से गुजरना है। सामाजिक समीकरणों को सपा के समाजवाद की चुनौती के बीच भाजपा को भावनाओं के वेग का सहारा जरूर है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मेरठ-हापुड़ सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। तीन लोस चुनावों से इस पर भाजपा का ही कब्जा है। यहां भाजपा ने सांसद राजेंद्र अग्रवाल के स्थान पर इस बार अरुण गोविल को उम्मीदवार बनाया है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को अपनी उपलब्धियों में दर्ज कर चल रही भाजपा के रणनीतिकारों को निस्संदेह उम्मीद रही होगी कि राम के रूप में अरुण गोविल उत्तर प्रदेश की अन्य सीटों पर भी प्रभाव डालेंगे, लेकिन उनके सियासी शौर्य का सामना सपा मुखिया अखिलेश यादव के 'समाजवादी दांव' और बसपा प्रमुख मायावती की सोशल इंजीनियरिंग से है। बसपा ने देवव्रत त्यागी तो सपा ने क्षेत्र के मजबूत दलित नेता योगेश वर्मा की पत्नी व पूर्व महापौर सुनीता वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। इसका असर देखिए, मेरठ की अनुसूचित जाति बहुल बस्ती शेरगढ़ी में 'जय भीम' लिखी टी-शर्ट पहने सोनू आनंद की दिली इच्छा है कि दिल्ली में फिर मोदी सरकार बने, लेकिन इसके पीछे के कुछ कारण फुसफुसाते-फुसफुसाते शब्दों को गटक जाते हैं और जुबां जाकर योगेश वर्मा पर अटक जाती है। कहते हैं- हम उन्हीं के साथ हैं, क्योंकि हमारी जाति के हैं। बुजुर्ग मनका राम उनका समर्थन करते कहते हैं- अरुण जीत गए तो मुंबई चले जाएंगे। मुकाबला भले भाजपा से हो, पर अखिलेश ने सेंध तो मायावती के वोटबैंक में लगाई है। उनकी नजर 6.50 लाख मुस्लिम के साथ पौने तीन लाख दलित वोट में सेंधमारी की है। सपा के उत्साह को पिछले चुनाव का परिणाम भी बढ़ा रहा है, क्योंकि 2019 में सपा-बसपा गठबंधन प्रत्याशी ने दलित-मुस्लिम समीकरण के सहारे ही चार विस क्षेत्रों मेरठ शहर, दक्षिण, किठौर व हापुड़ में भाजपा को हरा दिया था। तब छावनी विस ने ही भाजपा की लाज बचाते हुए एक लाख 18 हजार वोटों की बढ़त दे जीत दिलाई थी।

हालांकि, तब से परिस्थितियां भी बदली हुई हैं। बेशक, मुद्दों की बात न हो रही हो, पर भावनाओं का ज्वार धीरे-धीरे उठ रहा है। खास तौर पर रामायण धारावाहिक में अरुण को राम की भूमिका में देख चुकी 40 वर्ष के पार की पीढ़ी में उनकी छवि निहारने के लिए माता शबरी जैसी बेसब्री कई क्षेत्रों में दिखाई दे रही है। दलित के घर जलपान कर अरुण 'राम-शबरी' के भावनात्मक संबंधों का संदेश दे रहे हैं।

मोदी की मजबूत छवि जातियों के जाल को उधेड़ सकती: चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डा. प्रशांत कुमार कहते हैं कि शुरुआती दिनों में अरुण को बाहरी बताने में सपा-बसपा जरूर कुछ सफल दिख रहे थे, पर धीरे-धीरे मेरठ के मूल निवासी के रूप में उनकी स्वीकार्यता दिख रही है। जवाहर इंटर कालेज बिजनौर के पूर्व प्राचार्य गजराज शर्मा कहते हैं कि जिन्होंने अरुण को राम के रूप में देखा है, वे आज भी उसी भावना से उन्हें देख रहे हैं। एक शिक्षित और सरल प्रत्याशी के रूप में गोविल के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मजबूत छवि जातियों के जाल को उधेड़ सकती हैं।

भाजपा को इस वोटबैंक से आस: यदि सपा का दलित और बसपा का ब्राह्मण वोट में सेंध का प्रयास है तो भाजपा के रणनीतिकार भी वोटों का गणित लगाए बैठे हैं। उन्हें आस है कि 2.50 लाख वैश्य, दो लाख ब्राह्मण, एक लाख जाट, 80 हजार पंजाबी, 50 हजार ठाकुर और 70 हजार गुर्जरों के वोटों पर भाजपा की पकड़ मजबूत है। इसके अलावा केंद्र सरकार का लाभार्थी वर्ग दलित बहुत संख्या में है। जिस तरह से मायावती मुस्लिमों के लिए प्रयास कर रही हैं, सपा के मुस्लिम नेताओं की अपने प्रत्याशी के प्रति नाराजगी की बातें सामने आ रही हैं, उससे भी विपक्ष के वोटों में बंटवारे की आस है।

तमिलनाडु में अधिकांश सीटों पर मुकाबले बहुकोणीय और रोचक होंगे

संजय मिश्र • जागरण

19 अप्रैल मतदान

- अन्नाद्रमुक और अन्नामलाई के चेहरे के दम पर भाजपा दे रही कांटे की टक्कर
- बालू, राजा, दयानिधि, कनीमोरी, टैगोर, कार्ति, अन्नामलाई, पनीरसेल्वम हैं चुनाव मैदान में

चेन्नई: तमिलनाडु में लोस चुनाव प्रचार की गूंज मंगलवार को थमने के साथ ही मैदान में उतरी तमाम पार्टियों की धड़कनें अब 19 अप्रैल को राज्य की सभी 39 सीटों पर होने वाले मतदान के मद्देनजर तेज हो गई हैं। राज्य की सत्ताधारी द्रमुक-कांग्रेस के गठबंधन के सामने तीन अन्य गठबंधनों के प्रभावी प्रचार अभियान ने अधिकांश सीटों पर मुकाबले को बहुकोणीय और रोचक बना दिया है। अंदरूनी झगड़े-बिखराव के बाद भी अन्नाद्रमुक अपने सहयोगियों के साथ द्रमुक प्रमुख व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सियासी बादशाहत को चुनौती दे रही है। भाजपा अपने उभरते सियासी स्टार के. अन्नामलाई के दम पर नौ पार्टियों के गठबंधन के साथ तमिलनाडु की राजनीति की मुख्यधारा की दौड़ में जगह बनाने की कोशिश में है। स्थानीय पार्टी नामतमिलर काची (एनटीके) कुछ छोटे दलों से गठजोड़ कर चौथा कोण बनाने पर जोर लगा रही है।

स्टालिन ने केंद्र में काबिज भाजपा के खिलाफ जिस तरह आक्रामक तेवर दिखाए हैं, उससे साफ है कि भाजपा विरोधी मतों में किसी तरह का बिखराव रोकने की उनकी पूरी कोशिश रही है। केंद्र की ओर से कथित भेदभाव और वाजिब पैसा नहीं देने के मुद्दे को भी भावनात्मक तरीके से उठाया। उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमलावर रहे हैं। स्टालिन अपनी सरकार के कामकाज, विशेषकर बाढ़ से निपटने व कल्याणकारी योजनाएं गिनाते दिखे।

विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए जिन राज्यों में बेहतर चुनावी उम्मीद लगाए है, उसमें तमिलनाडु प्रमुख है, क्योंकि पिछले दो लोस चुनाव में मोदी लहर के दौरान भी भाजपा यहां कोई करिश्मा नहीं कर सकी। अन्नामलाई के सहारे भाजपा इस बार अपना आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। इसे देखते हुए स्टालिन-उदयनिधि के केंद्र की नीतियों के खिलाफ तेवर की सियासत भांपना मुश्किल नहीं है। अन्नाद्रमुक के कमजोर होने से द्रमुक की जमीन यहां पहले से ज्यादा मजबूत हुई। स्टालिन इस समय तमिलनाडु के सबसे बड़े सियासी चेहरे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने सीमित प्रचार अभियान के दौरान केंद्र-भाजपा के खिलाफ स्टालिन के तेवरों को और धार देने की कोशिश की।

सियासी सफलता को बनाए रखना चुनौती: 2019 के लोस चुनाव में राज्य की 39 में से 38 सीटें द्रमुक-कांग्रेस की झोली में डालने में कामयाब रहे स्टालिन ने 2021 विस चुनाव में भी बड़ी जीत हासिल की। इस सफलता को बनाए रखना अब उनके लिए चुनौती है। टीआर बालू, ए राजा, दयानिधि मारन, टी थिरूवलन, कनीमोरी द्रमुक की ओर से तो कार्ति चिदंबरम, मणिक्कम टैगोर, ज्योति मणि सरीखे कांग्रेस के नेता एक बार फिर संसद पहुंचने के लिए जोर लगा रहे हैं।

अन्नामलाई ने राजग को बनाया तीसरा कोण: द्रविड़ राजनीति के इस मजबूत दुर्ग में 2024 में भाजपा की कामयाबी का पैमाना सीटों की कसौटी पर यदि न मापा जाए तो इसमें संदेह नहीं कि पहली बार नौ पार्टियों के गठबंधन का नेतृत्व कर रही भाजपा के आक्रामक अभियान ने द्रमुक व अन्नाद्रमुक दोनों को चौंका दिया है। अन्नामलाई ने नौ पार्टियों से गठजोड़ कर चुनाव में राजग का तीसरा कोण बना दिया है। इस गठबंधन के माध्यम से भाजपा यह संदेश देने की भी कोशिश कर रही है कि वह द्रविड़ की वैचारिक अस्मिता के खिलाफ नहीं है। अन्नामलाई खुद कोयंबटूर में तो कन्याकुमारी, तिरूनलवेली, दक्षिण चेन्नई जैसी सीटों पर भाजपा उम्मीदवार सीधे द्रमुक-कांग्रेस को टक्कर दे रहे। वहीं, रामनाथपुरम में पनीरसेल्वम और धर्मपुरी में अंबूमणिरामदास की पत्नी सौम्या जैसे भाजपा के कुछ सहयोगी मैदान में मुकाबले को रोचक बना रहे हैं।

चुनावी परिदृश्य

...तो बिगड़ सकते हैं चुनावी समीकरण

राज्य में तीन गठबंधनों के अलावा पुडुचेरी समेत सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ रही नाम तमिलरकाची के नेता सेंथामिजान सीमान के चुनाव अभियान से तीनों गठबंधन सतर्क हैं, क्योंकि कुछ सीटों पर एनटीके उम्मीदवारों के खाते में जाने वाले वोटों से इनका चुनावी समीकरण बिगड़ सकता है।

अन्नाद्रमुक के बेचैन काडर पर भाजपा की नजर

द्रमुक-कांग्रेस को चुनौती अन्नाद्रमुक की ओर से मिल रही है, जिसके प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ताल ठोक रहे हैं कि जयललिता के बाद पार्टी के ध्वस्त होने का सपना देखने वालों की हसरत कभी पूरी नहीं होगी। चेन्नई से लेकर उत्तर, पश्चिम और राज्य के कोंगू क्षेत्र में लगभग सभी जगहों पर अन्नाद्रमुक उम्मीदवारों के प्रभावी प्रचार अभियान में यह साफ दिखा कि नेतृत्व के झगड़े के बावजूद पार्टी का जमीनी काडर अभी टूटा नहीं है, पर बेचैन है। भाजपा की नजर अन्नाद्रमुक के इस बेचैन समर्थक वर्ग पर ही है।

लोकतंत्र में मेरी भी भागीदारी

देश में लोकतंत्र का उत्सव मनाया जा रहा है। राजनीतिक पार्टियां जहां प्रचार में व्यस्त हैं, वहीं चुनाव आयोग मतदान बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में आम चुनाव के पहले चरण के मतदान से पूर्व असम के नागांव जिले में रामनवमी के दिन घरेलू मतदान केंद्र बनाकर वरिष्ठ नागरिकों को मतदान कराया गया। इस दौरान अपने घर के बाहर ही बने बूथ पर अपना डाक मतपत्र डालता एक बुजुर्ग • रायटर

नक्सल क्षेत्र में खौफ घटा, बढ़ेगा मतदान

अनिमेष पाल • नईदुनिया

चुनाव की तैयारी

- सलवा जुडूम आंदोलन के बाद से बीजापुर जिले का पालनार गांव हो गया था नक्सल प्रभावित
- सुरक्षा बल के आक्रामक अभियान और मुठभेड़ में नक्सलियों को मार गिराने से ग्रामीणों में बढ़ा भरोसा

जगदलपुर: विस्मय और आश्चर्य से घूरती दर्जनों आंखें बता रही थीं कि हम उनके लिए वहां किसी बाहरी दुनिया के प्राणी सरीखे थे। गांव में वर्षों पहले तोड़ दिए गए स्कूल के खंडहर के पास दो माह पहले खोली गई राशन दुकान में ग्रामीणों की कतार थी। दुकान की दीवार पर कोयले से लिखी हुई नक्सलियों की चेतावनी बता रही थी कि कभी यह इलाका उनका आधार क्षेत्र रहा होगा। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले का पालनार गांव 2005 में हुए सलवा जुडूम आंदोलन के बाद से नक्सल प्रभावित था। इसके बाद से यहां बाहरी लोगों का आना-जाना बंद था। तीन महीने पहले ही सुरक्षा बल ने फारवर्ड आपरेटिंग बेस कैंप खोला है, जिसे हाल ही में सत्ता में आई भाजपा सरकार विकास कैंप की तरह विकसित करने की बात कहती है। सुरक्षा बल के कदम पड़ने के बाद यहां नक्सली बैकफुट पर हैं। नक्सलियों से क्षेत्र को सुरक्षित करने व क्षेत्र के लोगों के मन में बैठे नक्सली भय को समाप्त करने सुरक्षा बल अभी आक्रामक अभियान चला रहे हैं। बीते सप्ताह इस गांव से तीन किलोमीटर दूर कोरचोली के जंगल में सुरक्षा बल ने 13 नक्सलियों को मार गिराया था, जिससे ग्रामीणों के मन में सुरक्षा बल के प्रति भरोसा बढ़ने लगा है।

गांव में 19 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए मतदान दल को सुरक्षित पहुंचाने कैंप के पास ही हेलीपैड का निर्माण चल रहा है। 25 वर्ष बाद होने जा रहे लोकसभा चुनाव को लेकर ग्रामीण उत्साहित हैं। पालनार के 611 मतदाताओं में से 94 ने पिछले दिनों हुए विस चुनाव में मतदान किया था। 12.56 प्रतिशत मत पड़े थे। लोस चुनाव में मतदान बढ़ने की उम्मीद होगी।

पालनार पंचायत में तोड़का, सावनार व कोरचोली गांव आते हैं। यहां खोली गई राशन दुकान पर सावनार से आई बुधरी ताती ने बताया कि पहले वह राशन लेने पहाड़ पार कर 20 किमी दूर गंगालूर जाते थे। यहां सुरक्षा कैंप खोलने के बाद अब गांव में राशन मिल रहा है। गांव तक कच्ची सड़क भी बना दी गई है। मुन्नी ने बताया कि पहले गांव में कोई नहीं आता था और कोई भी व्यक्ति नक्सलियों के अनुमति के बिना गांव से बाहर नहीं जा सकता था। नक्सली यहां चुनाव का विरोध करते हैं। शांति ने बताया कि नक्सलियों ने स्कूल ढहा दिए थे। पिछले वर्ष एक झोपड़ी में स्कूल खोला गया है। ग्रामीण अब खुद को सुरक्षित महसूस करने लगे हैं। मतदान पर इसका असर दिखेगा।

बारूद पर बनाई सड़क, पग-पग पर खतरा: पालनार के लिए सुबह जिला मुख्यालय बीजापुर से निकलने ही वाले थे कि इसी क्षेत्र के पीड़िया में प्रेशर बम विस्फोट में दो जवान के घायल होने की खबर आई। दो माह पहले जब पालनार तक सड़क बनाई जा रही थी, तब सुरक्षा अधिकारी ने बताया था कि वहां 200 से अधिक प्रेशर बम मिले हैं, वहां पग-पग में बारूद बिछा है। तब भी खतरा उठाकर रास्ते में कई सुरक्षा कैंप को पार करते हुए चेरपाल और वहां से अभी-अभी बनाई गई कच्ची सड़क से पालनार पहुंचे। गांव के पहले सुरक्षा बल के कैंप में ही जवानों ने रोक लिया। बताया गया कि सुरक्षा अभियान चला रहा है, ऐसे में किसी को जाने की अनुमति नहीं है। दो महीने में कोई भी बाहरी व्यक्ति वहां नहीं गया है। हमें इस शर्त पर जाने को कहा गया कि कैंप के आगे सुरक्षा की गारंटी नहीं होगी, पर गांव से वापिस लौटते हुए चेरपाल तक पग-पग पर सुरक्षा बल के जवान तैनात मिले।

बस्तर लोस आंकड़ों में

- **1,957** मतदान केंद्र
- **234** विस्थापित केंद्र, जो किसी कारण से अन्य जगह बने
- **225** मतदान केंद्र अतिसंवेदनशील
- **1,000** से अधिक केंद्र संवेदनशील
- **14,66,337** मतदाता करेंगे मतदान
- **1** लाख से अधिक सुरक्षा बल होंगे तैनात
- **66.04%** मतदान हुआ था 2019 के चुनाव में

गंगालूर पर हावी सुरक्षा बल

पालनार सहित आसपास के गांव में नक्सलियों के गंगालूर एरिया कमेटी की सक्रियता है। 1986 के आसपास नक्सलियों ने गंगालूर क्षेत्र में पैठ बनानी शुरू की थी। 2003 तक यह क्षेत्र पूरी तरह से नक्सलियों के कब्जे में आ गया था। सरकारी स्कूल व संस्थानों को ध्वस्त कर दिया गया। 2005 में सलवा जुडूम आंदोलन शुरू हुआ तो यहां युद्धस्तर पर नक्सलियों की भर्ती हुई। सुरक्षा बल ने 2018 के बाद यहां पुसनार, बेचापाल, हुर्रेपाल, बुर्जी में कैंप स्थापित किए थे। अब तीन माह के भीतर पालनार, डुमरीपालनार, चिंतावागु, कावड़गांव, मुतवेंडी, गुंडेम, पुतकेल व छुटवाही में कैंप स्थापित कर नक्सलगढ़ को घेर दिया गया है।

****

2014 में उम्मीदों पर पानी फेरा, 2019 से भरोसा तोड़ा पीएम ने। कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया कि 2024 में उनकी विदाई की गारंटी है। 2024 में उनका जाना तय है।

चुनाव दो विचारधाराओं की लड़ाई : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता ने कहा–उनकी सरकार साधारण नागरिकों, किसानों और श्रमिकों की होगी

भाजपा पर लगाया संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने की इच्छा का आरोप

मांडया में बुधवार को चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी से चर्चा करते कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। प्रेट्र

मांडया, प्रेट्र : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगामी लोकसभा चुनाव को दो विचारधाराओं की लड़ाई बताया है। उन्होंने कहा कि एकतरफ संविधान के लिए लड़ने वाला विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए है, और दूसरी ओर भाजपा है जो संविधान और लोकतंत्र को एकदम खत्म करना चाहती है।

राहुल गांधी ने बुधवार को कर्नाटक में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आइएनडीआइए के सत्ता में चुनकर आने पर उनकी सरकार साधारण नागरिकों, किसानों, श्रमिकों और व्यापारियों की होगी। दो विचारधाराओं की लड़ाई में कांग्रेस और आइएनडीआइए एकतरफ हैं, जो संविधान के लिए लड़ रहे हैं। देश को संविधान और लोकतंत्र दिया है। वहीं, दूसरी ओर भाजपा है जो संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। वह सभी संस्थानों में अपने लोगों को बैठा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जो सिर्फ 22-25 अमीर लोगों के लिए है, कांग्रेस एक ऐसी सरकार देगी जो सामान्य नागरिकों, किसानों, श्रमिकों और व्यापारियों की होगी। भाजपा को केवल 20-25 लोग चलाते हैं। लेकिन कांग्रेस में नेताओं की भरमार है।

उन्होंने केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर 'हफ्तेबाजी' का आरोप लगाया। उन्होंने अब बंद की जा चुकी चुनावी बांड स्कीम को विश्व में अब तक का सबसे बड़ा फिरौती घोटाला बताया। उन्होंने कहा कि लोगों को गूगल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चुनावी बांड पर इंटरव्यू में उनके हाथ कांपते हैं। इस इंटरव्यू में उन्होंने चुनावी बांडों की बात की है। कोलार की सभा में राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने अपनी दादी इंदिरा गांधी से राजनीति का बहुत कुछ सीखा है। कोलार की गोल्ड फील्ड में वह बचपन में इंदिरा गांधी के साथ आए थे और वहां स्मारिका के तौर पर सोने की ईंट देखी थी। कोलार ने भारत को सोना दिया है और अब मेहनत कर कृषि के क्षेत्र में योगदान कर रहा है।

राहुल पीएम होंगे : रेवंत रेड्डी

वायनाड, एएनआइ : तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी में अपना पूरा विश्वास जताते हुए कहा कि वही देश के अगले प्रधानमंत्री होंगे। राहुल गांधी के लिए वायनाड में चुनाव प्रचार करने आए रेड्डी ने कहा कि पिछले 10 सालों से देश का प्रधानमंत्री वाराणसी से है, लेकिन अब आगामी 20 सालों तक देश का पीए वायनाड से होगा। रेड्डी ने ईवीएम पर संशय जताते हुए कहा कि ईवीएम कोई पीएम मोदी का छोटा भाई नहीं है, फिर भाजपा बैलेट पेपर के जरिये चुनाव से इतना डरती क्यों है।

शिवकुमार बोले–राहुल कांग्रेस के लकी चार्म

मांड्या, एएनआइ : कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा कि वह पार्टी के 'लकी चार्म' हैं। उन्होंने ऐतिहासिक भारत जोड़ो यात्रा की और उस रास्ते में आने वाली सभी सीटें जीतकर कांग्रेस कर्नाटक में सत्ता में आई थी। पिछले बार मांड्या के लोगों ने कांग्रेस को सात-आठ सीटें दी थीं। पूरा विश्वास है कि इस बार भी लोग समर्थन करेंगे।

असम के सीएम हिमंत ने प्रियंका और राहुल को अमूल बेबीज कहा

गुवाहाटी, एएनआइ : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्हें 'अमूल बेबीज' कहा है। उन्होंने कहा कि असम के लोग गांधी भाई-बहनों के चुनाव अभियानों को देखने के बजाय विभिन्न प्रकार के जानवर देखना अधिक पसंद करेंगे। सरमा ने बुधवार को गांधी भाई-बहन के खिलाफ यह बयान तब दिया है, जब उसके एक दिन पहले मंगलवार को जोरहाट में प्रियंका गांधी ने कांग्रेस उम्मीदवार गौरव गोगोई के समर्थन में एक रोड शो किया था। सरमा ने संवाददाताओं से कहा कि आखिर असम के लोग गांधी परिवार के 'अमूल बेबीज' को देखने क्यों आएंगे? बेहतर होगा कि वे जंगल में यहां-वहां घूमें और विभिन्न जानवरों को देखने में आनंदित हों। गांधी परिवार को देखने में क्या फायदा है? वे अमूल के प्रचार के लिए उपयुक्त लगते हैं, इसलिए वे अमूल बेबी हैं। प्रियंका ने एक्स पर पोस्ट में कहा था कि वह जोरहाट में अपने भाई-बहनों से मिलीं। पूर्वोत्तर राज्यों की अपनी सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत है। लेकिन भाजपा सरकार ने विरासतों पर अपने ही नियमों को थोप दिया है।

प्रियंका वाड्रा ने कहा, पीएम मोदी को सत्य नहीं सत्ता चाहिए

- प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव ने सहारनपुर में किया रोड शो
- अदाणी और अंबानी का नाम लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को घेरा

सहारनपुर में बुधवार को रोड शो में लोगों का अभिवादन करतीं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा। साथ में कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद। जागरण

जागरण संवाददाता, सहारनपुर

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसा कि देश ने सत्ता को नहीं, हमेशा सत्य को पूजा है। लेकिन मोदी को सत्य नहीं, सत्ता चाहिए। मोदी को किसान, गरीब, मजदूरों की नहीं बल्कि अदाणी-अंबानी की चिंता है। उनका 16 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया, किसानों का नहीं। किसान आत्महत्या कर रहे हैं।

प्रियंका वाड्रा ने बुधवार को सहारनपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद के समर्थन में शो किया। इस दौरान उन्होंने 12 मिनट के संबोधन की शुरुआत रामनवमी से की। कहा कि हम भगवान राम को इसलिए पूजते हैं, क्योंकि उन्होंने सत्य के लिए लड़ाई लड़ी। प्रियंका ने मुस्लिम मतदाताओं को अस्सलाम वालेकुम कहकर अभिवादन किया। पैगंबर साहब के बारे में कहा कि उन्होंने भी हमेशा सत्य का साथ दिया।

... तो भाजपा को नहीं मिलेंगी 180 से ज्यादा सीटें: प्रियंका ने कहा कि यदि देश में ईवीएम से छेड़छाड़ किए बिना निष्पक्ष चुनाव हुए तो भाजपा 180 से ज्यादा सीटें हासिल नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि सांसद, विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री मोदी से डरते हैं। जब उनके मंत्री उनसे अलग होते हैं तो वे मोदी के बारे में जो बातें करते हैं, वह आप लोग नहीं जानते।

अजान शुरू होते ही रोका भाषण: प्रियंका के संबोधन के बीच में मस्जिद में अजान शुरू हो गई। इसके बाद बाद प्रियंका ने अपना भाषण रोक दिया

राजनीतिक हलचल

ओवैसी ने वीबीए नेता प्रकाश आंबेडकर को दिया समर्थन

छत्रपति संभाजीनगर, प्रेट्र: एआइएमआइएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) नेता प्रकाश आंबेडकर को अपनी पार्टी का समर्थन देने की घोषणा की। आंबेडकर अकोला लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। एआइएमआइएम और वीबीए ने 2019 के लोकसभा चुनावों के लिए गठबंधन किया था, लेकिन उस साल के अंत में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान यह गठबंधन टूट गया था। ओवैसी ने कहा कि हमारा मानना है कि दलितों को नेतृत्व मिलना चाहिए। मैं अकोला में एआइएमआइएम टीम से प्रकाश आंबेडकर को वोट देने की अपील करता हूं।

भाजपा ने मणिपुर में एक नेता को किया निष्कासित

इंफाल, प्रेट्र: लोकसभा चुनाव के तहत पहले चरण के मतदान से सिर्फ दो दिन पहले भाजपा ने मणिपुर में पार्टी के नेता ई द्विजमणि सिंह को बुधवार को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। भाजपा की मणिपुर इकाई की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि पार्टी के हियांगलम मंडल के नेता सिंह को पार्टी के नियम-कायदों का उल्लंघन करने के आरोप में पार्टी से निकाला गया है। सिंह कांग्रेस से विधायक रह चुके हैं और 2022 में भाजपा में शामिल हुए थे।

राहुल संसद में एक घंटे नहीं बैठ सकते: बिष्णु पद रे

पोर्ट ब्लेयर, एएनआइ : अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से भाजपा के उम्मीदवार बिष्णु पद रे ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल एक घंटे से ज्यादा संसद में नहीं बैठ सकते। रे ने पोर्ट ब्लेयर में कहा कि राहुल पप्पू हैं। वह संसद में एक घंटे से ज्यादा नहीं बैठ सकते। उनका दिमाग काम नहीं करता है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर निशाना साधते हुए रे ने कहा कि वह बिना पासपोर्ट के विदेशियों को यहां लेकर आए। उनके बाद परिवार का कोई सदस्य यहां कभी नहीं आया। नरसिंह राव, मनमोहन नहीं आए। यहां तक कि खरगे भी नहीं आए। अंडमान और निकोबार में कांग्रेस पार्टी द्वारा कथित उपेक्षा के बारे में बोलते हुए कहा कि कांग्रेस लोगों से दूर है। उन्होंने यहां कोई काम नहीं किया है।

मां को अपशब्द कहने पर भड़के चिराग

जासं, जमुई : मां को अपशब्द कहने पर लोजपा (आर) प्रमुख चिराग पासवान भड़क गए। बुधवार को चिराग पासवान ने कहा कि सभ्य समाज में अपशब्द उचित नहीं है। मैं अगर तेजस्वी की जगह होता तो मुंहतोड़ जवाब देता। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए काफी पीड़ादायक रहा। मैं राजनीति में मर्यादा पालन करने का पक्षधर रहा हूं। राजनीति में कड़े से कड़े शब्दों का जवाब काफी सहज लहजे में दिया जाता है। जिस तरीके से एक सभा में मेरी मां और बहन को गाली दी जाती है। वह भी उस वक्त जब मेरा छोटा भाई तेजस्वी उस मंच पर मौजूद है। मां सिर्फ मेरी भी नहीं, उनकी भी हैं। उनसे पारिवारिक रिश्ते रहे हैं। मेरे ऊपर कई बार इस रिश्ते को निभाने का आरोप लगता रहा है।

चिराग पासवान। फाइल

राहुल-अखिलेश में उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने का साहस नहीं : भाजपा

- पार्टी ने ममता पर रामनवमी का अपमान करने का आरोप लगाया
- प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी बोले- हर कोई जानता है कि आएगा तो मोदी ही

नई दिल्ली, प्रेट्र: भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। कहा- दोनों विपक्षी नेताओं में खुद उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने का साहस नहीं है और दूसरों को आश्वासन दे रहे हैं। लेकिन हर कोई जानता है कि आएगा तो मोदी ही।

सुधांशु त्रिवेदी। फाइल

यही नहीं, पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर रामनवमी उत्सव को वैमनस्यता से जोड़ने का आरोप लगाया और दावा किया कि उनकी टिप्पणियां देश की संस्कृति के प्रति विपक्षी गठबंधन आइएडीआइए के नेताओं की अपमानजनक मानसिकता को दर्शाती हैं।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव द्वारा संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में किए गए इस दावे पर कटाक्ष किया कि लोकसभा चुनाव में आइएनडीआइए गठबंधन उत्तर प्रदेश में जीत हासिल करेगा। अखिलेश ने कहा था कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से परिवर्तन की बयार बह रही है और आइएनडीआइए गाजियाबाद से गाजीपुर तक प्रचंड जीत दर्ज करेगा। इस पर त्रिवेदी ने कहा कि दोनों विपक्षी नेताओं में खुद उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां राहुल गांधी ने 2019 में अमेठी से चुनाव हारने के बाद उत्तर प्रदेश छोड़ दिया, वहीं उनकी मां एवं रायबरेली से लोकसभा सदस्य रहीं सोनिया गांधी राज्यसभा चली गई हैं।

युवा कांग्रेस नेता ने 24 घंटे में दो बार मारी पलटी

- विनायक बंगिया पहले कांग्रेस से भाजपा, फिर भाजपा से कांग्रेस और फिर कांग्रेस से भाजपा में हुए शामिल
- पवन बंसल को टिकट न मिलने पर छोड़ी कांग्रेस, सोशल मीडिया सेल के प्रभारी थे विनायक बंगिया

राजेश ढल्ल ● जागरण

चंडीगढ़: लोकसभा चुनाव में चंडीगढ़ से पवन कुमार बंसल को टिकट न मिलने से नाराज युवा कांग्रेस के महासचिव विनायक बंगिया सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद मंगलवार को कांग्रेस नेता उन्हें मनाने पहुंचे तो वह फिर कांग्रेस में वापस चले गए। हालांकि वह मंगलवार शाम को एक बार फिर पलटी मार गए और भाजपा प्रत्याशी संजय टंडन की उपस्थिति में फिर भाजपा में शामिल हो गए। बंगिया पिछले कई वर्षों से युवा कांग्रेस में थे और पवन कुमार बंसल के समर्थक थे। बंगिया युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और सोशल मीडिया सेल के प्रभारी थे और भाजपा के खिलाफ शहर के मुद्दों को मजबूती से उठाते रहते थे।

कांग्रेस ने लगातार आठ बार टिकट देने के बाद नौवीं बार बंसल पर विश्वास नहीं जताया व मनीष तिवारी को टिकट दे दिया। इसके विरोध में बंगिया ने कांग्रेस छोड़ दी। उस समय बंगिया ने खुद बयान जारी कर पार्टी छोड़ने की बात कही। उन्हें भाजपा उम्मीदवार संजय टंडन ने उसी दिन पार्टी में शामिल करवाया, लेकिन नाराज नेताओं की संख्या बढ़ने पर कांग्रेस पार्षद गुरप्रीत गाबी और युवा कांग्रेस प्रभारी सत्यवान ने विनायक बंगिया से मंगलवार को मुलाकात की और उन्हें पार्टी में वापसी के लिए मना लिया।

पवन बंसल को टिकट न मिलने पर नाराज विनायक बंगिया को भाजपा उम्मीदवार संजय टंडन ने सोमवार को पार्टी में शामिल करवाया। स्वत

बंगिया दोबारा कांग्रेस में आ गए और बयान जारी कर कहा कि मन बहुत दुखी था, इसलिए पार्टी छोड़ने का सोचा, पर बड़े भाई गुरप्रीत के समझाने पर इस भूल को सुधारा। इसकी जानकारी कांग्रेस की ओर से दी गई। अभी कांग्रेस के नेता इसकी खुशी ही मना ही रहे थे कि उनका मन एक बार फिर बदल गया। वह फिर भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा कार्यालय में जाकर उन्होंने अपनी तस्वीर भी इंटरनेट मीडिया पर शेयर की और कहा कि उनका कांग्रेस पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने भाजपा के प्रति निष्ठा जताई।

चंडीगढ़ में कांग्रेस के 14 और नेताओं ने दिया इस्तीफा

वहीं, चंडीगढ़ में प्रत्याशी बदलने के बाद बुधवार को 14 और नेताओं ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया, जिसमें महिला कांग्रेस की महासचिव ज्योति हंस भी शामिल हैं। इससे पहले सोमवार व मंगलवार को 90 पार्टी पदाधिकारी अपने पद छोड़ चुके हैं। नाराज नेताओं के इस्तीफों का मामला पार्टी हाईकमान तक पहुंच गया है। कांग्रेस में मचे बवाल को शांत करने के लिए पार्टी प्रभारी राजीव शुक्ल गुरुवार को चंडीगढ़ आ रहे हैं। इस दौरान वह पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल के साथ बैठक करेंगे और उन्हें चंडीगढ़ लोकसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी मनीष तिवारी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए तैयार करेंगे। इसके साथ ही वह नाराज नेताओं से बात करेंगे। दरअसल, नाराज नेता बंसल को चुनाव में टिकट देने के पक्षधर थे, लेकिन हाईकमान ने मनीष तिवारी को उम्मीदवार बना दिया। इसके लिए पार्टी नेता प्रदेश अध्यक्ष एचएस लक्की को जिम्मेदार मानते हुए उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

चुनाव के बाद बहुमत खोने जा रही भाजपा : शशि थरूर

तिरुअनंतपुरम, एएनआइ : कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बुधवार को दावा किया कि भाजपा आगामी आम चुनाव में 300 सीटें नहीं जीत पाएगी और लोकसभा में अपना बहुमत खो देगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुझे 100 प्रतिशत यकीन है कि वह 300 के आसपास भी नहीं पहुंच रही है।

केरल

वह अपना बहुमत खोने जा रही है। वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान पर पलटवार कर रहे थे। अगरतला में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने बुधवार को कहा कि त्रिपुरा ने भाजपा सरकार के तहत अग्रणी परिवर्तन देखे हैं।

उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी ने पूर्व को लूटो नीति अपनाई है, जबकि भाजपा ने इसे एक्ट ईस्ट नीति में बदल दिया है। थरूर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि पूर्व से कोई लूटपाट चल रही थी। पूर्व की ओर देखो नीति तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव द्वारा शुरू की गई थी और उसके बाद भी जारी रही।

शशि थरूर। फाइल

यह एक ऐसी नीति थी, जिसमें दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की देखभाल की कोशिश की गई थी। यह हमारे देश के बारे में कोई नीति नहीं थी। उन्होंने कहा कि लुक ईस्ट एंड एक्ट दक्षिण पूर्व एशिया के बारे में है, घरेलू भारतीय राजनीति के बारे में नहीं।

शिवकुमार के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं, वह एक भ्रष्ट नेता: राजीव

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार द्वारा केरल के विकास में राजीव चंद्रशेखर के योगदान को लेकर सवाल उठाने के एक दिन बाद भाजपा नेता ने पलटवार किया है। कहा है कि उन्हें किसी ऐसे भ्रष्ट नेता के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है, जो जमानत पर जेल से बाहर है। तिरुअनंतपुरम सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार शशि थरूर के खिलाफ चुनाव लड़ रहे चंद्रशेखर ने कहा कि जब से मैंने चुनाव प्रचार शुरू किया है, तब से मैं बता रहा हूं कि मैं क्या करूंगा और चुनाव जीतने के बाद उसी पर अमल करूंगा। उन्होंने कहा कि अगले एक दो दिनों में वह दक्षिणी राज्य के विकास और उसके लिए निवेश लाने पर एक विजन दस्तावेज जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि एक बार मैं यहां से सांसद और मंत्री बन गया तो अगले पांच वर्षों के लिए मैं विजन दस्तावेज के क्रियान्वयन पर काम करूंगा।

राजीव चंद्रशेखर। फाइल

कर्नाटक में कांग्रेस के पूर्व विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति भाजपा में शामिल

बेंगलुरु, प्रेट्र: कर्नाटक के पूर्व कांग्रेस विधायक आर अखंड श्रीनिवास मूर्ति बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। पिछले साल विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी थी। मूर्ति बाद में बसपा के टिकट पर मैदान में उतरे थे, लेकिन हार गए। भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे समेत अन्य नेताओं ने पार्टी में उनका स्वागत किया। पुलकेशीनगर विधानसभा क्षेत्र बेंगलुरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। जहां से करंदलाजे आगामी लोकसभा चुनाव में चुनाव लड़ रहे हैं। येदियुरप्पा ने इस अवसर पर कहा कि चुनाव से पहले श्रीनिवास मूर्ति के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को बड़ी ताकत मिली है।

अखंड श्रीनिवास। फाइल

भाजपा सांसद कराडी सांगन्ना कांग्रेस में शामिल

बेंगलुरु, प्रेट्र: कर्नाटक में कोप्पल से दो बार के सांसद कराडी सांगन्ना लोकसभा चुनाव का टिकट न मिलने से भाजपा नेतृत्व से नाराज हैं।

वह बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गये। इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस प्रमुख भी हैं ने संगन्ना का पार्टी में स्वागत किया।

बिट्टू का बदला अंदाज, माथे पर तिलक, हाथ में कलावा, जुबां पर जय श्रीराम

- कांग्रेस से तीन बार सांसद रहे बिट्टू अब भाजपा के उम्मीदवार, अलग अंदाज में कर रहे प्रचार
- पार्टी कार्यकर्ताओं व लोगों के जय श्री राम के जयघोष का जवाब देते हैं जय श्रीराम बोलकर

विजय मौर्य ● जागरण

लुधियाना: कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए निवर्तमान सांसद रवनीत सिंह बिट्टू का पार्टी बदलने के साथ अंदाज भी बदल गया है। शैली बदली-बदली नजर आ रही है। सनातनी अंदाज के साथ उन्हें पार्टी का भगवा रंग भी खूब भा रहा है। उनकी पगड़ी का रंग पहले जहां महरून रंग होता है, वहीं अब वह भगवा रंग की पगड़ी पहने दिख रहे हैं। माथे पर अक्सर लाल रंग का तिलक लगा होता है तो हाथ में कलावा भी बंधा होता है। जुबा पर भी जय श्रीराम है। हिंदू धर्म में कलावा बांधने का खास महत्व है। बिट्टू हाथ में इतने कलावे बांध रखे हैं कि कई परतें बन गई हैं। इसे लोग भी खूब पसंद कर रहे हैं।

रवनीत सिंह बिट्टू कांग्रेस से तीन बार सांसद रहे हैं। इस बार वह लुधियाना से भाजपा के उम्मीदवार हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। विशेष बात यह है कि बिट्टू मंदिरों में लगातार जा रहे हैं। मंदिर कमेटी व सभाएं भी उन्हें बुला रही हैं। ऐसे में वह जब मंदिरों में जाते हैं तो वहां पूजा भी करते नजर आते हैं। शिवलिंग पर जलाभिषेक तो देवी-देवताओं की आरती भी करते हैं। मंदिर में पूजा करवाते समय पंडित माथे पर टीका लगाने के साथ कलावा भी बांध देते हैं। यही नहीं, सामाजिक संगठन या भाजपा के नेताओं की बैठक में कार्यकर्ता अक्सर जय श्रीराम के जयकारे लगाते हैं तो बिट्टू भी जवाब जय श्रीराम बोलकर ही देते हैं। चूंकि बिट्टू सिख जाट हैं, लेकिन वह मंदिर कमेटी सदस्यों, सामाजिक संगठनों व भाजपा कार्यकर्ताओं की भावनाओं का पूरा सम्मान दे रहे हैं।

आप विधायक कुंवर ने नशे पर शीर्ष नेतृत्व पर उठाए सवाल

जागरण संवाददाता, अमृतसर

कुंवर बोले

- एसपी, डीएसपी बिकवाते हैं नशा, दोनों राघव चड्डा के खासमखास
- पार्टी के प्रत्याशी कुलदीप धालीवाल की मौजूदगी में लगाए आरोप
- कहा, पांच कमिश्नर बदले, पर दोनों का नहीं किया कभी तबादला

पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह के इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो ने न केवल पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं बल्कि शहर का राजनीतिक पारा भी चढ़ा दिया है। पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी कुलदीप सिंह धालीवाल की मौजूदगी में कुंवर ने आरोप लगाया कि शहर में एक एसपी और एक डीएसपी जोकि पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा के बेहद खास लोगों में से हैं, ही नशा बिकवा रहे हैं। कुंवर ने यह बात 14 अप्रैल को धालीवाल के पक्ष में रखे समारोह में कही, लेकिन यह वीडियो अब प्रसारित हुआ है। खास बात यह है कि कुंवर ने इस वीडियो को अपने फेसबुक अकाउंट पर भी अपलोड किया है।

कुंवर का वीडियो वायरल होते ही विपक्षी पार्टियों ने आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के लोकसभा के प्रत्याशी व निवर्तमान सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि वे खुद इस बाबत समय-समय पर सरकार को पत्र लिखते रहे हैं कि सिस्टम ही नशा बिकवा रहा है। कुंवर विजय प्रताप सिंह चाहे आप का हिस्सा हैं, पर मैं उनकी सराहना करता हूं कि वह इसको प्रमुखता से उठा रहे हैं। हैरानी तो इस बात की है कि क्या कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कुलदीप सिंह धालीवाल को यह दिखाई नहीं दे रहा, वह तो खुद देहात का प्रतिनिधित्व करते हैं जहां पिछले समय में नशा दोगुना हुआ है।

भाजपा के प्रत्याशी तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि कुंवर के आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इस मामले में जो भी लिप्त हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे लोग वर्तमान और भावी पीढ़ी को बर्बाद कर रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल के प्रत्याशी अनिल जोशी ने कहा कि कुंवर की बात से यह तो स्पष्ट है कि नशा सरकार ही बिकवा रही है। कुंवर को ऐसी पार्टी से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे देना चाहिए।

क्या है वीडियो में: वीडियो में कुंवर कहते हैं कि शहर में जो नशा बिकता है, वह पुलिस की ओर से ही बिकता है। यह वही पुलिस है, जिससे 2009 के बाद से ही नशा कंट्रोल नहीं हुआ। मुझे एक-एक चीज का पता है कि कौन नशा बिकवा रहा है। एक एसपी और एक डीएसपी है, जो उत्तरी हलके को देखते हैं और राघव चड्ढा के खास हैं। शहर में पांच कमिश्नर बदल गए, हर डीजीपी के साथ मैंने बात की कि जिन अधिकारियों का नशा बिक रहा है, उन्हें हटाकर बटाला ही भेज दो। बता दें कि हाल ही में आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद भी कुंवर ने एक्स पर पोस्ट डाल पंजाब सरकार के खिलाफ भड़ास निकाली थी।

आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कुलदीप सिंह धालीवाल की रैली में मंच से संबोधित करते हुए विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह। वीडियोग्रैब

****

गुजरात के भरूच में आप प्रत्याशी के नामांकन में पहुंचे भगवंत मान

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद: गुजरात की भरूच लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक चैतर वसावा बुधवार को नामांकन करने पहुंचे। हाई कोर्ट से मंगलवार को ही उनको 12 जून तक भरूच व नर्मदा जिले में जाने की छूट मिली थी। नामांकन के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल व आप नेता मौजूद थे। इन नेताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को याद किया और केंद्र पर उन्हें झूठे केस में फंसाकर जेल में डालने का आरोप लगाया। चैतर वसावा ने कहा कि अब हमारे पास 15 दिन बचे हैं। आप सब चैतर बनकर प्रचार करें। भरूच में नाम घोषित होने से पहले मुझे व मेरे परिवार को खूब परेशान किया गया। कोरोना महामारी, नर्मदा में आई बाढ़ से जनता को परेशान होना पड़ा। चैतर ने कहा कि उनके नामांकन के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल आने वाले थे, लेकिन उन्हें जेल में डाल दिया गया।

23 लाख माताओं-बहनों को 1500 रुपये प्रतिमाह देना था हिमाचल सरकार को लेकिन उन्होंने अभी तक यह वादा पूरा नहीं किया है। जनसभा में यह कहते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि क्या ऐसे लोगों को फिर से मौका देना चाहिए।

पहले चरण की 102 लोकसभा सीटों पर थमा चुनावी शोर, मतदान 19 को

21 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव, आठ केंद्रीय मंत्रियों व दो पूर्व सीएम की किस्मत होगी तय

नागपुर से गडकरी, छिंदवाड़ा से कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ और कोयंबटूर से अन्नामलाई मैदान में

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, तमिलनाडु सहित 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की पहले चरण में शामिल 102 लोकसभा सीटों पर बुधवार शाम छह बजे चुनावी शोर थम गया। इन सीटों पर अब किसी तरह की रैली और चुनावी सभाओं के आयोजन की इजाजत नहीं होगी। हालांकि प्रत्याशियों को इस दौरान बगैर किसी तामझाम के घर-घर जाकर अपना प्रचार करने की अनुमति रहेगी। पहले चरण की इन सभी सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होंगे। पहले दौर में आठ केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री व एक पूर्व राज्यपाल की चुनावी किस्मत का फैसला भी होगा।

चुनाव आयोग ने पहले चरण के चुनाव में लगाए गए पर्यवेक्षकों और मैदानी अमलों को अगले 48 घंटे विशेष सतर्कता रखने के निर्देश दिए है। प्रत्याशियों के मूवमेंट और अफवाह फैलाने वालों पर विशेष नजर रखने को कहा गया है। चुनाव आयोग के लिए भी पहले चरण का चुनाव काफी अहम है, क्योंकि इस चरण में बस्तर, गढ़चिरौली जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों सहित पूर्वोत्तर और मतदान के लिहाज से संवेदनशील लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं। पहले चरण में राजनीतिक लिहाज से कई चर्चित सीटें भी हैं, इनमें नागपुर, छिंदवाडा, पीलीभीत, कोयंबटूर व चेन्नई सेंट्रल आदि प्रमुख हैं। नागपुर से भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मैदान में हैं, जबकि छिंदवाडा से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ मैदान में हैं। यह सीट लंबे समय तक कमलनाथ के पास रही और 1980 के बाद से वे नौ बार यहां से जीते। कोयंबटूर से तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई चुनावी समर में हैं। शिवगंगा के सांसद कार्ति चिदंबरम फिर से जीत की जुगत में हैं। यहां से उनके पिता सात बार जीते थे, उनका मुकाबला भाजपा के टी देवनाथन यादव और अन्नाद्रमुक के जेवियर दास से है।

पहले दौर में जिन केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला होगा, उनमें गडकरी के अलावा किरण रिजिजू, सर्बानंद सोनोवाल, संजीव बालियान, जितेंद्र सिंह, भूपेन्द्र यादव, अर्जुनराम मेघवाल, एल मुरुगन शामिल हैं। सक्रिय राजनीति में लौटने के लिए हाल ही में तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल के पद से इस्तीफा देने वाली तमिलिसाई सौंदर्यराजन चेन्नई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं। त्रिपुरा की दो लोकसभा सीटों में से पश्चिम त्रिपुरा की सीट पर भी पहले चरण में मतदान होगा, वहां पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा के बीच हाई वोल्टेज टक्कर देखने को मिलेगी। अरुणाचल के पूर्व सीएम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नबाम तुकी अरुणाचल पश्चिम सीट से मैदान में हैं, यहां उनका मुकाबला केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू से है।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव इस बार कुल सात चरणों में होगा, जबकि इसके नतीजे चार जून को घोषित होंगे।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान कराने के लिए बुधवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर में चुनाव सामग्री के साथ पोलिंग स्टेशन के लिए रवाना होती पोलिंग टीम। प्रेट्र

पहले चरण के लिए भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने की खूब मेहनत

पहले चरण की 102 सीटों पर अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खूब मेहनत की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक तीनों नेताओं ने 35-40 रैलियां और आधा दर्जन रोड शो किए। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी 12 राज्यों में 26 रैलियां व तीन रोड शो किए। इनकी तुलना में कांग्रेस के राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैलियां कम हुई हैं। पार्टी की ओर से कोई पुष्ट आंकड़ा नहीं दिया गया है।

नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की सभी सीटों पर होगा चुनाव

पहले चरण में नौ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं, जहां सभी सीटों के लिए चुनाव होगा। इनमें तमिलनाडु, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, अंडमान निकोबार, लक्षद्वीप और पुडुचेरी शामिल हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में संप्रग ने इन 102 सीटों में से 45 और राजग ने 41 सीटें जीती थीं। इनमें से छह सीटों को परिसीमन के बाद फिर से सुगठित किया गया है।

यह आम चुनाव देश के वर्तमान को उज्ज्वल भविष्य से जोड़ने का अवसर : मोदी

- पीएम ने राजग गठबंधन के प्रत्याशियों को व्यक्तिगत तौर पर लिखे पत्र
- पत्र में दिया गया अपना संदेश मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए कहा

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में चुनाव लड़ रहे सभी भाजपा नीत राजग गठबंधन के सभी उम्मीदवारों को व्यक्तिगत पत्र लिखकर उनसे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए कहा। मोदी ने अपने संदेश में कहा कि यह चुनाव देश के वर्तमान को उज्ज्वल भविष्य से जोड़ने का अवसर है।

भाजपा सूत्रों ने मोदी द्वारा भेजे गए दो पत्रों को साझा किया। इनमें एक कोयंबटूर के उम्मीदवार और भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रदेशाध्यक्ष के अन्नामलाई को अंग्रेजी में लिखा गया है जबकि दूसरा हिंदी में भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी को लिखा गया है। बलूनी उत्तराखंड के पौरी गढ़वाल से चुनाव लड़ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री का क्षेत्रीय भाषाओं में संदेश पहुंचाने पर भी फोकस है।

मोदी ने पत्र में कहा- ' मैं आपके लोकसभा मतदाताओं व कार्यकताओं से कहना चाहता हूं कि यह साधारण चुनाव नहीं है। यह चुनाव हमारे वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का एक सुनहरा अवसर है। यह चुनाव 50-60 सालों में कांग्रेस के शासनकाल में हमारे परिवार और बुजुर्गों ने जो कष्ट सहे हैं, उनसे मुक्ति पाने का अहम क्षण है। पिछले दस सालों में समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हुए देशवासियों की कठिनाइयों को दूर किया गया है। इस बार हमें मिलना वाला आपका हर वोट एक मजबूत सरकार बनाने और 2047 तक भारत को विकसित बनाने के प्रयासों को गति देने वाला होगा।'

पीएम द्वारा लिखे पत्र की प्रतिलिपि। एक्स

मोदी ने पत्र में कहा है कि चुनाव के पहले के अंतिम घंटे बेहद अहम होते हैं। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि वह गर्मी और दूसरी असुविधाओं को बर्दाश्त करते हुए राष्ट्र निर्माण का यह मौका गंवाएं नहीं। संभव हो तो सुबह ही मतदान करें। पीएम ने कहा है कि सभी मतदाताओं को आप मेरी तरफ से गारंटी देना कि मोदी का पल-पल देशवासियों के नाम है। अंत में पीएम ने राजग प्रत्याशियों को चुनाव में विजयी होने की शुभकामनाएं दी हैं।

पहली बार वोट डालने वाले लोकतंत्र को जीवंत बनाएं : श्री श्री रविशंकर

नई दिल्ली, आइएएनएस : आध्यात्मिक नेता एवं आर्ट आफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने बुधवार को शासन के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की और पहली बार मतदान करने वालों से लोकतंत्र को और जीवंत बनाने के लिए वोट डालने की अपील की।

बेंगलुरु में विकसित भारत अंबेसडरों को संबोधित करते हुए रविशंकर ने कहा कि आज बड़े गर्व का क्षण हैं क्योंकि रामनवमी का पर्व 500 वर्षों में पहली बार रामलला के जन्मस्थान पर मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सदियों पुराने इस सपने को हकीकत में तब्दील किया है। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में शासन के उच्च मानक स्थापित किए हैं। आगामी वर्षों में जो भी उनकी जगह लेगा, उसे यही मानक बरकरार रखने होंगे। विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए देश को ऐसे ही प्रतिबद्ध नेतृत्व की जरूरत है। पहली बार वोटरों से उन्होंने अपील की कि वे सकरात्मक सोच से मतदान करें क्योंकि उनके वोट में देश की वृद्धि को दिशा देने की ताकत है।

चुनावी हलचल

भाजपा ने डीके शिवकुमार पर सत्ता के दुरुपयोग का लगाया आरोप

बेंगलुरु, प्रेट्र : बेंगलुरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में एक आवासीय सोसायटी के लोगों से वोट मांगने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर सामने आने के बाद भाजपा नेता अमित मालवीय ने बुधवार को कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर सत्ता के बेशर्म दुरुपयोग का आरोप लगाया।

अमित मालवीय। फाइल

वोट मांगने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर सामने आने के बाद भाजपा ने साधा निशाना

वीडियो क्लिप में शिवकुमार को यह कहते हुए सुना गया कि वह एक व्यावसायिक सौदे के लिए आए हैं और यदि आवासीय सोसाइटी के 2,510 घर से 6,424 वोट कांग्रेस उम्मीदवार उनके भाई डीके सुरेश को जाते हैं तो कावेरी नदी के पानी की आपूर्ति और नागरिक सुविधाओं से संबंधित उनके प्रमुख मुद्दों को तीन महीने के भीतर हल कर दिया जाएगा। वीडियो क्लिप साझा करते हुए भाजपा के आइटी विभाग के प्रमुख मालवीय ने शिवकुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोग जिसे चाहें वोट देंगे, लेकिन एक मंत्री के रूप में लोगों को सुविधाएं प्रदान करना शिवकुमार की जिम्मेदारी है। मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सत्ता का खुलेआम दुरुपयोग करते हुए अपने भाई डीके सुरेश के निर्वाचन क्षेत्र में एक बड़ी आवासीय सोसायटी के मतदाताओं को चेताया है। वह एक तरह से धमका रहे हैं कि यदि वहां के लोगों ने उनके भाई को वोट नहीं दिया, तो उन्हें पता चल जाएगा और पानी तथा अन्य सुविधा दी जाएंगी। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि लोग किसे वोट देना चाहते हैं, लोगों को सुविधाएं प्रदान करना एक मंत्री के रूप में डीके शिवकुमार की जिम्मेदारी है। लेकिन कर्नाटक सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि यदि व्यवस्था नहीं हुई तो इस बारे में निर्वाचन आयोग को अवगत करवाते हुए शिकायत की जाएगी।

'माहौल खराब करने वाले कर्मचारियों का होगा हिसाब'

जागरण संवाददाता, जयपुर: राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सरकारी कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जो कर्मचारी भाजपा के लिए माहौल खराब कर रहे हैं, उनका हिसाब ब्याज सहित चुनाव के बाद चुकाया जाएगा। एक-एक सरकारी कर्मचारी का हिसाब किया जाएगा। दौसा संसदीय क्षेत्र के लालसोट में एक सभा को संबोधित करते हुए मीणा ने कहा कि भाजपा के लिए माहौल खराब करने वाले सरकारी कर्मचारियों की सूची तैयार हो रही है। एक-एक गांव में यह सूची तैयार हो रही है। मीणा ने कहा कि पीएम और गृह मंत्री अमित शाह कह चुके हैं कि आरक्षण किसी भी सूरत में खत्म नहीं किया जाएगा, लेकिन फिर भी कुछ कर्मचारी भाजपा के खिलाफ माहौल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी कैसे प्रचार कर सकता है।

राजस्थान में सांसद को जान से मारने की धमकी

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान की राजधानी जयपुर के सांसद रामचरण बोहरा को जान से मारने की धमकी मिली है। सांसद के अधिकारिक मेल पर मिली धमकी में लिखा है कि अभी दिल्ली बहुत दूर है। रास्ते में जहां मिलोगे तुम्हें वहीं जान से मार देंगे। सांसद के निजी सहायक अरूण शर्मा ने इस संबंध में जयपुर के जवाहर सर्किल पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार सांसद को अरविंद कुमार कुशवाह के नाम की आईडी से धमकी भरी मेल भेजी गई है। सांसद ने कहा कि साइबर सेल इस मामले की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि जयपुर से इस बार भाजपा ने रामचरण बोहरा का टिकट काटकर मंजू शर्मा को प्रत्याशी बनाया है।

पीएम मोदी और अमित शाह 20 से करेंगे कर्नाटक का दौरा

बेंगलुरु, प्रेट्र : भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के राज्य समन्वयक और राज्य महासचिव वी सुनील कुमार ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेंगलुरु और चिक्काबल्लापुरा में एक जनसभा को संबोधित करने के लिए 20 अप्रैल को कर्नाटक में होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 23 और 24 अप्रैल को कर्नाटक में रहेंगे, जहां वह कई चुनाव अभियानों में हिस्सा लेंगे। कुमार ने कहा कि शाह 23 अप्रैल को बेंगलुरु के विभिन्न हिस्सों में रोड शो करेंगे और अगले दिन वह चिक्कमगलुरु, तुमकुरु और हुबली में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। 23 अप्रैल को यशवंतपुर में एक रोड शो होगा। इसके बाद येलहंका में एक जनसभा होगी। इसके अतिरिक्त अन्य चुनावी कार्यक्रम भी तय किए गए हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 24 अप्रैल को कर्नाटक में होंगे। वह सुबह राजराजेश्वरी नगर विधानसभा क्षेत्र में रोड शो करेंगे। दोपहर में मदिकेरी में एक जनसभा करेंगे और शाम को उडुपी के मालपे में एक जनसभा करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 21 अप्रैल को राज्य की यात्रा करेंगे और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 24 अप्रैल को कर्नाटक में होंगे। वे उन इलाकों में जा रहे हैं, जहां दूसरे चरण का चुनाव है।

'भारत में राम का विरोध करने वालों का पतन ही हुआ'

- भाजपा नेता ने कहा-ऐसा ही देश में कांग्रेस और माकपा के साथ हुआ
- बोले-एटमी हथियार नष्ट करने के माकपा के वादे पर रुख साफ करे कांग्रेस

कासरगोड, प्रेट्र : केरल के कासरगोड में एक चुनावी सभा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में जिसने भी भगवान राम का विरोध किया है, उसे पतन का सामना करना पड़ा है, ऐसा ही देश में कांग्रेस और माकपा के साथ हुआ है। रक्षा मंत्री सिंह ने देश में परमाणु हथियारों को नष्ट करने के माकपा के चुनावी घोषणापत्र के वादे के पीछे की मंशा पर सवाल उठाते हुए इस मुद्दे पर कांग्रेस से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने बुधवार को एक चुनावी बैठक में कहा, "भारत में जिसने भी भगवान राम का विरोध किया है, उसे पतन का सामना करना पड़ा है, ऐसा ही देश में कांग्रेस और माकपा के साथ हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि आइएनडीआइए में सहयोगी दोनों दल कांग्रेस और माकपा भगवान राम या रामनवमी के त्योहार का महत्व नहीं समझती हैं।" उन्होंने कहा, 'इन लोगों ने रामनवमी के उत्सव में बाधाएं पैदा की हैं। हम सभी जानते हैं कि जिसने भी भगवान राम का विरोध किया है, उसे देश में पतन का सामना करना पड़ा है।' राजनाथ ने दावा किया कि लोकसभा में केरल में भाजपा की दहाई में सीटें आएंगी। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि भारत के परमाणु हथियारों को नष्ट करने की बात करना राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देश को कमजोर करने के लिए गहरी साजिश रची जा रही है। कासरगोड जिले में जनसभा में सिंह ने मांग की कि कांग्रेस को परमाणु हथियारों को नष्ट करने के माकपा के घोषणापत्र में किए गए वादे पर अपना रुख जाहिर करना चाहिए क्योंकि इंदिरा गांधी सरकार ने ही देश का परमाणु कार्यक्रम शुरू किया था। भारत ने दुनिया के 11 परमाणु संपन्न देशों में शामिल होने के लिए कड़ी मेहनत की व परमाणु हथियारों को नष्ट करने से वह देश कमजोर देश बन जाएगा।

चेन्नई में चुनाव प्रचार के दौरान दक्षिण चेन्नई से भाजपा उम्मीदवार एवं पूर्व राज्यपाल तमिलसाई से चर्चा करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एएनआइ

कांग्रेस अब काफी हद तक हो गई है वामपंथी : मिलिंद देवड़ा

मुंबई, प्रेट्र : शिवसेना के राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवड़ा ने कहा है कि किसी समय आर्थिक सुधारों की शुरुआत करने वाली कांग्रेस का वर्तमान में विभाजनकारी आर्थिक एजेंडा है। वह भारत के आर्थिक विकास को पटरी से उतारना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब काफी हद तक वामपंथी हो गई है। उन नीतियों के बारे में बात करती है, जो वामपंथ और समाजवाद से प्रेरित है। ये दोनों ही विचारधाराएं दुनियाभर में विफल रही हैं। शिवसेना नेता ने कहा कि कांग्रेस को उन नीतियों के बारे में बात करनी चाहिए, जो ईंधन नवाचार और निवेश को बढ़ाए। इस वर्ष जनवरी में कांग्रेस छोड़कर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हुए देवड़ा ने दावा किया कि अब कांग्रेस उन्हें गालियां देने और उनकी आलोचना करने की कोशिश कर रही है।

आजाद ने छोड़ा मैदान, अनंतनाग-राजौरी से अब सलीम पर्रे लड़ेंगे चुनाव

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर

अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट से डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद के चुनाव लड़ने को लेकर बना संशय बुधवार को दूर हो गया। आजाद इस सीट से चुनाव नहीं लड़ेंगे। अब उनके स्थान पर एडवोकेट मोहम्मद सलीम पर्रे चुनावी मैदान में होंगे। पर्रे अनंतनाग जिला विकास परिषद के सदस्य भी हैं। डीपीएपी की कोर समिति की बैठक में आजाद के स्थान पर पर्रे को उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया गया है। बता दें कि अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट पर पीडीपी की महबूबा मुफ्ती, नेकां के मियां अल्ताफ अहमद और अपनी पार्टी के जफर इकबाल भी मैदान में हैं। इस सीट पर नामांकन जमा कराने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल है। डीपीएपी ने आजाद के चुनाव न लड़ने के कारणों की जानकारी नहीं दी है, सूत्रों ने बताया कि अपनी पार्टी के साथ गठजोड़ न होने के कारण उन्होंने चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। आजाद ने जम्मू-कश्मीर में सिर्फ एक बार वर्ष 2014 में संसदीय चुनाव लड़ा और हारा है। डीपीएपी के कश्मीर के प्रधान मोहम्मद अमीन बट ने बुधवार शाम को अनंतनाग में कहा कि हमारे चेयरमैन आजाद अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। मोहम्मद सलीम पर्रे उम्मीदवार रहेंगे। आजाद ने निजी कारणों का हवाला देते हुए चुनाव न लड़ने की बात कही है।

गुलाम नबी आजाद।

आजाद ने पार्टी बैठक में निजी कारणों का हवाला देते हुए चुनाव न लड़ने की बात कही है

यूं ही कश्मीर में चार कदम पीछे नहीं खींच रही भाजपा

- नेकां, पीडीपी को मात देने के लिए सहयोगी दलों का साथ देगी भाजपा
- भविष्य में विधानसभा चुनाव में कश्मीर में इन दलों से समर्थन चाहेगी पार्टी

नवीन नवाज • जागरण

श्रीनगर : कश्मीर से जुड़ी तीनों लोकसभा सीटों से भाजपा चुनाव मैदान में नहीं उतर सकती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जम्मू में चुनावी सभा में इसका साफ संकेत दिया है। उन्होंने साफ किया कि भाजपा कश्मीर में कमल खिलाने की जल्दबाजी नहीं है। बस एक बात याद रखें, नेशनल कान्फ्रेंस, पीडीपी या कांग्रेस जैसी परिवारवादी पार्टियों को वोट मत दें। स्पष्ट है कि भाजपा कश्मीर में पीपुल्स कान्फ्रेंस, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन कर सकती है। हालांकि पार्टी ने अपनी रणनीति का पर्दाफाश नहीं किया है।

जम्मू-कश्मीर

पार्टी की यह बदली रणनीति उन तमाम विशेषज्ञों को चौंका सकती है जो दो वर्ष से कश्मीर में भाजपा की गतिविधियों पर लगातार नजर लगाए हुए थे। नीति में यह बदलाव एकाएक नहीं है। उसकी निगाहें जम्मू-कश्मीर में निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनाव पर टिकी हैं। इसके अलावा भाजपा का मकसद विधानसभा चुनाव में जीत है और वह चाहेगी कि कश्मीर में जिन दलों को वह परोक्ष समर्थन दे रही है, विधानसभा चुनाव में वह उसकी मदद करें। विशेषज्ञों के अनुसार, अब नए परिसीमन के आधार पर लोकसभा चुनाव हो रहे हैं और अनुमान है कि इस वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। वर्तमान लोकसभा चुनावों को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। जम्मू की दो सीटों पर भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। अनंतनाग-राजौरी व कश्मीर की अन्य दोनों सीट पर अभी भाजपा ने कोई उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। कश्मीर में हाल ही में हुई बैठकों से साफ संकेत मिल रहा है कि भाजपा अपने मित्रों को सहयोग दे सकती है।

कश्मीर में अभी ऐसा है सियासी गणित

कश्मीर से जुड़ी तीनों सीटें मुस्लिम बहुल हैं। अनंतनाग-राजौरी और बारामुला लोस क्षेत्र में भाजपा ने बीते पांच वर्ष में अच्छी पैठ बनाई है। वह चाहेगी कि किसी भी कीमत पर आइएनडीआइए के सहयोगी दल जीतकर न आएं। सज्जाद गनी लोन के नेतृत्व वाली पीपुल्स कान्फ्रेंस, सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी की जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी से बैठक भी हुई है।

एक-दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारे

पीसी के सज्जाद लोन बारामुला से चुनाव लड़ रहे हैं और वहां अपनी पार्टी के बुखारी व आजाद ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है। श्रीनगर में बुखारी ने मोहम्मद अशरफ मीर को उम्मीदवार बनाया है और इस सीट पर आजाद और लोन की तरफ से कोई चुनाव नहीं लड़ रहा है। अनंतनाग-राजौरी सीट पर लोन ने अपना कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा है, लेकिन बुखारी ने जफर इकबाल मनहास को उम्मीदवार घोषित किया है। इसी सीट पर गुलाम नबी आजाद ने चुनाव लड़ने का एलान किया, लेकिन वह पीछे हट गए हैं। इन तीनों सीटों पर नेकां और पीडीपी भी चुनाव लड़ रही है। ऐसे में भाजपा चाहेगी कि कश्मीर की परिवारवादी पार्टियों को मात मिल सके। साथ ही विस चुनाव में यह दल उसका साथ दें। क्योंकि कश्मीर में मजबूत हुए बिना भाजपा के लिए अपने दम सरकार बनाना आसान नहीं है।

'कंगना बरसाती मेंढक, आज आईं कल चली जाएंगी'

- प्रतिदिन ऐसे बदल रहीं वेशभूषा जैसे किसी फिल्म की शूटिंग कर रही हों
- पार्टी ने दी नई जिम्मेदारी, जनता अपना प्यार और आशीर्वाद प्रदान करें

संवाद सहयोगी • जागरण, आनी (कुल्लू)

हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह ने भाजपा प्रत्याशी कंगना को बरसाती मेंढक बताते हुए कहा कि वह आज आई हैं और कल चली जाएंगी। कंगना की वेशभूषा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है, जैसे वह किसी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। वेशभूषा बदलने से लोगों का दिल नहीं जीता जा सकता। प्रदेश में इन दिनों मौसम अच्छा है। दो-तीन माह यहां घूमने के बाद वह बोरिया-बिस्तर समेट लौट जाएंगी।

हिमाचल प्रदेश

बुधवार को आनी में पत्रकारों से विक्रमादित्य ने कहा कि कुछ टीवी चैनल सर्वे में केंद्र में भाजपा की सरकार बना रहे हैं। विधानसभा चुनाव में सर्वे गलत हुए थे। कांग्रेस लोकसभा और छह विधानसभा के उपचुनाव जीतेगी। आपदा से हुए नुकसान को लेकर केंद्र से 12 हजार करोड़ रुपये की मांग की गई थी लेकिन अब तक पैसे आए ही नहीं तो इसमें गबन कैसे हो सकता है। महिलाओं को 1500 रुपये देने की अनुमति मिल गई थी। नेता प्रतिपक्ष ने उस पैसे को रोकने का प्रयास किया है।

विक्रमादित्य सिंह। कंगना रनौत।

रजवाड़ाशाही बीते दिनों की बात, लोगों का लोकतंत्र में विश्वास : कंगना

जागरण टीम, भरमौर : मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह पर पलटवार करते हुए कहा कि अब रजवाड़ाशाही बीते दिनों की बात हो गई है। जनता अब लोकतंत्र में विश्वास रखती है। मैं अपना सब काम छोड़ कर यहां आई हूं। मुझे पता नहीं मैं, सांसद बनूंगी या नहीं। यह मेरा नहीं मोदी का चुनाव है। हम सब मोदी की सेना हैं। लोग देश की एकता अखंडता व विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वोट डालकर तीसरी बार मजबूत हाथ को नेतृत्व सौंपेंगे, ऐसी उम्मीद है। कंगना ने कहा कि कांग्रेस ने कभी दुर्गम क्षेत्र के लोगों का दर्द नहीं समझा।

सरकार बनी तो बदला जाएगा दल बदल कानून : मायावती

जागरण संवाददाता, जयपुर

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को राजस्थान के अलवर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यदि केंद्र में उनकी पार्टी की सरकार बनी तो दल बदलने वाले कानून को बदला जाएगा, उसे सख्त बनाया जाएगा। हमारी पार्टी के विधायकों को तोड़ने वालों को सबक सिखाया जाएगा। कहा कि हर बार हमारी पार्टी के विधायकों को तोड़ लिया जाता है। तोड़-फोड़ की राजनीति से लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए मायावती पहली बार राजस्थान पहुंची थीं। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही बसपा के दो विधायक भाजपा में शामिल हो गए, इसी को ध्यान में रखते हुए मायावती ने बिना भाजपा का नाम लिए कहा कि हमारे विधायकों को दूसरी पार्टियां तोड़ ले रही हैं।

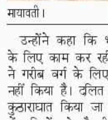
मायावती।

बोलीं- हर बार हमारी पार्टी के विधायकों को तोड़ा जा रहा

उन्होंने कहा कि भाजपा पूंजिपतियों के लिए काम कर रही है। वहीं कांग्रेस ने गरीब वर्ग के लिए कभी कोई काम नहीं किया है। दलित वर्ग पर अब भी कुठाराघात किया जा रहा है। पूरे देश में दलितों को नौकरी में आरक्षण का कोटा भी पूरा नहीं हुआ है। दलित वर्ग को आरक्षण का लाभ पूरी तरह से नहीं मिल रहा है। मुस्लिमों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दलित और मुस्लिम वर्ग का कांग्रेस और भाजपा ने उत्थान नहीं किया।

****

10 वर्षों में हमने उत्तराखंड में जो काम किए हैं, उससे यहां के लोगों के जीवन में ऐसे बदलाव हुए हैं, जिनकी प्रतीक्षा वो पिछले कई वर्षों से कर रहे थे। यह बात पीएम नरेन्द्र मोदी ने कही। उन्होंने दावा किया कि तीसरी बार भी हम राज्य की सभी लोकसभा सीटें जीतेंगे।

समान नागरिक संहिता पूरे देश की जरूरत, विरोध छोड़े विपक्ष : पीएम

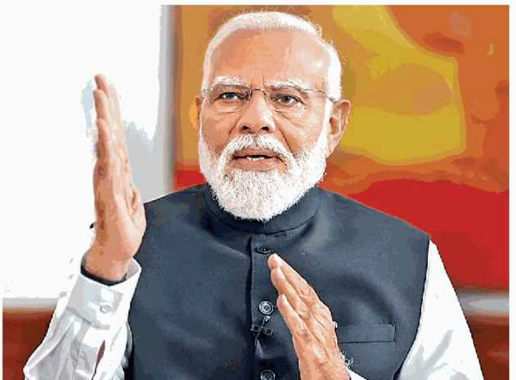

साक्षात्कार

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान करीब आने के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि समान नागरिक संहिता पर भाजपा का दृष्टिकोण पूरी तरह स्पष्ट है। उनका कहना है कि संकीर्ण स्वार्थों वाली राजनीति के कारण राजनीतिक दलों ने एक देश में सभी वर्गों के लिए एक कानून की जमीन तैयार नहीं होने दी। वह इस मामले में उत्तराखंड में हुई पहल को सही दिशा में उठाया गया कदम मानते हैं और उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रीय स्तर पर भी विपक्षी दल इसका विरोध नहीं करेंगे। उत्तराखंड में पहले चरण में ही पांचों सीट पर चुनाव है और भाजपा लगातार तीसरी बार सभी सीटें जीतने का दावा कर रही है। लिहाजा प्रधानमंत्री ने विशेष तौर से उत्तराखंड के बाबत दैनिक जागरण के सवालों के जवाब दिए। प्रस्तुत हैं इसके प्रमुख अंश :

● उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को विपक्ष भी मुद्दा नहीं बनाता नहीं दिखा। क्या माना जाए कि आम जन ने इसे स्वीकार कर लिया है और इसलिए विपक्ष भी मजबूर है?

– हम बहुत पहले से समान नागरिक संहिता के बारे में बात करते आए हैं। चुनाव हो या ना हो, यूसीसी की आवश्यकता आज पूरे देश में महसूस की जा रही है। मुझे बहुत खुशी है कि उत्तराखंड ने इसे लागू कर दिया। इस मुद्दे पर आजादी के पहले से विचार-विमर्श चल रहा है। आजादी के बाद हमारे पास यह अवसर था कि हम यूसीसी की तरफ कदम बढ़ाते, लेकिन उस वक्त की कुछ राजनीतिक ताकतों ने अपने स्वार्थ के लिए अलग-अलग वर्गों के लिए अलग-अलग कानून की पैरवी की। मैं पूरे देश को एक परिवार मानता हूं और मैं समझता हूं कि एक परिवार में सभी लोगों पर एक जैसा कानून लागू होना चाहिए। आप ही बताइए परिवार के अलग-अलग सदस्यों के लिए अलग-अलग कानून कहां तक उचित है?

बाबासाहेब आंबेडकर ने कहा था कि हमें स्वतंत्रता इसलिए मिली है ताकि हमारी सामाजिक व्यवस्था में जहां हमारे मौलिक अधिकारों के साथ विरोध है, वहां सुधार कर सकें। हमने अपने संकल्प पत्र में भी कहा है कि भाजपा देशभर में यूसीसी लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। आम जनता हमेशा से ही यह चाहती थी कि देश में प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक समान कानून बने। आज विपक्ष के नेता भी यह जानते हैं कि पूरे भारत में लोग यूसीसी का समर्थन कर रहे हैं, इसलिए विपक्ष इसका विरोध नहीं कर पा रहा। मुझे आशा है कि राष्ट्रीय स्तर पर भी विपक्ष यूसीसी का विरोध नहीं करेगा।

● आपने उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों में कई ढांचागत विकास की बड़ी योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन एक वर्ग की ओर से इन्हें पर्यावरण विरोधी कार्य बताया जा रहा है और इसे चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश भी हो रही है...

– हम इकोनमी और इकोलाजी को साथ लेकर काम करते हैं। उत्तराखंड जैसे राज्यों में हमने संवेदनशील और संतुलित विकास का रास्ता पकड़ा है। पिछली सरकारों के समय में निर्माण कार्यों में पर्यावरण से जुड़ी सावधानियां नहीं रखी गईं, जिसके घातक परिणाम हम सबने देखे हैं। देखिए, भारत सरकार के किसी भी प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले वन एवं पर्यावरण संबंधी सारी अनुमति ली जाती है। विभिन्न स्तरों पर प्रोजेक्ट का मूल्यांकन होता है और वो किस प्रकार पर्यावरण को प्रभावित करेगा, इसका विस्तृत अध्ययन किया जाता है। इन प्रोजेक्टों में स्थानीय लोगों की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में हमारी सरकार का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि जो भी विकास कार्य हो, वो पर्यावरण को ध्यान में रखकर किए जाएं। पहाड़ के मुश्किल क्षेत्र में रहने वाले लोगों के जीवन में बदलाव जरूरी है, साथ ही पर्यावरण का संरक्षण भी जरूरी है। उत्तराखंड की भाजपा सरकार यहां की प्राकृतिक सुंदरता और संवेदशीलता से छेड़छाड़ किए बगैर इज आफ लिविंग को बढ़ावा दे रही है। देवभूमि में लोगों के लिए सड़कें और अस्पताल बनें, शिक्षा के लिए अच्छे कालेज हों, युवाओं के लिए नए अवसर हों, ये सब बहुत जरूरी हैं। एक समय में इन सुविधाओं की कमी उत्तराखंड से पलायन की बड़ी वजह रही है। अब बहुत हद तक पलायन रुका है।

● भाजपा लगातार तीसरी बार उत्तराखंड में क्लीन स्वीप यानी पांचों सीटें जीतने का दावा कर रही है, इसका आधार क्या है?

–देवभूमि उत्तराखंड से मेरा आत्मीय लगाव है। मैंने अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण समय यहां पर बिताया है। पिछले 10 वर्षों में हमने उत्तराखंड में जो काम किए हैं, उससे यहां के लोगों के जीवन में ऐसे बदलाव हुए हैं, जिनकी प्रतीक्षा वो पिछले कई वर्षों से कर रहे थे। जो लोग आज यहां विकास को जमीन पर उतरते हुए देख रहे हैं या जिन्हें हमारी योजनाओं का लाभ मिला है, वे उत्तरांखड में भाजपा की जीत के लिए आश्वस्त हैं। उत्तराखंड के तीर्थस्थलों के विकास को हमने अपनी प्राथमिकता बनाया है। आल वेदर चार धाम रोड प्रोजेक्ट, सड़कों के चौड़ीकरण, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन और हेलीकाप्टर सुविधाओं के माध्यम से हमने लोगों के लिए उत्तराखंड पहुंचना सुविधाजनक बनाया। केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण और बदरीनाथ धाम के विकास प्रोजेक्ट से श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। हेमकुंड साहिब, यमुनोत्री, पूर्णागिरी मंदिर के लिए रोप-वे की सुविधा पर तेजी से काम हो रहा है। यात्रियों की बढ़ती हुई संख्या ने पर्यटन के क्षेत्र में नए अवसर तैयार किए हैं। विकास की इसी गति के बल पर 2024 में हम तीसरी बार सभी सीटें जीतने का रिकार्ड बनाएंगे।

● काफी पहले कांग्रेस के एक नेता ने तत्कालीन सीडीएस जनरल विपिन रावत के बारे में अपशब्द कहे थे। उसे आज भी मुद्दा बनाना उचित है क्या?

- देखिए, वह सिर्फ एक घटना या एक बयान नहीं था। उसमें कांग्रेस का सोच और नीयत दिखती है। देश के पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत के लिए कांग्रेस द्वारा जिन अपशब्दों का प्रयोग किया गया, उसे एक छोटा मुद्दा मान लेना ठीक नहीं है। जनरल बिपिन रावत ने पूरे उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए देश के पहले सीडीएस का कार्यभार ग्रहण किया था। उन्होंने देश की सशस्त्र सेनाओं में काफी सुधार किए और उनका सोच डिफेंस सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाने की थी। उनके जैसे उत्तराखंड के सपूत के बारे में ऐसी बातें करना सोच से परे है। उनके बारे में जो अपशब्द कांग्रेस ने इस्तेमाल किए हैं, वह पूरे उत्तराखंड की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। कांग्रेस की भद्दी टिप्पणी को देवभूमि के लोग हमेशा याद रखेंगे। लोगों को यह भी याद है कि यह वही कांग्रेस है, जो बार-बार सेना पर सवाल उठाती है। कांग्रेस ने अपने समय में सेनाओं के लिए कुछ नहीं किया और उसका खामियाजा देश को भुगतना पड़ा।

● भाजपा का घोषणापत्र हाल में आया है। इसमें उत्तराखंड के लिए क्या है?

-भाजपा के संकल्प पत्र से उत्तराखंड के भविष्य के रोडमैप को लेकर बहुत कुछ स्पष्ट हो जाता है। हमने ऐसे सभी उपायों पर फोकस किया है, जिससे पहाड़ का पानी और जवानी, दोनों पहाड़ के काम आए, पलायन पूरी तरह रुके। हमने अपने संकल्प पत्र में गरीब, किसान, नारीशक्ति और युवाशक्ति को प्राथमिकता दी है। आयुष्मान कार्ड धारकों को पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज मिलता रहेगा। उत्तराखंड में 55 लाख लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बने हैं और यहां के 270 अस्पताल पैनल में शामिल हैं। सोचिए, यह उत्तराखंड के लोगों के लिए कितनी बड़ी राहत की बात है। हमने 70 वर्ष से ऊपर के हर बुजुर्ग को आयुष्मान भारत योजना का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया है। इसका फायदा पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले उन सभी बुजुर्गों को होगा, जो अस्वस्थ रहते हैं। उत्तराखंड में महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने वाली मुद्रा योजना का विस्तार किया जा रहा है। हम अपने धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों को संवारने का अभियान और तेज करेंगे। हमने अपने संकल्प पत्र में सीमावर्ती गांवों से जुड़े थीम आधारित सर्किट के विकास का लक्ष्य रखा है।

● उत्तराखंड के लिए आपकी क्या गारंटी है?

– देवभूमि के लिए मोदी की गारंटी है कि वहां के युवाओं के लिए अधिक से अधिक अवसरों का निर्माण होगा ताकि विकसित भारत के संकल्प में विकसित उत्तराखंड की महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो। हमने अपने संकल्प पत्र में भंडारण के लिए नए क्लस्टर बनाने का एलान किया है। हमने किसानों के हित के लिए कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन शुरू करने की गारंटी दी है। इसका बहुत बड़ा फायदा उत्तराखंड के किसानों को मिलेगा। हमारी गारंटी है कि राज्य में उद्योग, निवेश और इन्फ्रास्ट्रक्चर का और विस्तार होगा। उत्तराखंड को पर्यटन और तीर्थाटन का हब बनाने की दिशा में हम अपने प्रयासों को और गति देंगे। हमने अपने संकल्प पत्र में जल, जंगल, वायु और पर्यावरण को बचाने की गारंटी दी है।

रामनवमी पर टीएमसी का घोषणापत्र जारी, सीएए निरस्त का वादा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

टीएमसी नेता अमित मित्रा, डेरेक ओ'ब्रायन और चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बुधवार को कोलकाता में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी किया। प्रेट्र

बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने रामनवमी पर बुधवार को अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें केंद्र की सत्ता में आने पर नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को रद करने का वादा किया गया है। साथ ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) पर रोक लगाने और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को देश में लागू नहीं करने का भी वादा किया है। मोदी की गारंटी की तर्ज पर तृणमूल ने 97 पेज वाले घोषणापत्र में 10 शपथ ली है और कई चुनावी वादे किए हैं। यह पहली बार है जब घोषणापत्र जारी करने के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौजूद नहीं थीं। इससे पहले हर चुनावों में ममता खुद ही इसे जारी करती रही हैं।

▸ मोदी की गारंटी की तर्ज पर घोषणापत्र में ममता ने ली 10 शपथ

तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा में पार्टी के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने पार्टी मुख्यालय में घोषणापत्र जारी करते हुए कहा कि दीदी की शपथ के साथ हम हर भारतीय को रोजगार की गारंटी, सभी को घर, बीपीएल परिवारों को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, किसानों को एमएसपी, एससी-एसटी और ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति देने का वादा करते हैं। पार्टी ने बंगाल की लक्ष्मी भंडार योजना की तर्ज पर देश में सभी महिलाओं को मासिक भत्ता देने का भी वादा किया है। उन्होंने कहा कि ये वे वादे हैं जिन्हें हम विपक्षी आइएनडीआइए के हिस्से के तौर पर पूरा करेंगे, जब समूह की अगली सरकार बनेगी।

हिंदू वोटों को साधने की रणनीति : सियासी जानकारों ने रामनवमी पर घोषणापत्र जारी करने को हिंदू वोटों को साधने के लिए तृणमूल की रणनीति का हिस्सा बताया है। वहीं भाजपा का आरोप है कि तृणमूल ने मुस्लिमों को खुश करने के लिए घोषणापत्र में सीएए को रद करने और एनआरसी व यूसीसी पर रोक लगाने का वादा कर एक बार फिर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। यह भी पहली बार है जब ममता सरकार ने रामनवमी पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की।

रामनवमी पर बंगाल में तृणमूल ने निकाली शोभायात्रा, लगे जय श्रीराम के नारे

▸ कुछ इलाकों में भाजपा नेताओं ने भी की शोभायात्रा की अगुवाई

तृणमूल द्वारा निकाली गई शोभायात्रा में सांसद और प्रत्याशी प्रसून बनर्जी। इंटरनेट मीडिया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल में बुधवार को रामनवमी पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में तृणमूल कांग्रेस ने भी शोभायात्रा निकाली। इन शोभायात्राओं में तृणमूल नेताओं ने भी जय श्रीराम के नारे लगाए। पिछले साल रामनवमी के मौके पर बंगाल के हावड़ा व हुगली जिले में शोभायात्राओं पर हुए हमले के बाद हुई भारी हिंसा को देखते हुए इस बार राज्यभर में पुलिस प्रशासन अलर्ट दिखा। संवेदनशील जगहों पर भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। केंद्रीय चुनाव आयोग ने पहले ही राज्य प्रशासन को रामनवमी पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त रखने के लिए निर्देश दिया था। कुछ इलाकों में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने और कुछ इलाकों में भाजपा नेताओं ने शोभायात्राओं की अगुवाई की। कोलकाता में 50 से अधिक शोभायात्राएं निकाली गईं। प्रशासन ने इन शोभायात्राओं में सार्वजनिक तौर पर हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाया हुआ था लेकिन हावड़ा में शोभायात्रा के दौरान कुछ नेताओं को तलवार लिए देखा गया। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों को शुभकामनाएं दीं और शांति बनाए रखने की अपील की।

जादवपुर विवि ने रामनवमी उत्सव की अनुमति वापस ली : कोलकाता स्थित जादवपुर विश्वविद्यालय ने वाम समर्थित छात्र संगठनों के विरोध के बीच परिसर में रामनवमी मनाने के लिए आरएसएस से संबद्ध एबीवीपी को दी गई अनुमति बुधवार को वापस ले ली। विश्वविद्यालय ने गेट तीन के पास सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक राम नवमी मनाने की अनुमति दी थी।

बंगाल में रामनवमी शोभायात्रा पर फेंके बम, 20 घायल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल में रामनवमी पर फिर हिंसा हुई। मुर्शिदाबाद जिले के शक्तिपुर में बुधवार शाम रामनवमी शोभायात्रा पर बम फेंकने की घटना प्रकाश में आई है। इस घटना में 20 लोग जख्मी हो गए, जिसमें एक महिला व दो बच्चे भी शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल एक महिला को मुर्शिदाबाद मेडिकल कालेज और अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके में तनाव की स्थिति है। भारी संख्या में केंद्रीय बल तैनात कर दिए गए हैं। इस मामले में अभी तक पुलिस का आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस दौरान आसपास की कई दुकानों में खुलेआम लूटपाट भी की गई। शोभायात्रा के दौरान शक्तिपुर के अलावा जिले के माणिक्यहार इलाके में भी हमला किया गया। कई दुकानों में लूटपाट की गई है। बम भी फेंके गए।

भाजपा ने ममता को ठहराया जिम्मेदार : हिंसा की घटना के लिए भाजपा ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा के आइटी प्रकोष्ठ के प्रमुख तथा राज्य के सह प्रभारी अमित मालवीय ने कहा है कि हिंसा की इस घटना के लिए ममता बनर्जी का लोगों को उकसाने वाला भड़काऊ भाषण जिम्मेदार है। वहीं नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा है कि ममता की पुलिस एक बार फिर हिंसा पर काबू पाने में विफल रही है।

चुनाव आयोग ने बंगाल के राज्यपाल को कूच बिहार के दौरे से रोका

आयोग की सख्ती

▸ आयोग ने प्रचार अवधि खत्म होने के बाद दौरे को बताया आचार संहिता का उल्लंघन

▸ 18-19 अप्रैल को राज्यपाल सीवी आनंद बोस का प्रस्तावित था कूच बिहार का दौरा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आनंद बोस। फाइल

चुनाव आयोग ने बुधवार को बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को 18 व 19 अप्रैल को प्रस्तावित कूच बिहार के दौरे पर नहीं जाने की सलाह देकर दौरा करने से रोका है। आयोग ने कहा है कि आदर्श चुनाव आचार संहिता लगी होने और उसी दिन उस क्षेत्र में मतदान होने के चलते वैसे भी कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जा सकते है। आयोग ने राजभवन को अपनी राय मेल के जरिये भेज भी दी है।

आयोग ने कदम तब उठाया है, जब स्थानीय प्रशासन ने आयोग को राज्यपाल के 18 और 19 अप्रैल के कूच बिहार के प्रस्तावित दौरे की जानकारी दी गई है। इसके बाद हरकत में आए आयोग ने चुनाव प्रचार थमने के बाद उनके इस दौरे पर आपत्ति जताई। साथ ही उन्हें दौरे पर न जाने की सलाह दी है। आयोग का कहना है कि वैसे भी पहले चरण के मतदान के पहले 48 घंटे की अवधि से क्षेत्र में प्रचार पर रोक लग जाती है। स्थानीय प्रशासन भी तैयारियों में जुट जाता है। सुरक्षाकर्मियों की भी मतदान केंद्रों पर तैनाती कर कर दी जाती है। ऐसे में किसी वीआइपी सुरक्षा बंदोबस्त करना एक बड़ी चुनौती है।

गैर मतदाता हाई प्रोफाइल लोगों को क्षेत्र से बाहर निकालें

चुनाव आयोग ने इसके साथ ही पहले चरण के मतदान क्षेत्रों से उन सभी हाई प्रोफाइल लोगों, नेताओं व प्रचारकों को बाहर निकालने के निर्देश दिए है, जो उस क्षेत्र के मतदाता नहीं है। आयोग ने जन प्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 126 का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव प्रचार थमने के बाद कोई भी बाहरी व्यक्ति या प्रचारक उस क्षेत्र में नहीं रह सकता है, यदि वह वहां का मतदाता नहीं है। आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों व पुलिस प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि पहले चरण का प्रचार समाप्त हो गया है, ऐसे में प्रचार में लगे बाहरी लोगों को तुरंत क्षेत्र से बाहर निकाला जाए।

दिग्विजय को रामद्रोही बताने पर मप्र के सीएम की चुनाव आयोग में शिकायत

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल : मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री और राजगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह को मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव द्वारा रामद्रोही और हिंदू-मुस्लिमों को लड़ाने वाला व्यक्ति बताने पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। मप्रदेश कांग्रेस के चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने आयोग को भेजी शिकायत में बताया कि 15 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर की नामांकन रैली में मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने कहा कि दिग्विजय सिंह ने जिंदगी भर हिंदू और मुस्लिमों का लड़ाने का काम किया है और वोट का रास्ता ढूंढा है। वह सबसे बड़े रामद्रोही हैं।

ममता ने किया आचार संहिता का उल्लंघन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

ममता बनर्जी। फाइल

भाजपा ने बुधवार को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ निर्वाचन आयोग में आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराई। आरोप लगाया कि उन्होंने एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए मतदाताओं को हिंसा के लिए उकसाने की कोशिश की। ममता ने मंगलवार को उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के मैनागुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया था कि भाजपा के कुछ सदस्य चाल्सा इलाके में उनके काफिले को निशाना बनाते हुए चोर-चोर चिल्लाने लगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे शिकायत पत्र में भाजपा ने अनुरोध किया कि ममता बनर्जी द्वारा लगातार दिए जा रहे भड़काऊ बयानों के खिलाफ तत्काल कदम उठाएं। बता दें कि इससे पहले भी भाजपा दो बार ममता के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करा चुकी है। निर्वाचन आयोग को दी गई अपनी शिकायत में भाजपा ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने कहा, वे मेरी कार देखकर चोर-चोर कहने की हिम्मत कर रहे थे, अगर मुझे मौका मिलता तो उनकी जीभ खींच लेती, लेकिन चुनाव के कारण मैंने कुछ नहीं कहा। यह देश के चुनावी कानूनों के तहत स्पष्ट रूप से निषिद्ध है।

पीएम को लेकर दिए बयान पर झामुमो नेता पर केस दर्ज

जागरण संवाददाता, साहिबगंज

प्रो. नजरूल इस्लाम।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर दिए गए बयान पर झारखंड के साहिबगंज जिले की पुलिस ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय समिति के सदस्य प्रो. नजरूल इस्लाम के खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की प्राथमिकी दर्ज की है। यह प्राथमिकी सदर बीडीओ के बयान पर दर्ज की गई है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। नगर थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस प्रो. नजरूल को नोटिस भेजकर अपना पक्ष रखने को कहेगी।

मालूम हो कि आंबेडकर जयंती के मौके पर रविवार को झामुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रो. नजरूल ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस बार राजग के लिए 400 सीट पार जाने का नारा दिया है। कहा-400 सीट नहीं, 400 फीट नीचे नरेन्द्र मोदी को गाड़ देंगे। इस बयान पर घिरने के बाद प्रो. नजरूल ने कहा कि अगर उनके बयान से किसी को ठेस पहुंची है ,तो वह क्षमा प्रार्थी हैं। नजरूल झामुमो के पुराने नेता हैं। वह पार्टी के साहिबगंज जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

चुनाव आयोग ने बीआरएस प्रमुख केसीआर को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एएनआइ : चुनाव आयोग ने बुधवार को कांग्रेस पर अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को नोटिस जारी किया। कांग्रेस नेता जी. निरंजन की शिकायत का संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग ने कहा कि राव ने पांच अप्रैल को सिरसिला में कांग्रेस की आलोचना करते हुए आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया था। आयोग ने यह भी कहा कि केसीआर को उनके भाषण के संबंध में पहले भी कई निर्देश जारी किए जा चुके हैं। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन से एक शिकायत मिली है। चुनाव आयोग ने केसीआर से 18 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है।

****

आयोग द्वारा चुनावी बांड पर पोस्ट डिलीट कराने से कांग्रेस नाराज

सुप्रिया श्रीनेत। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : इंटरनेट मीडिया पर चुनावी चंदे की बांड योजना पर जारी पोस्टों को चुनाव आयोग के डिलीट कराने पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। साथ ही आयोग से पूछा है कि एक्स से जिन पोस्टों को डिलीट किया गया है, सरकार उनसे बहुत असहज महसूस कर रही थी।

विपक्षी दलों ने यह एतराज तब जताया है जब इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्विटर) ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देश पर उसने वाइएसआर कांग्रेस, आप, एन.चंद्रबाबू नायडु और बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कुछेक पोस्ट को डिलीट किया है जो आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे थे। चुनाव आयोग का यह आदेश 2 और 3 अप्रैल को जारी हुआ था और उसके बाद 10 अप्रैल को एक और ईमेल आया था जिसमें कहा गया था कि नफरत भरे भाषण, धार्मिक उल्लेख और अश्लील बयान वाली पोस्ट आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। अगर एक्स ने चिन्हित पोस्टों को नहीं हटाया तो इसे आचार संहिता का उल्लंघन मान कर कार्रवाई होगी। इस पूरे प्रकरण पर कांग्रेस प्रवक्ता और इंटरनेट मीडिया विभाग प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि यह बहुत ही चौंकाने वाली बात है कि चुनावी चंदे के बांड पर जारी किए पोस्ट डिलीट करवाए गए हैं। चूंकि यह मुद्दा सरकार को असहज करता है इसलिए इन पोस्ट को हटवाया गया है।

आप ने लोकसभा कैंपेन के लिए लांच की वेबसाइट 'आप'का रामराज्य'

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी ने लोकसभा कैंपेन के लिए बुधवार को 'आप' का रामराज्य' वेबसाइट लांच की। रामनवमी पर http://aapkaramrajya.com वेबसाइट लांच करते हुए दावा किया कि दिल्ली और पंजाब में रामराज्य की अवधारणा के अनुरूप काम हो रहे हैं। अब लोग पूरी दुनिया में कहीं भी दिल्ली सरकार के कामों की जानकारी ले सकेंगे। केजरीवाल के रामराज्य की अवधारणा में कोई भेदभाव और छोटा-बड़ा नहीं है, सिर्फ जनता के हित में काम करने का विचार है। इस दौरान संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली में पिछले नौ वर्ष और पंजाब में दो वर्ष के शासन के दौरान जनहित में किए गए सारे कामों की विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

11.46 लाख रुपये की नकदी भारतीय तटरक्षक बल ने महाराष्ट्र तट के पास एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव से जब्त किया है। मुंबई से 83 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में डीजल की तस्करी में शामिल इस नाव के अनधिकृत नकदी ले जाते हुए पकड़ा गया है।

शाह के रोडमैप पर चल रहा नक्सलियों के खात्मे का अभियान

नीलू रंजन • जागरण

- 21 जनवरी को गृह मंत्री ने दी थी रोडमैप को हरी झंडी
- पिछले तीन माह में मारे जा चुके हैं 80 से अधिक नक्सली
- शाह बोले, बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को खत्म करने में मिल जाएगी सफलता

अमित शाह। फाइल

नई दिल्ली : तीन वर्ष के भीतर नक्सलियों को पूरी तरह से समाप्त करने के गृह मंत्री अमित शाह के रोडमैप का असर तीन महीने में दिखने लगा है। शाह ने 21 जनवरी को रोडमैप को अंतिम रूप देते हुए साफ कर दिया था कि नक्सली अब एक हारी हुई लड़ाई लड़ रहे हैं और इनसे देश को पूरी तरह निजात दिलाने का समय आ गया है। नक्सल आपरेशन में शामिल और बस्तर में तैनात सुरक्षा बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा बलों को पहली बार आपरेशन की रणनीति बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने की खुली छूट मिली है। यही नहीं केंद्र से लेकर जिला स्तर तक सुरक्षा एजेंसियों के बीच इस तरह से समन्वय कभी नहीं देखा गया था।

नक्सली इलाकों में सुरक्षा गैप को खत्म करना शाह के रोडमैप का अहम हिस्सा है। शाह ने कहा कि सिर्फ 2019 के बाद नक्सली इलाकों में 250 से अधिक सुरक्षा कैंप बनाए जा चुके हैं। इससे सुरक्षा गैप काफी कम हो गया है। छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनने के बाद राज्य पुलिस का जितना सहयोग मिलना चाहिए, उससे ज्यादा मिल रहा है। इसके परिणामस्वरूप एक तरफ 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए तो दूसरी तरफ 125 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। 150 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण भी किया है। रोडमैप के तहत नक्सली गतिविधियों की जानकारी जुटाने के लिए राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के नेटवर्क को मजबूत किया गया है, इसकी बदौलत बड़े नक्सली कमांडरों के मूवमेंट की सटीक जानकारी मिली शुरू हो गई है। मंगलवार को तीन कमांडरों समेत 29 नक्सलियों के मारे जाने का श्रेय इसी खुफिया नेटवर्क को जाता है। नक्सलियों के आर्थिक स्रोतों की पूरी तरह नाकेबंदी भी शुरू हो गई है, परिणामस्वरूप नक्सलियों तक पैसा पहुंचाना आसान नहीं रह गया है। शाह ने साफ किया था कि नक्सलियों की आर्थिक गतिविधियों में मददगार एक-एक व्यक्ति और संस्था की पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। वित्तीय तंत्र ध्वस्त होने के बाद नक्सलियों को गतिविधियां चलाना मुश्किल हो जाएगा। शाह ने उम्मीद जताई कि बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद खत्म करने में सफलता मिल जाएगी।

नक्सलियों के विरुद्ध रोडमैप में केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। आपरेशन की मानीटरिंग की जिम्मेदारी सीधे पुलिस महानिदेशक को दी गई है। पुलिस महानिदेशक को हर 15 दिन में नक्सलियों के विरुद्ध चलाए गए आपरेशन की जानकारी के साथ ही उसकी समीक्षा रिपोर्ट भी तैयार करनी है। यह रिपोर्ट राज्य के साथ-साथ केंद्र में उच्च स्तर पर जाती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रोडमैप तैयार करने में नक्सली हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित जिलों के एसपी और कलेक्टर ने भी सक्रिय भूमिका निभाई थी और ये सभी अमित शाह के साथ बैठक में शामिल थे। इन अधिकारियों ने नक्सल विरोधी आपरेशन में जमीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों की जानकारी दी और उनसे निपटने के व्यावहारिक उपाय भी सुझाए थे। नक्सल विरोधी आपरेशन में मिल रही सफलता से उत्साहित वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गृह मंत्री ने जरूर तीन वर्ष का समय दिया है, लेकिन अगले एक-डेढ़ वर्ष में ही नक्सलियों के पूरी तरह खात्मे के आसार दिखने लगे हैं। नक्सलियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और झारखंड में एक साथ आपरेशन शुरू किया जा चुका है और आने वाले दिनों में बड़े नक्सली कमांडरों के मारे जाने की खबरें मिलती रहेंगी।

शाह के रोडमैप में नक्सलियों के विरुद्ध आपरेशन तेज करने के साथ ही उनसे प्रभावित इलाकों में विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से पहुंचाना भी शामिल है। केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के पहुंचने के बाद इन इलाके के लोगों के नक्सलियों के दुष्प्रचार में फिर से फंसने की संभावना खत्म हो जाएगी।

बस्तर में मतदान के तीन दिन पहले भाजपा नेता की हत्या

नईदुनिया, नारायणपुर

- चुनावी वर्ष में एक दर्जन भाजपा नेताओं की हत्या कर चुके हैं नक्सली

पंचम दास मानिकपुरी

छत्तीसगढ़ में होने जा रहे लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान के तीन दिन पहले नारायणपुर जिले में नक्सलियों ने भाजपा नेता व उपसरपंच पंचम दास मानिकपुरी की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। चुनावी वर्ष में नक्सली लगातार भाजपा नेताओं को निशाना बना रहे हैं और अब तक भाजपा के एक दर्जन नेताओं की हत्या कर चुके हैं।

पुलिस के अनुसार मंगलवार रात नक्सलियों की टीम पंचम दास मानिकपुरी के घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी और धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी। घटनास्थल पर नक्सलियों की पूर्वी डिवीजन ने पर्चा फेंक कर हत्या की जिम्मेदारी ली है। पर्चे में भाजपा नेता मानिकपुरी पर भ्रष्टाचार व पुलिस के मुखबिर होने का आरोप लगाते हुए पीएलजीए की ओर से मौत की सजा देने का उल्लेख किया गया है। एक माह पहले नक्सलियों ने बीजापुर में भाजपा नेता तिरुपति कटला व कैलाश नाग की हत्या की थी। फरवरी, 2023 में बीजापुर में भाजपा नेता नीलकंठ कक्केम की हत्या से शुरू हुई भाजपा नेताओं की टारगेट किलिंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इसके बाद भाजपा जिला उपाध्यक्ष सागर साहू, रामधर अलामी, रतन दुबे, अर्जुन कका सहित कई अन्य नेताओं की नक्सली हत्या कर चुके हैं।

गृह मंत्री विजय शर्मा ने भाजपा नेता की हत्या को नक्सलियों की कायराना हरकत बताते हुए कहा कि प्रदेश में नक्सलियों के विरुद्ध अभियान तेज किया गया है। नक्सलियों से संवाद के रास्ते खुले हैं, पर उन्हें हथियार छोड़ना पड़ेगा।

योजनाएं : नई सरकार के लिए रेलवे ने बनाया एजेंडा, वंदे मेट्रो व वंदे स्लीपर ट्रेनें भी चलेंगी

रेल टिकटों का 24 घंटे में मिलेगा रिफंड, नया सुपर एप होगा लांच

पांच वर्षों में होगा 10 से 12 लाख करोड़ रुपये का निवेश

सुविधाएं बढ़ने की आस। प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, एएनआइ : लोकसभा चुनाव-2024 के बाद नई सरकार के लिए रेलवे ने अपनी 100 दिन की योजना तैयार कर ली है। इसमें 24 घंटे में टिकट रिफंड, रेलवे की विभिन्न सुविधाओं के लिए एक व्यापक सुपर एप, तीन इकोनमिक कारिडोर और स्लीपर वंदे भारत ट्रेन जैसे विभिन्न यात्री अनुकूल कदम शामिल हैं। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि टिकट रिफंड की नई स्कीम के तहत तीन दिनों से एक हफ्ते की रिफंड प्रक्रिया के स्थान पर 24 घंटे में रिफंड सुनिश्चित किया जाएगा। सुपर एप में टिकट बुक व कैंसिल कराने, ट्रेनों की लाइव ट्रैकिंग और ट्रेनों में खाने की बुकिंग जैसी रेलवे से जुड़ी सभी सुविधाएं होंगी। रेलवे के लिए सौ दिनों के एजेंडे में सभी रेल यात्रियों के लिए 'पीएम रेल यात्री बीमा योजना' के नाम से बीमा योजना शामिल है। रेलवे की आधुनिकीकरण योजना के तहत आधुनिक विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ अगले पांच वर्षों में रेलवे में आमूलचूल बदलाव के लिए 10 से 12 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

वंदे भारत ट्रेनों को देशभर में तीन श्रेणियों में शुरू किया जाएगा। 100 किलोमीटर के मार्गों पर वंदे मेट्रो, 100 से 550 किलोमीटर के मार्गों पर वंदे चेयरकार और 550 से अधिक के मार्गों पर वंदे स्लीपर ट्रेन चलेंगी। रेलवे ने 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश से 40 हजार किलोमीटर से अधिक के तीन इकोनमिक कारिडोर की योजना भी बनाई है। 1,300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का निजी भागीदारी से आधुनिकीकरण किया जाएगा। इन स्टेशनों पर शापिंग माल और हवाई अड्डों की तर्ज पर वेटिंग लाउंज जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं होंगी। मेट्रो नेटवर्क का और शहरों में विस्तार होगा।

महिला ट्रेन चालक बोलीं– कामकाजी सुविधाएं दो या फिर कैडर बदल दो

- इंजन में शौचालय सुविधाओं की कमी, नाइट ड्यूटी के लिए आवागमन सुविधा न होने समेत कई मुद्दे उठाए
- 1,500 से अधिक महिलाएं देशभर में लोको पायलट, सहायक लोको पायलट के रूप में काम कर रहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : महिला ट्रेन चालकों ने रेलवे बोर्ड से आग्रह किया है कि या तो उनकी दयनीय कामकाजी परिस्थितियों में सुधार किया जाए या उन्हें अन्य विभागों में स्थानांतरित कर दिया जाए। महिला ट्रेन चालकों (लोको पायलट) के एक समूह ने हाल में रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा को ज्ञापन देकर अपनी दुर्दशा बयान की और 'वन टाइम कैडर चेंज' के विकल्प की मांग की। ये महिला ट्रेन चालक आल इंडिया रेलवेमेन फेडरेशन (एआइआरएफ) की सदस्य हैं।

महिला ट्रेन चालकों ने इंजन में शौचालय सुविधा की कमी, मासिक धर्म के समय पैड नहीं बदल पाने, रात में जंजीर खींचने की घटना होने या किसी भी तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए इंजन से बाहर निकलने का अनिवार्य प्रविधान और देर रात की ड्यूटी के लिए आवास से लाने-पहुंचाने की सुविधा नहीं होने जैसी समस्याओं का उल्लेख किया है। वर्तमान में 1,500 से अधिक महिलाएं लोको पायलट और सहायक लोको पायलट के रूप में काम कर रही हैं। महिला ट्रेन चालकों का कहना है कि वे काम पर केवल बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रही हैं।

एआइआरएफ के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने कहा, 'महिला ट्रेन चालकों की बहुत ही वाजिब दलील है कि रेलवे सुविधाएं दे या फिर नौकरी बदलने का अवसर दे। हम उनकी मांगों का पूरा समर्थन करते हैं और समाधान होने तक उनके मुद्दों को उठाते रहेंगे।'

झारखंड के जमीन घोटाले में चार अन्य आरोपित गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण • रांची

- ईडी की विशेष अदालत में प्रस्तुत करने के बाद चारों आरोपित भेजे गए जेल, रिमांड के लिए आज होगी सुनवाई

भूमि घोटाले में ईडी ने मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची के विभिन्न क्षेत्रों में दिनभर छापेमारी करने के बाद देर रात चार अन्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। ईडी ने इन चारों आरोपितों को बुधवार सुबह ईडी की विशेष अदालत में प्रस्तुत किया, जहां से कोर्ट के आदेश पर चारों को रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा जेल भेज दिया गया है। ईडी ने चारों आरोपितों के लिए कोर्ट में रिमांड आवेदन देकर सात दिनों तक पूछताछ की अनुमति मांगी है। आवेदन पर गुरुवार को सुनवाई होगी।

ईडी ने आवेदन में कोर्ट को बताया है कि भूमि घोटाला में पूर्व में गिरफ्तार सद्दाम हुसैन व झामुमो नेता अंतु तिर्की ने गलत तरीके से जमीन की खरीद-बिक्री की। दोनों के बीच बड़े पैमाने पर रुपये के लेनदेन भी हुए हैं। जमीन घोटाले के इस मामले में पूर्व में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बड़गाईं अंचल के पूर्व राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, बरियातू के सद्दाम हुसैन व अफसर अली उर्फ अफ्सू खान की गिरफ्तारी हो चुकी है। झामुमो नेता अंतु तिर्की सहित चार अन्य गिरफ्तारी के साथ ही इस केस में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या आठ पहुंच गई है।

बरामद दस्तावेज से सामने आया बड़ा सिंडिकेट : ईडी ने विशेष अदालत में झामुमो नेता अंतु तिर्की सहित चार के विरुद्ध रिमांड आवेदन दाखिल किया है। इसमें बताया है कि रांची के सदर थाने में एक जून 2023 को दर्ज प्राथमिकी के आधार पर दर्ज केस की जांच के मामले में नए तथ्य मिलते जा रहे हैं, जिससे जमीन के धंधेबाजों का सिंडिकेट बड़ा होता जा रहा है।

बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद के ठिकाने से बरामद जमीन के 17 मूल दस्तावेज का अध्ययन किया गया तो जमीन पर कब्जे से संबंधित अवैध गतिविधियों का बड़ा सिंडिकेट सामने आया है। इनमें सद्दाम हुसैन, अफसर अली, भानु प्रताप प्रसाद, प्रिय रंजन सहाय, विपिन सिंह व अन्य की भूमिका सामने आई है। इस मामले में राजनीति भी गर्मा गई है।

कांकेर मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में 15 महिलाएं शामिल

कांकेर मारे गए नक्सलियों से जब्त हथियारों का निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी। सौ. : पुलिस

नईदुनिया, कांकेर : मंगलवार को छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटेबेठिया में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 29 नक्सलियों के शव कांकेर जिला मुख्यालय लाए गए। मारे गए नक्सलियों में 15 महिलाएं भी शामिल थीं। बुधवार को सभी शवों का पोस्टमार्टम किया गया। मुठभेड़स्थल से देसी लांचर सहित बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। एक एके 47, दो इंसास राइफल, दो देसी लांचर, आठ बंदूक, एक हैंड ग्रेनेड सहित नक्सल साहित्य और अन्य सामग्री बरामद की गई। मंगलवार को मुठभेड़ के बाद रातभर कांकेर में पुलिस और बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी डेरा डाले रहे। जिला मुख्यालय कांकेर में इन हथियारों को दिखाते हुए बस्तर आइजी सुंदरराज पी, बीएसएफ के महानिरीक्षक आनंद प्रताप सिंह ने बताया कि अब तक मारे गए नौ हार्डकोर नक्सलियों की पहचान हो चुकी है।

पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग कर ड्रोन गिराया

जागरण संवाददाता, जयपुर: सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पाकिस्तान सीमा से सटे राजस्थान के अनूपगढ़ जिले में सीमापार से हेरोइन लेकर आए ड्रोन को मार गिराया। सीमा पर ड्रोन मिलने की सूचना पर बीएसएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच करने पर यहां तीन पैकेट में दो किलो 610 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन से हेरोइन गिराए जाने की कई घटनाएं सामने आई है। इनमें से कुछ ड्रोन को बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग करके गिराया भी है।

स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार देर रात करीब डेढ़ बजे बीएसएफ की पोस्ट के निकट भारतीय सीमा के 1600 मीटर अंदर जवानों को ड्रोन की आवाज सुनाई दी। इस पर बीएसएफ की 140वीं बटालियन के जवानों ने ड्रोन की तरफ फायरिंग की। फायरिंग से ड्रोन गिर गया, बुधवार सुबह बीएसएफ की सूचना पर जोधपुर से नारकोटिक्स विभाग की टीम मौके पर पहुंची, जिसे जब्त हेरोइन सौंप दी गई।

सांसद रवि किशन की पत्नी होने का दावा करने वाली महिला पर केस दर्ज

जागरण संवाददाता, लखनऊ

- गोरखपुर से हैं सांसद, पत्नी ने लखनऊ में दर्ज कराया मुकदमा
- अंडरवर्ल्ड के नाम से धमकाने व 20 करोड़ रंगदारी मांगने का भी आरोप

गोरखपुर से सांसद एवं फिल्म अभिनेता रवि किशन शुक्ल की पत्नी होने का दावा करने वाली मुंबई के मलाड की अपर्णा समेत छह के खिलाफ लखनऊ में मुकदमा दर्ज किया गया है। रवि किशन की पत्नी प्रीती शुक्ला ने मंगलवार रात मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने आरोपित अपर्णा सोनी उर्फ अपर्णा ठाकुर उनके पति राजेश सोनी, बेटी शाल शीनोवा सोनी, बेटे सौनक सोनी, सपा के प्रदेश प्रवक्ता विवेक कुमार पांडेय और एक न्यूज चैनल के पत्रकार खुर्शीद खान राजू को आरोपित बनाया है। प्रीती शुक्ला ने आरोप लगाया है कि अपर्णा सोनी ने अंडरवर्ल्ड माफिया से संबंधों का हवाला देते हुए जान से मारने की धमकी दी है। पति रवि किशन को दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर चुनाव प्रभावित करने का जिक्र किया। 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का भी आरोप लगाया है। प्रीती शुक्ला ने अपर्णा के खिलाफ मुंबई में भी शिकायत की थी। सोमवार को अपर्णा ने लखनऊ के हजरतगंज के एक होटल में प्रेस वार्ता कर रवि किशन की पत्नी होने का दावा किया था, जबकि अपर्णा विवाहित है। प्रीती शुक्ला ने कहा कि उसका पति राजेश सोनी, बेटी साल शीनोवा और बेटा सौनक सोनी है। इन सबने मिलकर पति की छवि धूमिल करने के लिए और लोकसभा चुनाव प्रभावित करने के लिए अपराधिक षड्यंत्र रचा है। इस षड्यंत्र में सपा प्रदेश प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी विवेक कुमार पांडेय और निजी चैनल का पत्रकार खुर्शीद खान राजू भी शामिल है। प्रीती शुक्ला ने बताया कि वह गोरखपुर की रहने वाली हैं। पुलिस उपायुक्त मध्य रवीना त्यागी ने बताया कि सांसद की पत्नी की तहरीर पर अपर्णा समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ धमकी, रंगदारी, साजिश रचने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

उज्बेकिस्तान में आइटी लैब का जनरल पांडे ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बुधवार को उज्बेकिस्तान की यात्रा के दौरान उज्बेक सशस्त्र बल अकादमी में अत्याधुनिक आइटी लैब सुविधा का उद्घाटन किया। सितंबर 2018 में रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान जताई गई प्रतिबद्धता के बाद यह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग में अहम माना जा रहा है। जनरल पांडे द्विपक्षीय सैन्य सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए 15-18 अप्रैल तक उज्बेकिस्तान के दौरे पर हैं। इसमें अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा लैब आदि भी शामिल है। आइटी लैब स्थापित करने का अनुरोध सितंबर 2018 में रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान किया गया था और 2019 में मंजूरी के साथ परियोजना को गति मिली। इसे यूरेशिया पहल के माध्यम से वित्त पोषित किया गया था। आइटी लैब की स्थापना से उज्बेक सशस्त्र बलों के लिए उपलब्ध प्रशिक्षण संसाधनों के समृद्ध होने और आने वाले वर्षों में भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरी समझ और सहयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

विमान ने यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया, लेकिन सामान एयरपोर्ट पर ही छोड़ दिया

राजीव कुमार • जागरण

- बागडोगरा जाने वाले यात्रियों के सामान को दिल्ली एयरपोर्ट पर ही छोड़ा
- स्पाइसजेट ने इस असुविधा के लिए यात्रियों से जताया खेद

सेवा में लापरवाही। प्रतीकात्मक

नई दिल्ली: विमान से सफर कर रहे हैं तो इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपका सामान चेक इन बैगेज के तहत विमान में लोड हो गया है। बुधवार को स्पाइसजेट एयरलाइंस के विमान से दिल्ली से बागडोगरा जाने वाले डेढ़ दर्जन यात्री उस समय हैरान रह गए जब बागडोगरा पहुंचने के बाद लगेज बेल्ट पर लंबे इंतजार के बाद उनका सामान नहीं मिला। पूछने पर पता चला कि उनका सामान तो दिल्ली एयरपोर्ट पर ही छोड़ दिया गया है। यात्रियों की तरफ से काफी शोर मचाने पर उनकी शिकायत एयरलाइंस की तरफ से लिख ली गई, लेकिन उन्हें सामान गुरुवार तक मिलने का ही आश्वासन दिया गया, क्योंकि बुधवार को यह विमान दोपहर तीन बजे दिल्ली से बागडोगरा पहुंचा था और स्पाइसजेट की यह आखिरी फ्लाइट थी।

दैनिक जागरण के पास पीड़ित यात्री की लिखित शिकायत की प्रति भी है। पीड़ित यात्रियों में से कई को बागडोगरा के आसपास के शहरों में जाना था, जिन्हें सामान के बिना काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। बागडोगरा एयरपोर्ट पर लगभग एक घंटे तक इस मामले को लेकर खूब हो-हल्ला मचा। नोएडा निवासी एक पीड़ित यात्री राजेश कुमार ने बताया कि उन्हें बागडोगरा से तीन घंटे की दूरी पर स्थित कटिहार शादी में जाना था। उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे की स्पाइसजेट की फ्लाइट से वह बागडोगरा पहुंचे। उन्होंने चेक इन लगेज में अपना सामान दे दिया था। बागडोगरा पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि उनका सामान दिल्ली से नहीं आ पाया है। स्पाइसजेट प्रशासन उनके कटिहार पते पर सामान पहुंचाने की बात कह रहा है।

एक अन्य यात्री के मुताबिक, उसके पांच सूटकेस थे जो दिल्ली एयरपोर्ट पर छोड़ दिए गए। गंगटोक या दार्जिलिंग जाने वाले यात्री बागडोगरा की फ्लाइट लेते हैं। इस बारे में स्पाइसजेट प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार को फ्लाइट नंबर एसजी 8841 में संचालन कारणों से एक सीमा तक ही सामान लोड किया जा सकता था। इस कारण से कुछ बैगेज को एयरक्राफ्ट से उतारना पड़ा। विमान के सुरक्षित संचालन को ध्यान में रखते हुए ऐसा करना पड़ा। इन बैगेज को आगामी फ्लाइट से पहुंचा दिया जाएगा। स्पाइसजेट ने कहा कि यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए खेद हैं।

जागरण विशेष
विश्व धरोहर दिवस (18 अप्रैल)

'अवध' में पूर्वजों की स्थापत्य कला को नवजीवन दे रही नई पीढ़ी

बलरामपुर राज परिवार द्वारा बनवाए भवनों-मंदिरों को संवारने-संजोने की पहल

श्लोक मिश्र • जागरण

बलरामपुर: राजा-महाराजाओं के दौर में बने भवन उस दौर के समृद्ध इतिहास को दर्शाते हैं। राज परिवार द्वारा बनवाए गए इन पुराने भवनों और मंदिरों को संवारने की पहल नई पीढ़ी ने शुरू की है। राज परिवार ने ऐतिहासिक मंदिर व अन्य भवनों के सुंदरीकरण के लिए दिल्ली के आर्किटेक्ट को जिम्मेदारी दी है। दिल्ली में लुटियंस क्षेत्र के भवन डिजाइन करने वाले इंग्लैंड के आर्किटेक्ट एडविन लुटियंस ने इन भवनों के मानचित्र तैयार किए थे। अवध क्षेत्र में राजा माधव सिंह ने 17वीं सदी के आरंभ में अपने पुत्र बलराम दास के नाम पर बलरामपुर राज की स्थापना की थी। उनके वंशज महाराजा पाटेश्वरी प्रसाद सिंह द्वारा 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में बनवाए सिटी पैलेस व रानी तालाब स्थित शिवालय को पुनः भव्यता मिली है। स्थापत्य कला का अप्रतिम उदाहरण कहे जाने वाले बिजलेश्वरी देवी मंदिर को भी संवारा जाएगा। दिल्ली के इंजीनियर्स ने भव्य इमारतों को आकर्षक बनाने का काम शुरू कर दिया है।

रानी तालाब स्थित प्राचीन शिव मंदिर में तेजी से चल रहा है सुंदरीकरण का कार्य • जागरण

इन इमारतों की बदलेगी काया

बिजलेश्वरी देवी मंदिर के महंत कृष्णपाल भारती ने बताया कि मंदिर की सफाई, धर्मशाला का सुंदरीकरण व चहारदीवारी का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए राज परिवार से आग्रह किया गया था। एमएलके महाविद्यालय में स्थित स्टेच्यू हाल में महाराजा दिग्विजय प्रताप सिंह की मूर्ति पर पालिश, पत्थर, संगमरमर आदि का कार्य कराया जाएगा।

एमएलके महाविद्यालय से सटा सिटी पैलेस • जागरण

बलरामपुर के राजाओं ने प्रजा की सुख-सुविधाओं के लिए कई धरोहरें सुरक्षित की थीं। राज परिवार की संपत्ति लखनऊ, दिल्ली और नैनीताल में भी है। बलरामपुर राजपरिवार के महाराजा पाटेश्वरी प्रसाद ने इंग्लैंड के आर्किटेक्ट को बुलाकर भव्य मंदिरों एवं भवनों का मानचित्र तैयार कराया था, जो आज भी धरोहर के रूप में विद्यमान हैं। नगर के हृदय स्थल पर स्थित सिटी पैलेस अपनी अद्भुत कलाकृति के लिए पहचाना जाता है। राजपरिवार के प्राचीन महल के मेहराब व गुंबद ब्रिटिश स्थापत्य कला से सराबोर हैं। महारानी लाल कुंवरि महाविद्यालय में राष्ट्रपति भवन व स्टेच्यू हाल पर मुंबई के शिवाजी टर्मिनल (पहले विक्टोरिया टर्मिनल) की स्पष्ट झलक दिखती है। महाविद्यालय आज भी राज परिवार के संरक्षण में है। इसी तरह बिजलेश्वरी देवी मंदिर की दीवारों पर बनी नक्काशियां स्थापत्य कला का नमूना हैं।

इनका हो चुका सुंदरीकरण: राज परिवार के 17वें व वर्तमान महाराजा जयेंद्र प्रताप सिंह ने 2021 में इन धरोहरों को सहेजने की कवायद शुरू की थी। दिल्ली के आर्किटेक्ट के निर्देशन में सिटी पैलेस के को पुनः भव्यता प्रदान की जा चुकी है। रानी तालाब स्थित प्राचीन शिव मंदिर के क्षतिग्रस्त भवन की मरम्मत कराकर दर्शनार्थियों के लिए सुलभ बनाया गया है। मंदिर के अंदर शिवलिंग व अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों की साज-सज्जा की गई है। शिवालय को और आकर्षक बनाने के लिए सीढ़ी, बुर्ज व चहारदीवारी का निर्माण चल रहा है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

हिंदू पक्ष का दावा, अवशेष बता रहे भोजशाला पर हुए थे हमले

नईदुनिया प्रतिनिधि, धार

सर्वे का 27वां दिन

- तीन स्थानों पर खोदाई, मिले अवशेषों की हो रही नंबरिंग

मप्र के धार में ऐतिहासिक भोजशाला में एएसआइ की टीम ने बुधवार को 27वें दिन के सर्वे में भीतर और बाहरी क्षेत्र में खोदाई जारी रखी। तीन स्थानों पर खोदाई की गई। गर्भगृह में एएसआइ की टीम ने फोटोग्राफी की। वहीं यज्ञकुंड के पास वाले स्थान पर भी एक टीम खोदाई कर रही है। सर्वे में मिले अवशेषों की नंबरिंग शुरू कर दी गई है। हिंदू पक्ष के गोपाल शर्मा ने दावा किया है कि सर्वे में जो अवशेष मिल रहे हैं, वे यही बताते हैं कि भोजशाला पर आक्रमण हुआ था, जिसके फलस्वरूप यहां व्यापक नुकसान भी हुआ। इन अवशेषों की जांच के बाद पूरा सच सामने आ जाएगा कि यह एक मंदिर ही है। भोजशाला में मौजूदा स्तंभों से लेकर सर्वे में प्राप्त एक पिलर पर स्पष्ट रूप से अंकित हिंदू प्रतीक चिह्न व वास्तु शैली दिखाई दे रही है। अवशेष को जांच के लिए भेजा जा रहा है। खोदाई में मिले छोटे से आकार के पाषाण पर जो भी जो चिह्न हैं, वह हिंदू मंदिरों के समान हैं।

मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने एएसआइ को छह सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। 22 मार्च से आज बुधवार तक 27 दिन का कार्य हो चुका है। गुरुवार 18 अप्रैल को चार सप्ताह पूरे हो जाएंगे।

****

दैनिक जागरण
आत्मा की जागृति में ही जीवन की सार्थकता है

समान संहिता की जमीन

यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने यह साफ कर दिया कि वह समान नागरिक संहिता लागू करने की जमीन तैयार कर रहे हैं। उन्होंने आशा जताई कि जैसे उत्तराखंड में सभी ने इस संहिता को स्वीकार किया, वैसे ही राष्ट्रीय स्तर पर भी उस पर सहमति बनेगी। ऐसा ही होना चाहिए, क्योंकि समान नागरिक संहिता लागू करने में पहले ही बहुत देर हो चुकी है। संविधान निर्माताओं ने संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांतों में समान नागरिक संहिता का उल्लेख करते हुए यह अवश्य कहा था कि राज्य पूरे भारत के नागरिकों के लिए समान संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा, लेकिन इसका यह आशय कदापि न था कि इसके लिए अनंत काल तक प्रतीक्षा की जाएगी। सच यह है कि संविधान लागू होने के बाद किसी भी केंद्रीय सत्ता ने समान नागरिक संहिता बनाने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की। उलटे जब भी किसी दल और यहां तक कि उच्चतर न्यायपालिका ने इसकी आवश्यकता जताई तो वोट बैंक की सस्ती राजनीति के चलते लोगों और विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को डराने का काम किया गया। यह काम अब भी किया जा रहा है। बीते दिनों ही ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें समान नागरिक संहिता स्वीकार नहीं। इस संहिता का विरोध संविधान निर्माताओं की अपेक्षाओं का निरादर ही नहीं, महिलाओं के अधिकारों के अनदेखी भी है। आखिर इसमें क्या समस्या है यदि देश के सभी समुदायों के लिए विवाह, तलाक, गोद लेने, विरासत, उत्तराधिकार आदि के कानून एक जैसे हों?

समान नागरिक संहिता का निर्माण भाजपा के मुख्य मुद्दों में से एक है। चूंकि वह अपने दो मुख्य मुद्दे जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 की समाप्ति और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लक्ष्य को पूरे कर चुकी है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि वह अपने तीसरे कार्यकाल में समान नागरिक संहिता लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करे। घोषणा पत्र में इसका उल्लेख करने के बाद प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता के निर्माण की चर्चा कर यही संदेश दिया कि अब उसे राष्ट्रीय स्तर पर भी लागू किया जाएगा। ऐसा किया जाना समय की मांग भी है और भारतीय समाज की आवश्यकता भी, क्योंकि विभिन्न समुदायों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार आदि से संबंधित अलग-अलग कानून होने से एक तो महिलाओं और बच्चों के अधिकारों का हनन हो रहा है और दूसरे, लोगों में यह आवश्यक संदेश नहीं जा रहा है कि हम सब भारतवासी एक जैसे कानून से संचालित हैं। समान नागरिक संहिता राष्ट्रीय एकत्व की भावना को बल प्रदान करने का काम तो करेगी ही, पंथ-मजहब की विभाजनकारी राजनीति पर भी लगाम लगाएगी। समान नागरिक संहिता की जमीन तैयार करते समय भावी केंद्र सरकार को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि उसे लेकर झूठ के सहारे वैसा दुष्प्रचार न होने पाए, जैसा नागरिकता संशोधन कानून को लेकर किया गया।

पुलिस के लिए चुनौती

पंजाब में एक बार फिर धार्मिक संगठन के नेता की हत्या के मामले में पाकिस्तान के आतंकी माड्यूल का हाथ सामने आने से पुलिस के लिए चुनौती बढ़ गई है। इससे पहले भी टारगेट किलिंग की कई घटनाएं राज्य में हो चुकी हैं। अमृतसर में शिवसेना नेता सुधीर सूरी, जालंधर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जगदीश गगनेजा, फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप कुमार की हत्या सहित कई और वारदातों को अंजाम दिया जा चुका है। अब नंगल में विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष विकास प्रभाकर की दुकान में घुसकर हत्या चिंतित करने वाली है। यह हत्याकांड इसलिए और गंभीर हो जाता है, क्योंकि इस समय लोकसभा चुनाव के लिए गतिविधियां जोर पकड़ रही हैं। राज्य में पहली जून को मतदान होना है। अभी लगभग डेढ़ माह का समय है। पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को यह देखना होगा कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह से माहौल खराब करने की साजिश कामयाब न होने पाए। विहिप पदाधिकारी की हत्या में किस किस का हाथ है, इसका पता शीघ्र लगाया जाना चाहिए। आखिर हत्या करवाने वालों का मकसद क्या है, इसके बारे में गहन जांच होनी चाहिए और यह यथाशीघ्र पूरी की जानी चाहिए। चूंकि पाकिस्तान सहित कुछ और देशों में छिपे असामाजिक तत्व सीमा पार से पंजाब का माहौल खराब करने की साजिश रचते रहते हैं, इसलिए सुरक्षा एजेंसियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। विदेश में छिपे वांछित आतंकवादियों एवं गैंगस्टरों को भारत लाने की प्रक्रिया में भी तेजी लाई जानी चाहिए। जब तक भारत लाकर देश के खिलाफ साजिश करने वालों को सजा नहीं दी जाएगी तब तक आतंकियों एवं गैंगस्टरों का दुस्साहस बढ़ता ही जाएगा।

नंगल में विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष की हत्या में पाकिस्तान के आतंकी माड्यूल का हाथ सामने आना अत्यंत गभीर मामला है

राहुल गांधी के सपनों का भारत

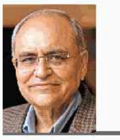

बलबीर पुंज

राहुल देश की समृद्धि बढ़ाने के स्थान पर उसके पुनर्वितरण की जो बात कह रहे हैं वह तो देश को पीछे ले जाने वाली है

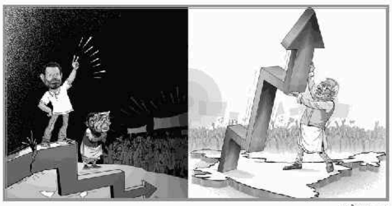

अवधेश राजपूत

लोकसभा चुनाव की गहमागहमी चरम पर है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी स्वाभाविक रूप से प्रधानमंत्री मोदी के सबसे मुखर आलोचक बनकर उभरे हैं। मोदी का विरोध उनकी पार्टी और व्यक्तित्व के अनुरूप ही है, लेकिन सवाल यही है कि राहुल कैसा भारत बनाना चाहते हैं? इसकी झलक उनके कुछ हालिया बयानों और कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र से मिल जाती है। बीते दिनों तेलंगाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि 'हम फाइनेंशियल और इंस्टीट्यूशनल सर्वे से पता लगाएंगे कि देश का धन किसके और कौन से वर्ग के हाथ में है, जो आपका हक बनता है, वह हम आपको देने का काम करेंगे।' इसके जरिये राहुल देश की समृद्धि बढ़ाने के स्थान पर उसके पुनर्वितरण की बात कह रहे हैं। यह नीति कोई नई नहीं है। वास्तव में यह राहुल का मौलिक राजनीतिक-वैचारिक चिंतन भी नहीं। वह उस उधार के दर्शन का प्रतिबिंब है, जिसे 1969-71 में उनकी दादी और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने वामपंथियों से राजनीतिक समझौते के अंतर्गत आउटसोर्स किया था। उस समय के भारत में भुखमरी और महंगाई के साथ टेलीफोन, सीमेंट, इस्पात, कार-स्कूटर से लेकर दूध-चीनी, तेल-अनाज आदि खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी और उसके लिए लगने वाली लोगों की लंबी-लंबी कतारें दिखती थीं। गरीबी हटाने और समानता लाने हेतु देश में 97.7 प्रतिशत तक आयकर था। इस मार्क्स-लेनिन-स्टालिन प्रेरित समाजवादी व्यवस्था से देश में कालाधन, भ्रष्टाचार, गरीबी और कपट कई गुना बढ़ गया। स्थिति इतनी विकट हो गई कि 1991 में देश को अपनी देनदारियों को पूरा करने हेतु विदेशी बैंकों में अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था। इस अभिशाप रूपी वाम-विचारधारा से तब भारत ही ग्रस्त नहीं था। चीन में माओ (1949-76) और कंबोडिया में पोल पाट का शासनकाल (1975-79) भी इसी चिंतन का भयावह परिणाम देख चुका है। वहां भी सामाजिक-आर्थिक अन्याय को समाप्त करने हेतु निजी संपत्ति-स्वामित्व और धन-संपदा को समाप्त कर दिया था। ऐसे अव्यावहारिक उपायों से न केवल मानवाधिकारों का भीषण हनन हुआ, अपितु करोड़ों लोगों की मौत तक हो गई।

आज चीन इसीलिए चमक रहा है, क्योंकि चीनी सत्ता अधिष्ठान समय को भांपते हुए अपनी विशुद्ध वाम-नीतियों को दशकों पहले तिलांजलि दे चुका है। वर्तमान भारत भी पिछली सदी के अंतिम दशकों तक जारी नीतियों से उपजी लचर स्थिति से बाहर निकलकर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कालबाह्य वामपंथी जुमले अब भारतीय जनमानस को आकर्षित नहीं करते। आज का युवा आकांक्षावान है। वह समृद्धि और आर्थिक विकास को लांछित नहीं, अपितु अपनाना चाहता है। इस आमूलचूल परिवर्तन में नीतिगत सुधारों के साथ भारतीय उद्यम क्षमता की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसे एक समय पनपने नहीं दिया गया।

करीब 50 वर्ष पहले जिन अपशब्दों से वामपंथी-पश्चिमी समूह टाटा-बिरला जैसे औद्योगिक समूहों को निशाने पर रखते थे, वही अब अंबानी-अदाणी समूह के लिए उपयोग होते हैं। राहुल गांधी भारतीय औद्योगिक घरानों को तो कोसते है, परंतु विदेशी कंपनियों के खिलाफ वैसी मुखरता नहीं दिखाते। कोरोना काल में स्वदेशी कोविड टीके के बजाय विदेशी वैक्सीन पर राहुल का अधिक विश्वास इसका प्रमाण है। इसका कारण क्या है? क्या राहुल औपनिवेशिक मानसिकता के शिकार हैं?

राहुल गांधी भारत को राष्ट्र के बजाय 'राज्यों का संघ' बता चुके हैं। यह विचार उन्हीं विदेशी विचारधाराओं के अनुरूप है, जिसमें देश के मूल सनातन दर्शन, संस्कृति, पहचान और इतिहास के प्रति हीन-भावना और भारत को 'राष्ट्र' नहीं मानने का चिंतन है। जब राहुल के सहयोगी दल द्रमुक के नेताओं ने खुलकर 'सनातन को मिटाने' का आह्वान किया, तब वह न केवल चुप रहे, अपितु उनकी पार्टी के कार्ति चिदंबरम और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे इसका समर्थन करते नजर आए। राहुल को भारत की पहचान श्रीराम के जन्मभूमि मंदिर जाना भी स्वीकार नहीं। उनके लिए बहुसंख्यक हिंदू सांप्रदायिकता के पर्याय हैं, परंतु वह 'काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरित तत्वों के खिलाफ अक्सर मौन रहते हैं। इसी प्रकार उनके 'जितनी आबादी, उतना हक' सरीखे विचार में राष्ट्रीय पहचान 'भारतीयता' गौण होकर जाति प्रमुख हो जाती है। इससे हिंदू समाज में जाति विभाजन की खाई और गहरी होगी। यह राष्ट्रीय एकता के लिए घातक होगा।

इधर राहुल गांधी भाजपा के जीतने पर जिस संविधान के बदलने-खत्म करने का खौफ दिखा रहे हैं, उसकी पड़ताल की जाए तो पता चलेगा कि भारतीय संविधान में सौ से अधिक बार संशोधन हो चुके हैं, जिनमें से अधिकांश कांग्रेस ने ही किए हैं। राहुल गांधी ने 2013 में अपनी सरकार के एक अध्यादेश की प्रति को सार्वजनिक रूप से फाड़कर फेंक दिया था। असल में राहुल 'विशेषाधिकार की भावना' से ग्रस्त हैं कि केवल उन्हें ही कोई भी विचार रखने और अपने अनुकूल 'लोक' (जनमानस) और 'तंत्र' (मीडिया-न्यायालय सहित) चलाने का 'दैवीय अधिकार' है। अब राहुल को मोदी का विकल्प बनना, उनसे वैचारिक-राजनीतिक रूप से अलग दिखना है। इस होड़ में वह जो वादे और विचार प्रस्तुत कर रहे हैं, उसमें भारत कैसा होगा? क्या लोकलुभावन नीतियों के नाम पर सरकारी नियंत्रण और लाइसेंस राज की वापसी होगी, जिसमें अतीत के दौर की तरह रोजमर्रा की वस्तुओं की कमी के साथ कालाबाजारी, गरीबी, महंगाई, भुखमरी और भ्रष्टाचार चरम पर था? क्या उनके विचारों पर चलने वाली सरकार भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाएगी या उस स्थिति में पहुंचा देगी, जब देश की आर्थिकी तबाह हो गई थी? क्या पाकिस्तान और श्रीलंका में बदहाली का कारण इसी प्रकार की राजनीति नहीं रही? इस पर विचार करते हैं कि अगले पांच वर्षों में भारत की तस्वीर कैसी होगी? क्या वह प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प के अनुरूप बनेगी, जिसमें देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप स्थापित करने का लक्ष्य है या फिर वैसी जिसका तानाबाना राहुल गांधी बुन रहे हैं? इसका उत्तर मतदाताओं के विवेक पर निर्भर है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)
response@jagran.com

शिक्षा पर और अधिक खर्च आवश्यक

डा. ब्रजेश कुमार तिवारी

चीन, जापान, दक्षिण कोरिया आदि की तुलना में हम शिक्षा पर अपेक्षित बजट खर्च नहीं कर रहे हैं

उच्च शिक्षा तक सभी की पहुंच बढ़े। फाइल

लंदन की उच्च शिक्षा विश्लेषण कंपनी क्वाक्वेरेली साइमंड्स यानी क्यूएस की ओर से जारी ताजा विश्व रैंकिंग में 59 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों ने जगह बनाई है। दुनिया के उत्कृष्ट संस्थानों में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय यानी जेएनयू को 20वां स्थान दिया गया है। इसे देश का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय आंका गया है। वहीं आइआइएम-अहमदाबाद व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन की श्रेणी में विश्व के शीर्ष 25 संस्थानों में से एक है। इसी तरह आइआइटी-मद्रास, दिल्ली और मुंबई ने भी दुनिया के 50 शीर्ष संस्थानों में जगह बनाई है। जेएनयू लंबे समय से देश के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से रहा है। 1969 में स्थापना के वर्ष से ही यह सदैव उत्कृष्टता, रचनात्मकता और बौद्धिकता की अनवरत तलाश में रहा है। विचारों की दुनिया में जेएनयू का विशेष स्थान है। इसमें भारत और विश्व स्तर पर क्या हो रहा है, इसके बारे में खुलकर विचार रखे जाते हैं। जेएनयू ने गरीब परिवारों से आने वाले छात्रों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना संभव बनाया है। इसीलिए इसे देश का सबसे सस्ता विश्वविद्यालय भी कहा जाता है। भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने के लिए इसने हाल में भारतीय भाषा केंद्र की शुरुआत की है। जेएनयू में सामाजिक विज्ञान, आधुनिक विज्ञान के साथ ही बदलते समय में आयुर्वेद एवं परंपरागत संगीत, आधुनिक चिकित्सा, मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी शुरू की जा चुकी है। मंत्री, नोबेल विजेता और चर्चित नौकरशाह देने का श्रेय भी जेएनयू को है।

क्यूएस रैंकिंग के अनुसार भारत दुनिया में सबसे तेजी से शोध केंद्रों का विस्तार करने वाले देशों में से भी एक है। वर्ष 2017 से 2022 के बीच देश में शोध कार्यों में 54 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जो न केवल वैश्विक औसत के दोगुने से अधिक है, बल्कि पश्चिमी समकक्षों से भी काफी आगे है। इसके चलते भारत अब शोध क्षेत्र में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है और इस अवधि में 13 लाख अकादमिक शोध पत्र तैयार किए गए हैं। मौजूदा गति को देखते हुए भारत शोध उत्पादकता में ब्रिटेन को पीछे छोड़ने के करीब है। यह भारतीय शिक्षा जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही वैश्विक शिक्षा परिदृश्य में भारत की बढ़ती प्रमुखता को भी दर्शाता है। आज इजरायल ने भी यह दिखा दिया है कि एक छोटा राष्ट्र होने के बावजूद अनुसंधान एवं विकास में निवेश को प्राथमिकता देकर सतत विकास हासिल किया जा सकता है। एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनने के लिए देश के पास दीर्घकालिक और सार्थक स्तर पर ज्ञान प्रणाली की आवश्यकता होती है, जो उसे शक्ति प्रदान करती है। देश में जितनी बौद्धिक संपदा सृजित होगी, उतने ही बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित होंगे। जो राष्ट्र अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने में विफल रहता है, वह आर्थिक अस्थिरता में फंसता रहता है।

अनुसंधान एवं विकास ही बेहतर जीवन के द्वार खोलता है। इसे देखते हुए भारत में पिछले साल राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन का गठन हुआ था। देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक भारतीय सभ्यता एवं भारतीय ज्ञान परंपरा ने प्राचीन समय से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को एक मजबूत आधार दिया है। आर्यभट्ट और श्रीनिवासन रामानुजन जैसे प्रतिभाशाली लोगों ने पूरे संसार को एक नई राह दिखाई। सवाल यह उठता है कि शोध की इतनी योग्यता रखने वाला देश इतने कम घरेलू नवप्रवर्तन क्यों पैदा करता है? शायद इसका उत्तर यही है कि हमने अनुसंधान एवं विकास पर उतना ध्यान नहीं दिया, जितना अन्य देशों ने दिया। जहां चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने शिक्षा पर बहुत अधिक खर्च किया, वहीं हम आज तक उचित बजट की बाट जोह रहे हैं। अनुसंधान एवं विकास पर भारत का खर्च सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.6 प्रतिशत है और विश्व औसत 1.8 प्रतिशत से काफी नीचे है। इसमें निजी क्षेत्र का योगदान उनके सकल व्यय का 40 प्रतिशत से कम है, जबकि उन्नत देशों में यह आंकड़ा 75 प्रतिशत से अधिक है। यह अच्छी बात है कि केंद्र सरकार इससे उबरने के लिए नवीन पहल कर रही है। डिजिटल विश्वविद्यालय और गति शक्ति विश्वविद्यालय ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने जा रहे हैं। इन नए प्रयासों के चलते ही विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा जारी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स, 2023 में भारत 132 देशों की सूची में 40वें स्थान पर आया है। 2015 में यह 81वें स्थान पर था, जो एक बड़ा सुधार है। इन उपलब्धियों के साथ ही देश की शिक्षा के समक्ष कुछ अन्य चुनौतियां भी हैं, जिनका समाधान किया जाना समय की मांग है।

उच्च शिक्षा तक सभी की पहुंच, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और मानकों में सुधार के लिए अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत ने 2035 तक 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए जरूरी है कि उच्च शिक्षा में फेलोशिप बढ़ाई जाएं, छात्रों को सस्ती दर पर एजुकेशन लोन की व्यवस्था की जाए और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों में सब्सिडी दी जाए, जिससे यह विश्व रैंकिंग लगातार बढ़ती रहे। इसके अलावा रेवड़ी के दायरे में आने वाली विभिन्न योजनाओं का पैसा भी शिक्षा क्षेत्र में लगाना समय की मांग है। भारत के पास नवाचार का वैश्विक चालक बनने के लिए आवश्यक सभी सामग्रियां, एक मजबूत बाजार क्षमता, असाधारण प्रतिभाएं और मितव्ययी नवाचार की एक संपन्न संस्कृति है। जरूरत है तो उचित बजट एवं प्रतिभाओं के सही मार्गदर्शन की। यह काम शिक्षा पर अपेक्षित बजट खर्च करके ही किया जा सकता है।

(लेखक जेएनयू के अटल स्कूल आफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

सांसारिक सुख

विकास के दो पथ हैं-बाहरी और आंतरिक। आज बाहरी विकास के नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। मनुष्य के वैज्ञानिक सोच ने इसे अकल्पनीय गति दी है। विकास की हर दौड़ में वह आगे बढ़ता जा रहा है। आज बाह्य विकास इतना हुआ है कि दुनिया के किसी भी कोने में घटित होने वाली घटना की आनन-फानन में अवगति हो जाती है, लेकिन स्वयं के भीतर घटित होने वाली घटना का कुछ अता-पता भी नहीं है, क्योंकि उस ओर किसी का ध्यान भी केंद्रित नहीं हो पा रहा है। बाहर तो उजाला फैलता जा रहा है और भीतर गहन अंधकार ने अपना साम्राज्य फैला रखा है। अंधकार को हटाए बिना उजाला कैसे मिल सकता है? उजाले के बिना सुख, शांति और तृप्ति कहां है?

मनुष्य की जिस ऊर्जा का उपयोग अंधकार को हटाने के लिए होना चाहिए था, वह निरर्थक कार्यों में बह रही है। जिस ऊर्जा का उपयोग चेतना के रूपांतरण के लिए होना चाहिए था, वह बाहरी संचालन में खप रही है, क्योंकि आज आदमी केवल देह की परिधि में ही जी रहा है। वह संसार के सुख को ही सब कुछ मान बैठा है। उसकी समग्र दृष्टि बाहर की तरफ ही लगी हुई है। इस बाह्य दौड़ को ही वह पूर्णता की कसौटी समझ रहा है। वह इस सच्चाई को भूल रहा है कि बाह्य पदार्थों में जो सुखानुभूति वह कर रहा है, उसे केवल मृगतृष्णा ही कहा जा सकता है। मनुष्य को सुखाभास की अनुभूति से स्वयं को ऊपर उठाकर आनंद एवं तृप्ति की अनुभूति में प्रविष्ट होना है।

आनंद आत्मा का स्वभाव है और सुख-दुख शरीर का स्वभाव है। इसलिए निजानंद में प्रवेश करना अपेक्षित है। स्वयं के भीतर डुबकी लगाकर ही आनंद को प्राप्त किया जा सकता है। जिस व्यक्ति ने स्वयं को पा लिया, उसने सर्वस्व पा लिया। सांसारिक सुखों की मृगमरीचिका से बाहर निकलकर अपने ही अंतस की गहराई में उतर जाना श्रेयस्कर है।

ललित गर्ग

सर्वोपरि हो बच्चों की सुरक्षा

डा. मोनिका शर्मा

बच्चों के घर से स्कूल और स्कूल से घर तक की यात्रा से जुड़ी लापरवाही देश के किसी न किसी हिस्से से सामने आती रहती है

पिछले दिनों हरियाणा के महेंद्रगढ़ में हुई स्कूल बस दुर्घटना ने कई घरों के चिराग बुझा दिए। जानलेवा लापरवाही को सामने रखती यह दुर्घटना हर स्तर पर बरती गई असावधानी का परिणाम है। एक निजी स्कूल की उस बस में हादसे के समय करीब 40 बच्चे सवार थे। सबसे भयावह पक्ष तो यह है कि स्कूल बस का चालक नशे में था। बच्चों और स्थानीय लोगों के अनुसार चालक नशे में अनियंत्रित गति से बस चला रहा था। साथ ही वाहन रखरखाव से जुड़े कागजातों में भी उस बस के दुरुस्त न होने की बातें सामने आई हैं। ऐसे में मासूमों का जीवन छीनने और देशभर के अभिभावकों को भय के घेरे में लाने वाला यह दर्दनाक हादसा कई सवाल उठाता है।

दुखद है कि कुछ ही दिनों में ऐसे हादसे भुला दिए जाते हैं। न तो स्कूली वाहनों के रखरखाव की स्थिति को गंभीरता से लिया जाता है और न चालकों के प्रशिक्षण को। यही वजह है कि बच्चों का अनमोल जीवन पहली बार ऐसी लापरवाही की भेंट नहीं चढ़ा है। बच्चों के घर से स्कूल और स्कूल से घर तक की यात्रा से जुड़ी लापरवाही देश के किसी न किसी हिस्से से सामने आती रहती है। कई मोर्चों पर असावधानी बरतने के उदाहरण पहले भी सामने आए हैं। अपने बच्चों को खो देने वाले परिवार कभी न खत्म होने वाली पीड़ा के भंवर में फंस जाते हैं। महेंद्रगढ़ में हुए इस हादसे में तो एक परिवार ने अपने दो बच्चों को खोया है। सवाल यह है कि क्यों बिना किसी गलती के इन अभिभावकों को जीवन भर के लिए इस दुख का दंश मिला है? चिंतनीय यह भी है कि ऐसी दुर्घटनाओं के बाद कई बच्चे अपनी शारीरिक चोट से नहीं उबर पाते और सदा के लिए अपाहिज हो जाते हैं। साथ ही ऐसे हादसे उस समय वाहन में सवार बच्चों के मनोविज्ञान पर भी दुष्प्रभाव डालते हैं। बालमन को भय और अनिश्चितता के घेरे में ले आते हैं।

कहना गलत नहीं होगा कि हमारे यहां बच्चों का स्कूली सफर कई तरह के खतरों से भरा है। कहीं छोटे वाहन जैसे आटो और वैन में एक निश्चित संख्या से ज्यादा बच्चे सवार होते हैं तो कहीं स्कूलों की बड़ी बसों के चालक सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी करते हुए दिख जाते हैं। यहां तक कि रफ्तार से जुड़े नियम-कानून का पालन भी नहीं किया जाता। इसके चलते न केवल बच्चों की जान जोखिम में रहती है, बल्कि परिजनों को भी नौनिहालों के साथ किसी अनहोनी का डर सताता रहता है। ध्यातव्य है कि ऐसे हादसों पर लगाम लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा बाकायदा एक गाइडलाइन तैयार की गई है। जरूरी है कि हर स्तर पर बच्चों की सुरक्षा से जुड़े इन नियमों का पालन किया जाए। अभिभावक भी जागरूक होकर स्कूल बसों की सुरक्षा की पड़ताल करते रहें।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

अपने-अपने राम

प्रवीन लखेड़ा का आलेख 'जन-जन तक पहुंचे श्रीराम का संदेश' सचमुच में विचारणीय है। वर्तमान भारत की स्वतंत्रता के अमृतकाल की सांप्रतिक पीढ़ी सौभाग्यशाली है, क्योंकि उसे अपने जीवनकाल में अयोध्या में सदियों बाद भगवान राम के मंदिर की सुखबर ने आह्लादित किया है। अब इस पीढ़ी का दायित्व है कि रामराज्य के सपने को साकार करने के लिए वह अपने-अपने मर्यादित राम का अनुसरण करे और अपने दायित्वों का इस प्रकार निर्वहन करे कि उनमें स्वार्थ की कोई झलक न हो। कोई भी समाज अथवा राष्ट्र उसके व्यक्तियों के प्रयासों से ही श्रेष्ठ बनता है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम का प्रत्येक आचरण हमें संजीवनी देता है। उनकी मर्यादाओं का पाठ पढ़कर और उसे जीवन में उतारकर ही हम एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। ऐसा भारत जिसमें कोई ऊंच-नीच न हो, समाज में कोई कलह न हो, समस्याओं की नहीं अपितु समाधान की बात हो, केवल अधिकारों की नहीं, अपितु कर्तव्यों की आवाज उभरे। ऐसा भारत जिसमें कोई भूखा न सोए, लोग सदाचार के बल पर आगे आएं, प्रकृति से कोई खिलवाड़ न हो। ऐसा भारत जहां हर ओर खुशहाली हो, एक-दूसरे के प्रति सम्मान हो, हर वर्ग केवल राष्ट्रोत्थान की बात करे। ऐसा भारत जिसमें हर बच्चा सुशिक्षित हो, सुसंस्कारित हो, आबाल-वृद्ध सभी अपने-अपने दायित्वों को समझें और पुरजोर उनका निर्वहन करें। राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं, राम हमारी आस्था-विश्वास को प्रबल करते हैं। हमारे संस्कारों को नई ऊर्जा देते हैं। वह जातीय गौरव, ऊंच-नीच को ठुकराते हैं। राम हमें कर्तव्य-पालन का अनूठा पाठ पढ़ाते हैं। राम तो जीवन के हर पक्ष में समाधान प्रस्तुत करते हैं। उनके आदर्शों का अनुकरण ही उनका सही रीति से वंदन हैं, अभिनंदन है। उनके आदर्श और उनकी मर्यादाओं के पाठ हर क्रंदन का समाधान हैं। धन्य हैं हम कि रघुराज विराजे हैं 'सुखधाम'। प्रभु श्रीराम की प्रीति सभी पर बनी रहे।

yograj62@gmail.com

कोर्ट की फटकार

ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग पर याचिकाकर्ता को झिड़कते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने बैलेट पेपर वाले बहुत चुनाव देखे हैं। तब कैसे बूथ लूट लिए जाते थे। छोटे-छोटे देश बैलेट पेपर से चुनाव करा सकते हैं, पर भारत में जहां 97 करोड़ मतदाता हैं, वहां भले ही 70 करोड़ से अधिक वोट न पड़ें, बैलेट पेपर तो 97 करोड़ ही छपवाने पड़ेंगे। लाखों बैलेट बाक्स की आवश्यकता होगी। उनको लाने ले जाने की व्यवस्था बहुत ही कठिन होगी। मतगणना में ईवीएम की तुलना में बहुत अधिक समय लगेगा। ईवीएम को काम में लाने के पहले सभी प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया जाता है कि उसमें पहले से कोई वोट नहीं है। पोलिंग समाप्त होने पर सभी उपस्थित प्रतिनिधि ईवीएम के सील हो जाने पर हस्ताक्षर करते हैं और मतगणना प्रारंभ होने पर सुनिश्चित किया जाता है कि ईवीएम की सील टूटी न हो और उस पर पूर्व के हस्ताक्षर मौजूद हों। किसी भी ईवीएम को इंटरनेट से नहीं जोड़ा जाता है। कुछ बूथ के वोटों का मिलान वीवीपैट से किया जाता है। अतः ईवीएम पर अविश्वास करने का कोई औचित्य नहीं है।

धर्मेंद्र नाथ रस्तोगी, गाजियाबाद

नकारात्मक चुनाव प्रचार

कांग्रेस के एक-से-एक बड़े नेता को उसके अपने ही शीर्ष नेतृत्व की राजनीति-रणनीति समझ में नहीं आ रही है। मोदी विरोध की अति तीव्रता ने उनके प्रचार अभियान को नकारात्मक बना दिया है। अब वह धमकी देने पर आमादा हैं। भारत में कभी ऐसी राजनीतिक संस्कृति नहीं रही है। राहुल गांधी शायद यह सोचने में नाकाम हैं कि जनता पर उनकी इस बात का कैसा प्रभाव पड़ेगा? किसी के लगातार चुनाव जीतने से लोकतंत्र और संविधान को आघात पहुंचाने वाला नहीं है। देश का राजनीतिक इतिहास लंबा रहा है। ऐसे किसी दुस्साहस का जवाब देना मतदाताओं को आता है। लिहाजा नकारात्मक चुनाव प्रचार से परहेज करे कांग्रेस।

मुकेश कुमार मनन, पटना

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

29 सीटें हैं लोकसभा की मध्य प्रदेश में, जिनमें से 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2019 में। इस प्रदर्शन को दोहराने की बड़ी चुनौती भाजपा के समक्ष है।

आजकल

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से मुक्ति

शशांक राय
अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड नामक एक पक्षी भारत में लुप्तप्राय अवस्था में है। इसकी संख्या सैकड़ों में सिमट गई है। इनके संरक्षण के लिए एक वन्यजीव संरक्षण कार्यकर्ता ने उच्चतम न्यायालय से गुहार लगाई थी। वस्तुतः जलवायु परिवर्तन से धरती पर जीवों को होने वाले नुकसान का मामला बहुत ही गंभीर है। इसका एक प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना और वनों की कटाई जैसी गतिविधियों से भी जुड़ा हुआ है। लिहाजा इनसे उत्पन्न खतरों से निपटने के लिए न्यायालय ने भी अपने स्तर पर प्रयास आरंभ कर दिया है

पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से विलुप्त हो रहे जीवों के अस्तित्व को कायम रखने की हम सभी की है जिम्मेदारी। फाइल

उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में वन्यजीव संरक्षण कार्यकर्ता एम. के. रंजीत सिंह बनाम भारत संघ के मामले में कहा है कि जनता को संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत 'जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने का अधिकार' है। वस्तुतः जलवायु परिवर्तन को पृथ्वी के जलवायु पैटर्न में दीर्घकालिक बदलाव के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें बढ़ते तापमान और चरम मौसम की घटनाएं शामिल हैं, जो बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन जलाने और वनों की कटाई जैसी मानवीय गतिविधियों से प्रेरित है। जलवायु परिवर्तन से जैव विविधता, कृषि, जल संसाधन और मानव कल्याण के लिए खतरे पैदा होते हैं। इस कारणवश मानवजाति के एक स्थायी भविष्य के लिए तत्काल कार्रवाई और समान प्रयास आवश्यक हो जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के विरुद्ध अधिकार और स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह याचिका ग्रेट इंडियन बस्टर्ड 'जीआइबी' की घटती आबादी और अन्य प्रजातियों पर मंडराते खतरे के संदर्भ में थी। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को देखते हुए कहा कि राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सतत विकास अवधारणा की समग्र समझ की आवश्यकता अनिवार्य है।

जीवन का अधिकार भारतीय संविधान का एक हिस्सा है और जलवायु परिवर्तन से हुई प्राकृतिक आपदा, जैसे सूखा-बाढ़ से फसल खराब होने के कारण खाद्य आपूर्ति में कमी, कोरोना जैसी बीमारियों में वृद्धि व बढ़ते वायु प्रदूषण से अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार प्रभावित होता है। साथ ही जलवायु परिवर्तन से उपजी ये समस्याएं विस्थापित लोग, जनजाति, महिलाएं, गरीबों के जीवन के अधिकारों के साथ अनुच्छेद 14 में प्रदत्त समानता के अधिकारों का भी उल्लंघन करती है। चूंकि जनजाति, महिलाएं एवं गरीब समुदाय समृद्ध समाज की अपेक्षा पर्यावरण पर अधिक निर्भर रहते हैं।

उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को मान्यता देता है, जबकि अनुच्छेद 14 इंगित करता है कि सभी व्यक्तियों को कानून के समक्ष समानता और कानून के समान संरक्षण प्राप्त होगा। न्यायालय ने कहा कि भारत में जलवायु परिवर्तन और इससे जुड़ी चिंताओं से संबंधित कोई एकल या व्यापक कानून नहीं है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी. वाइ. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने जीआइबी के निवास स्थान को खोने से बचाए जाने की याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि जलवायु परिवर्तन की अनिश्चितता से प्रभावित स्वच्छ पर्यावरण के बिना जीवन का अधिकार पूरी तरह से साकार नहीं होता है। संविधान के अनुच्छेद 48ए में यह प्रविधान किया गया है कि राज्य पर्यावरण, जंगल और वन्यजीवों की रक्षा तथा उसमें सुधार करने का प्रयास करेगा।

सामाजिक एवं आर्थिक लाभ : सौर ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि करना हमारे लिए अब विकल्प नहीं, अपितु एक आवश्यकता बन गई है। बढ़ती आबादी एवं क्रयक्षमता में वृद्धि होने से आगामी दो दशकों में वैश्विक ऊर्जा की खपत में लगभग 25 प्रतिशत तक हिस्सेदारी भारत की हो सकती है। साथ ही, बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण होने वाली हानि से बचाव हेतु सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों पर जोर देने की आवश्यकता है। इस प्रकार गैर जीवाश्म ईंधन को अपनाने की भारत की प्रतिबद्धता केवल एक रणनीतिक ऊर्जा लक्ष्य नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए एक बुनियादी आवश्यकता है। भारत इसके लिए प्रयत्न कर रहा है। स्वच्छ ऊर्जा में निवेश न केवल इन जरूरी पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करता है, बल्कि ढेर सारे सामाजिक एवं आर्थिक लाभ भी मिलते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में जीआइबी को बचाने के लिए सभी बिजली के तारों को भूमिगत करने का आदेश दिया था। भारत संघ ने अपील में कहा की ऐसे कठोर दिशानिर्देश से नवीन ऊर्जा स्रोतों में निवेश मुश्किल हो जाएगा। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने भारत संघ की बात मानी और अपने दिशानिर्देशों को संशोधित किया, ताकि जीआइबी के निवास स्थल की सुरक्षा के साथ-साथ समूचे पर्यावरण की सुरक्षा भी हो सके। एम. सी. मेहता बनाम कमलनाथ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक विश्वास सिद्धांत प्रतिपादित किया था, जिसमें कहा गया था कि प्राकृतिक संसाधन जैसे जंगल या नदी किसी भी निजी उपयोग के लिए काम में नहीं लाए जाएंगे। वेल्लोर नागरिक कल्याण मंच बनाम भारत सरकार मामले में कोर्ट ने एहतियाती सिद्धांत 'प्रिकाशनरी प्रिंसिपल' और 'प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करेगा' सिद्धांत को भारतीय वातावरण के संदर्भ में प्रासंगिक बताया था जो इंडियन काउंसिल फार एनवायरोलीगल एक्शन बनाम भारत संघ मामले में दोबारा स्थापित हुआ। एम. सी. मेहता बनाम कमलनाथ मामले में सुप्रीम कोर्ट को जिस अधिकार को मानने में हिचक थी, अब कोर्ट ने जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने के अधिकार को मौलिक अधिकार मान लिया है। विश्व में ऐसा करने वाला सबसे पहला प्रमुख देश भारत है। यह निर्णय न केवल अन्य देशों के लिए एक मिसाल साबित होगा, अपितु पेरिस समझौते के 1.5 डिग्री तापमान के लक्ष्य तक पहुंचने में भी काफी मददगार होगा।

इसके इतर इस नए मौलिक अधिकार के बनाए जाने से देश के औद्योगिक विकास के रुकने का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है, क्योंकि यह निर्णय सरकारों द्वारा चलाए जा रही परियोजनाओं के लिए बाधक का काम कर सकता है। इस हेतु सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस ऐतिहासिक निर्णय के अतिरिक्त अन्य आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए जाने चाहिए। जैसा कि हमारे संविधान की खूबसूरती है कि कोई भी मौलिक अधिकार पूर्ण नहीं है, अपितु उन पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। इससे मौलिक अधिकार का हनन भी न हो और साथ में देश का विकास भी बाधित न हो। आशा है कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय पर्यावरण की सुरक्षा हेतु निश्चित ही मील का पत्थर साबित हो कर देश में सतत विकास के वैश्विक सिद्धांत को व्यावहारिक रूप देने में सहायक होगा।

पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक उत्तरदायित्व

सिद्धार्थ मिश्र
प्रोफेसर, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय

एक वन्यजीव कार्यकर्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय की बेंच ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआइबी) के संरक्षण के लिए निर्णय सुनाया है। जीआइबी मुख्य रूप से राजस्थान और गुजरात में पाया जाने वाला एक गंभीर रूप से लुप्तप्राय पक्षी है। केंद्र द्वारा जताई गई चिंताओं को संबोधित करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डी. वाइ. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने रेखांकित किया कि स्वच्छ वातावरण के बिना जीवन का अधिकार पूरी तरह से साकार नहीं होता है। स्वास्थ्य का अधिकार जो अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का एक हिस्सा है, वायु प्रदूषण, वेक्टर जनित बीमारियों में बदलाव, बढ़ते तापमान, सूखा, फसल की विफलता के कारण खाद्य आपूर्ति में कमी जैसे कारकों के कारण प्रभावित होता है। तूफान और बाढ़ से यह पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने का अधिकार आवश्यक है।

सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली में पराली जलाने और ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान जैसे मुद्दों पर हस्तक्षेप करके पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन फैसलों से वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है और पर्यावरणीय जवाबदेही का एक उदाहरण स्थापित हुआ है। हालांकि जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए हमें गरीबी जैसे महत्वपूर्ण पहलू पर ध्यान देना होगा। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण 2030 तक 10 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं। बाढ़, सूखा और लू जैसी चरम मौसमी घटनाएं कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं, जिससे किसानों की आय कम होती है, खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ती हैं और गरीबी का दायरा बढ़ता है। इस दुष्चक्र में सबसे अधिक प्रभावित वे समुदाय होते हैं जो जलवायु परिवर्तन में सबसे कम योगदान करते हैं।

इस समस्या से निपटने के लिए हमें बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। किसानों को बदलते मौसम के अनुकूल बनाने के लिए उन्हें सूखा प्रतिरोधी फसलों, कुशल सिंचाई प्रणालियों और विविध कृषि पद्धतियों का ज्ञान और संसाधन उपलब्ध कराना आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आर्थिक संकटों से गरीबों की रक्षा के लिए खाद्य सब्सिडी, नकद हस्तांतरण और बेरोजगारी भत्ते जैसे कार्यक्रमों को मजबूत करना आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना महत्वपूर्ण है। इसके लिए बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच में निवेश करना आवश्यक है। इन नीतिगत प्रयासों के साथ-साथ हमें एक जन आंदोलन की भी आवश्यकता है, जहां हर नागरिक जलवायु परिवर्तन से निपटने में अपनी भूमिका को समझे और उसे निभाए। जब जागरूकता कार्रवाई में बदलती है और व्यक्तिगत जिम्मेदारी सामूहिक प्रयासों में परिवर्तित होती है तो हम बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं, जहां पर्यावरण संरक्षण एक साझा मूल्य व जीवंत वास्तविकता बन जाता है। जलवायु परिवर्तन केवल अदालतों-सरकारों के लिए हल करने की समस्या नहीं है। यह जिम्मेदारी हम सब की है। हमें इसके बारे में और अधिक जानने एवं कुछ आदतें बदलने की जरूरत है।

खरी-खरी

आदमी का स्वभाव

प्रभुनाथ शुक्ल

आदमी भी अजीब किस्म का है। वह गलती स्वयं करता है, जबकि दोष निरीह और निर्दोष पर मढ़ता है। अब तो कचरा गाड़ी आने लगी वरना अपना कचरा पड़ोसी के दरवाजे के सामने स्थापित करता रहा है। वैसे जहां यह सुविधा नहीं है, वहां साधिकार बहुमंजिला इमारत से सीधे सड़क पर कचरा डालता है। ऐसा लगता है जैसे कचरा न डालकर क्रिकेट का बाल डाल रहा है। जनाब यह आदमी की स्वभावगत खूबी है। वह स्वयं को हमेशा निर्दोष साबित करता है या फिर करना चाहता है।

अब सोटा गुरु को ही देखिए, बाइक तेजी से चला रहे थे। अचानक मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे गहरे खाई में चले गए। फिर क्या बेचारे अस्पताल पहुंच गए और पूरे तीन माह तक बेड पर रहे। ऊपर से अस्पताल का सवा लाख रुपये का बिल भी भुगतान किया। जब लोग उन्हें देखने आते तो बेचारे अपनी गलती छिपाने के लिए सारा दोष सड़क और अंधे मोड़ पर मढ़ देते। शुभचिंतकों को केवल यही बताते कि सड़क पर अंधामोड़ था जिसकी वजह से बाइक सड़क से नीचे गहरी खाई में चली गई। लोगों से अपनी बेगुनाही साबित करते फिरते। लेकिन किसी से यह नहीं कहते कि तेज गति के कारण हादसे का शिकार हो गए।

जनाब यह आदमी का नैसर्गिक गुण है जिसे भगवान भी चाहकर बदल नहीं सकता है, क्योंकि इंसान को भगवान ने ही बनाया है। जैसे कुछ लोगों का स्वभाव होता है कि वे जिस थाली में खाते हैं, उसी में छेद भी करते हैं। आपने कुत्ते की दुम देखी होगी, उसे आप कितना भी सीधा करें, लेकिन वह कभी सीधी नहीं होगी। आप लोहे जैसी सख्त धातु को भी किसी आकार में मोड़ सकते हैं। लेकिन क्या मजाल है कि आप कुत्ते की दुम मोड़ लीजिए। आप कितना भी तेल लगाइए, उसकी दुम में कोई परिवर्तन आने वाला नहीं है। क्योंकि यह उसका प्राकृतिक गुण है। आप भौतिक गुण को बदल सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक गुण को नहीं। उसी तरह आदमी का स्वभाव है कि हम सबकुछ बदल सकते हैं, लेकिन उसका स्वभाव नहीं बदल सकते हैं। शायद इसीलिए आदमी को दुनिया का सबसे बुद्धिमान प्राणी माना गया है।

पोस्ट

हम सौभाग्यशाली हैं कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रभु श्रीराम का सूर्यतिलक का दृश्य देख सके।
मि. सिन्हा@MrSinha_

दूसरे की जाति से घृणा करना और उन्हें बेवजह नीचा दिखाना ही असली जातिवाद है। कौन किस जाति में पैदा होगा, यह हमारे हाथ में नहीं तो फिर क्यों किसी से जाति या धर्म की वजह से नफरत करें?
रोहिणी@RohiniGhavari11

भारत की सबसे प्रतिष्ठित मानी जाने वाली सिविल सेवा में मुस्लिम वर्ग के 51 अभ्यर्थी चुने गए। जबकि पाकिस्तान में हिंदुओं को ऐसे समान अवसर उपलब्ध नहीं। उलटे वहां उन्हें प्रताड़ित किया जाता है और जबरन मतांतरण कराया जाता है। इसके बावजूद वामपंथी इस्लामिस्ट तबके की दृष्टि में भारत असहिष्णु है।
मोनिका वर्मा@TrulyMonica

आम आदमी पार्टी की स्टार प्रचारक लिस्ट में अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल नंबर दो हो गई हैं। सुनीता जी का स्थान पंजाब के सीएम भगवंत मान और दिल्ली के डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया से भी ऊपर है। अरविंद जी तो राजनीति बदलने आए थे।
रंगनाथ सिंह@rangnathsingh_

मोदी के साथ मोहन की जम रही केमिस्ट्री

धनंजय प्रताप सिंह
राज्य ब्यूरो प्रमुख, मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश डायरी

भारतीय जनता पार्टी के लिए मध्य प्रदेश एक ऐसी प्रयोगशाला रहा है, जहां से ऐसे दिग्गज नेतृत्व मिलते रहे हैं, जिनका आकलन शुरुआती दौर में राजनीति के दिग्गज जानकारों के लिए भी आसान नहीं रहा। इसी सूची में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का नाम जुड़ने के भी पूरे लक्षण दिखाई पड़ रहे हैं। जिस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी केमिस्ट्री बन रही है और स्वयं मोहन यादव आत्मविश्वास से भरे नजर आ रहे हैं, उनकी लंबी पारी और बढ़ते कद के कयास मजबूत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सात अप्रैल को जबलपुर में रोड शो करने के बाद नौ अप्रैल को बालाघाट में और 14 अप्रैल को पिपरिया में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मोहन यादव की प्रशंसा करते हुए उनकी सरकार को 'मोदी की गारंटी' को जमीन पर उतारने वाली सरकार बताया। पिपरिया में समय की कमी को देखते हुए जब मोहन यादव ने अपना भाषण संक्षिप्त कर पीएम मोदी को आमंत्रित किया, तो प्रधानमंत्री ने उन्हें धन्यवाद देते हुए उनकी प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री बनने के महज तीन महीने के अंदर लोकसभा चुनाव जैसा टास्क मोहन यादव के लिए आसान नहीं था। वहीं दूसरी ओर मोदी के कद के सामने किसी का भी असहज होना सामान्य बात है, लेकिन जिस तरह लोकसभा चुनाव को लेकर मोहन यादव सक्रिय हैं और नरेन्द्र मोदी का साथ उन्हें मिल रहा है, वह चुनाव की भाग-दौड़ के बीच नए सियासी समीकरण की ओर संकेत कर रहा है। दरअसल, चुनाव के बाद मुख्यमंत्री के लिए जब शिवराज सिंह चौहान के बजाय दूसरे चेहरे की तलाश हुई, तो मोहन यादव को भाजपा ने आगे किया। चार बार के मुख्यमंत्री के प्रभाव के आगे नए चेहरे के लिए खाली जगह भरने की बड़ी चुनौती थी, लेकिन मोहन यादव ने चार महीने के अंदर ही साबित कर दिया कि भाजपा ने उनके चयन में कहीं कोई गलती नहीं की है। शुरुआती दौर में मोहन यादव के भाषण देने का अंदाज स्थानीय स्तर का जरूर था, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी ऐसी शैली विकसित कर ली है, जो मध्य प्रदेश ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार और छत्तीसगढ़ में भी पसंद की गई। हाल ही में उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के नामांकन में पहुंचे मोहन यादव ने बिना नाम लिए अखिलेश यादव को लेकर इंटरनेट मीडिया पर भेजी पोस्ट 'निहत्थे रामभक्तों के हत्यारे और भगवान श्रीकृष्ण के विरोधी... ये यदुवंशी नहीं, हिंदू विरोधी हैं' को साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोगों ने देखा और मध्य प्रदेश से लेकर उत्तर प्रदेश तक इस पर चर्चा हुई।

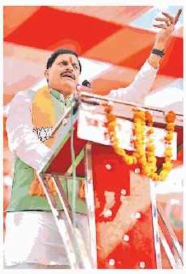

डा. मोहन यादव। फाइल

मोहन यादव के आगे बढ़ने का अंदाज भी शिवराज सिंह से जुदा नहीं है। करीब दो दशक पहले जब शिवराज ने मुख्यमंत्री की पारी शुरू की थी, तो उन्हें भी कमजोर आंका गया था, लेकिन लोगों से जुड़ाव, नई योजनाओं और संगठन से बेहतर तालमेल के साथ शिवराज ने चार बार प्रदेश का नेतृत्व किया और देश में अपनी अलग छवि बनाई। मोहन यादव के लिए भी शुरुआती आकलन एक कमजोर चेहरे के रूप में किया गया, जिसे चार महीने में ही उन्होंने गलत साबित कर दिया है। अब पीएम मोदी का साथ मिलने से तेज गति से आगे बढ़ाने का आकलन किया जा रहा है।

मोहन यादव ने कांग्रेस के असंतुष्टों को भाजपा में रिकार्ड संख्या में शामिल कराया, वहीं स्वयं की पार्टी में असंतोष को पनपने से भी रोका है। चुनाव जैसे संवेदनशील अवसर पर इतनी बड़ी संख्या में विरोधी दल के नेताओं का पार्टी में शामिल होना और विद्रोह के स्वर न उबरना राजनीतिक दृष्टि से बड़ी सफलता मानी जा रही है। चुनावी मैदान में भी मोहन यादव छिंदवाड़ा में कमल नाथ के गढ़ को तोड़ने की चुनौती को पूरी गंभीरता से लेकर आगे बढ़ रहे हैं, तो राजगढ़ में दिग्विजय सिंह को भी उन्होंने घेरने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। मध्य प्रदेश ही नहीं, पूरे भारत की नजरें छिंदवाड़ा पर हैं, जिसे भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है, वहीं कमल नाथ के लिए अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने का यही एकमात्र जरिया है। यहां के विपरीत परिणाम कमल नाथ के सियासी सफर का अंत साबित हो सकता है। राजगढ़ में दिग्विजय सिंह मजबूत स्थिति में माने जा रहे थे, लेकिन मोहन यादव ने उन्हें रामद्रोही करार देते हुए जिस तरह घेराबंदी की है, उससे परिणामों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आदिवासी अंचलों की सीटों पर भी मोहन यादव लगातार पहुंच रहे हैं। अपने लक्ष्य के लिए बिना किसी शोर-शराबे के आगे बढ़ने वालों को मोदी ने गांव-कस्बों से उठाकर राष्ट्रीय फलक पर बिठाया है। ऐसा ही व्यक्तित्व मोहन यादव का भी है। वह सादगी से जिस तरह मेहनत कर रहे हैं, उन्हें मोदी के पसंदीदा लोगों की सूची में जगह मिल जाना ताज्जुब की बात नहीं होगी। लोकसभा चुनाव के परिणाम तय कर देंगे कि मोदी और मोहन के बीच की केमिस्ट्री भविष्य में प्रदेश की सियासत को क्या रंग देगी?

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या चुनावी बांड से जुड़े फैसले पर पुनर्विचार की मांग सही है?

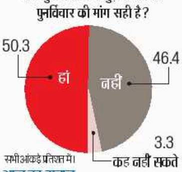

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ चुनाव आयोग की कार्रवाई से अन्य नेता सबक लेंगे?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

करके बालक राम का किरणों से अभिषेक,
सूर्य देव भी धन्य हैं दृश्य अवध का देख।
दृश्य अवध का देख हो रहे जन-जन विह्वल,
क्योंकी सदियों बाद देख पाए हम यह पल।
पूरे साल हजार रहे हैं हम डर-डरके,
मत लौटाना काल वही फिर गलती करके!
\- ओमप्रकाश तिवारी

मंथन

दक्षिण कराएगा 400 पार!

डा. पश्यन्ती शुक्ला
राजनीतिक विश्लेषक

प्रधानमंत्री मोदी ने जबसे राजग की लगातार तीसरी बार जीत का दावा करते हुए 'अबकी बार, 400 पार' का नारा दिया है, यह एक रोचक विषय हो गया है कि इस मिशन का फार्मूला क्या होगा

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए कल मतदान होना है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा का नारा 'अबकी बार, 400 पार' काफी लोकप्रिय हो चुका है। लोगों में इसके प्रति व्यापक उत्सुकता है कि मिशन 400 पार का फार्मूला क्या होगा। इसके लिए थोड़ा पीछे चलें तो यह वह समय था जब पूरे देश की नजरें अयोध्या की ओर थीं और भाजपा के साथ ही जनता भी श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारियों में व्यस्त थी। एक ओर जहां सुर्खियों में अयोध्या की खबरें थीं, वहीं प्रधानमंत्री अयोध्या में होने वाली रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले दक्षिण भारत के मंदिरों के दर्शन की यात्रा पर थे। सवाल यह था कि जब पूरा देश अयोध्या की ओर देख रहा था तो प्रधानमंत्री दक्षिण में पूजा-अर्चना क्यों कर रहे थे?

वस्तुतः यह प्रधानमंत्री के चुनावी अभियान की शुरुआत थी जिस पर काम उन्होंने चुनाव की तिथियों की घोषणा से बहुत पहले आरंभ कर दिया था। 400 पार का गणित देखें तो यह मोदी के लिए इतना आसान नहीं है। राजग ने भले ही लोकसभा चुनाव में पांच राज्यों में 62 से 65 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है, लेकिन भाजपा के सामने कर्नाटक और तेलंगाना की अपनी जीती हुई सीटों को बनाए रखने की चुनौती है। तमिलनाडु जैसे बड़े दक्षिणी राज्य में भी पार्टी के सामने अपना आधार मजबूत करने की चुनौती है। भाजपा ने जहां तमिलनाडु में पांच क्षेत्रीय दलों से समझौता किया है, वहीं मोदी अपने भाषणों के माध्यम से डीएमके पर हमलावर हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री की स्वच्छ छवि और 10 साल में किए गए उनके कार्यों को कार्यकर्ताओं के जरिये जनता तक पहुंचाकर इस बार भाजपा तमिलनाडु में बड़ी सेंधमारी की तैयारी में है।

केरल की संस्कृति से जुड़ाव : केरल में भी एनडीए इस बार खाता खुलने की उम्मीद में है। बात चाहे प्रधानमंत्री के मार्च में किए गए केरल में रोड-शो की हो या फिर अयोध्या में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा से पहले किए गए दौरे की, मोदी किसी भी सूरत में इस बार केरल में खाता खोलने की कोशिश में है। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा से पहले दो सप्ताह के भीतर उन्होंने न केवल दो बार केरल का दौरा कर वहां के अनेक मंदिरों में पूजा-पाठ किया, बल्कि अपनी सभाओं में कार्यकर्ताओं को 'मोदी की गारंटी' को लोकप्रिय बनाने के टिप्स भी दिए। केरल में हाल ही में किए गए रोड-शो और अपने भाषणों के दौरान प्रधानमंत्री काफी आक्रामक मुद्रा में भी नजर आए। केरल की संस्कृति व आध्यात्मिकता की बात कर उन्होंने जनता से सीधा संबंध जोड़ने की कोशिश की, वहीं यूडीएफ व एलडीएफ को आस्था को कुचलने वाला बताया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में हुए लोकसभा चुनावों में अटल बिहारी वाजपेयी, मुरली मनोहर जोशी और चंद्रशेखर जैसे चेहरे भी चुनाव हार गए थे। तब भाजपा को केवल दो सीटें मिलीं थी। एक सीट गुजरात की मेहसाणा थी, तो दूसरी सीट अविभाजित आंध्र प्रदेश में हनमकोंडा थी। आंध्र की इस सीट से नरसिंह राव को भाजपा के सी. जंगा राव रेड्डी ने 50 हजार से अधिक मतों से शिकस्त दी थी। लेकिन इतने दशकों में पार्टी कभी भी आंध्र प्रदेश (अविभाजित) में सात से अधिक सीटें नहीं निकाल पाई। हालांकि टीडीपी से हुए गठबंधन के बाद आंध्र प्रदेश में अपने लक्ष्य को हासिल करना राजग के लिए अधिक मुश्किल नहीं लगता।

पहले से चल रही तैयारी : भाजपा का दक्षिण पर इस बार कितना अधिक फोकस है, इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पिछले लगभग एक महीने में जहां प्रधानमंत्री इस क्षेत्र का सात बार दौरा कर चुके हैं, वहीं गृह मंत्री भी अब दक्षिण के मैदान में हैं। यह स्पष्ट है कि भाजपा की दक्षिण भारत को लेकर तैयारी काफी पहले से चल रही है। वस्तुतः भाजपा की तैयारी इस बार केवल एनडीए को 400 पार कराने की ही नहीं है, बल्कि 370 सीटों के स्वयं के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य को हासिल करना भी पार्टी के लिए तभी संभव है, जब पार्टी उत्तर भारत में वर्ष 2019 की जीत को दोहराते हुए दक्षिण के राज्यों में अपनी स्थिति को पहले से बहुत बेहतर करे। यही कारण है कि इसी सप्ताह जारी हुए भाजपा के संकल्प पत्र में भी तमिल संस्कृति को बढ़ावा देने की बात कर तमिलनाडु के मतदाताओं से सीधा संबंध स्थापित करने की कोशिश की गई है। तमिल भाषा को सबसे पुरानी भाषा बताकर उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाने की बात करना भी मोदी का इसी दिशा में एक और कदम है।

पिछले दो दशकों पर नजर डालें तो रणनीति बनाने और उसे जमीन पर उतार कर सफलता हासिल करने में मोदी-शाह के हिस्से में आई सफलताओं की एक लंबी सूची है, लेकिन क्या इस बार दक्षिण भारत के राज्य इस सूची में नए नाम बनकर जुड़ेंगे, यह जानने में अब बस डेढ़ माह का समय शेष है।

इस वर्ष के आरंभ में रामेश्वरम स्थित मंदिर में दर्शन को पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी। फाइल

****

वीआइ ने एंकर निवेशकों से जुटाए 5,400 करोड़

नई दिल्ली: दूरसंचार कंपनी वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआइएल) ने एफपीओ से पहले अपने एंकर निवेशकों से करीब 5,400 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एंकर बुक की सदस्यता लेने वाले प्रमुख निवेशकों में जीक्यूजी पार्टनर्स, यूबीएस, मार्गन स्टेनली इंडिया इन्वेस्टमेंट फंड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स मारीशस, गोल्डमैन सैक्स और फिडेलिटी शामिल हैं। इससे पहले कंपनी के निदेशक मंडल ने 18,000 करोड़ रुपये के एफपीओ को मंजूरी दी थी। (प्रेट्र)

अगले छह से 12 महीने में हम भारत में पूरी तरह बिजली से चलने वाले ई-कैंटर पेश करेंगे। यह हमारे संपूर्ण उत्पाद खंड को कार्बन-मुक्त बनाने की हमारी दीर्घकालिक रणनीति में पहला कदम होगा।

— सत्यकाम आर्य, एमडी और सीईओ, डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स

एक नजर में

स्मालकैप म्यूचुअल फंड की परिसंपत्ति 2.43 लाख करोड़

नई दिल्ली: खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उछाल तथा बाजार में तेजी से मार्च 2024 के अंत में स्माल-कैप म्यूचुअल फंड श्रेणी की संपत्ति 2.43 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गई। यह सालाना अधार पर 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। संपत्ति में वृद्धि को निवेशकों की संख्या में वृद्धि ने बल दिया। मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंच गई। (प्रेट्र)

बिजली की खपत अप्रैल के पहले पखवाड़े में 10% बढ़ी

नई दिल्ली: देश में बिजली की खपत अप्रैल के पहले पखवाड़े में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 70.66 अरब यूनिट रही। यह आर्थिक गतिविधियों में सुधार को दर्शाता है। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस साल अप्रैल में एक से 15 तारीख के बीच बिजली खपत 70.66 अरब यूनिट रही जो एक साल पहले इसी अवधि में 64.24 अरब यूनिट थी। (प्रेट्र)

भुगतान 'एग्रीगेटर' के लिए नियमों का मसौदा जारी

नई दिल्ली: आरबीआइ ने भुगतान 'एग्रीगेटर' के लिए नियमों का मसौदा जारी किया है। उसने 31 मई तक टिप्पणियां मांगी हैं। इसका उद्देश्य भुगतान परिवेश को और सुदृढ़ करना है। भुगतान एग्रीगेटर वे मध्यस्थ इकाइयां हैं, जो ग्राहकों और कारोबारियों के बीच भुगतान को सुगम बनाती हैं। मसौदे के अनुसार, भुगतान एग्रीगेटर के भौतिक रूप से 'पाइंट आफ सेल' गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। (एएनआइ)

सरकार ने नैनो यूरिया प्लस को अधिसूचित किया

नई दिल्ली: सरकार ने अगले तीन साल के लिए 'नैनो यूरिया प्लस' को अधिसूचित कर दिया है। नैनो यूरिया प्लस, नैनो यूरिया का उन्नत वर्जन है और इसे फसल की नाइट्रोजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। नैनो यूरिया में जहां वजन के हिसाब से 1-5 प्रतिशत नाइट्रोजन सामग्री होती है वहीं नैनो यूरिया प्लस में वजन के हिसाब से 16 प्रतिशत नाइट्रोजन सामग्री है। (प्रेट्र)

किचन में अब नहीं दिखेंगे घटिया बर्तन

स्टील व एल्युमिनियम के सामान पर क्वालिटी कंट्रोल के नियम की अधिसूचना जारी

- आगामी सितंबर महीने से लागू हो जाएगा यह नियम
- स्टील बर्तन बनाने वाले घरेलू उद्यमियों का बढ़ेगा कारोबार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : किचन में इस्तेमाल होने वाले घटिया किस्म के बर्तन की बिक्री अब बंद होने जा रही है। सरकार ने स्टेनलेस स्टील व एल्युमिनियम के बर्तन पर क्वालिटी कंट्रोल के नियम की अधिसूचना जारी कर दी है और आगामी सितंबर महीने से यह नियम लागू हो जाएगा। सरकार के इस फैसले से घटिया किस्म के बर्तन से सेहत पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव में कमी आएगी और घरेलू स्तर पर स्टेनलेस स्टील के बर्तन बनाने वाले छोटे उद्यमियों का कारोबार बढ़ेगा। किसी प्रकार का क्वालिटी कंट्रोल नहीं होने से बड़े पैमाने पर स्टेनलेस स्टील के बर्तन चीन से आयात हो रहे थे। घरेलू स्तर पर भी घटिया माल से बर्तन बनाने की शिकायत मिल रही थी।

चीन से आने वाले घटिया किस्म के बर्तन काफी सस्ते होते है और घरेलू छोटे मैन्यूफैक्चरर्स उनसे प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते हैं। इस वजह से स्टेनलेस स्टील के बर्तन बनाने वाले गुजरात के 30-35 प्रतिशत छोटे उद्यमियों ने अपना उत्पादन बंद कर दिया था और इस बारे में इस साल जनवरी में वित्त मंत्रालय को ज्ञापन भी सौंपा था। नियम के लागू होने के बाद चीन से आयात करने से पहले चीन स्थित निर्माता कंपनियों को भारतीय मानक ब्यूरो से क्वालिटी कंट्रोल का सर्टिफिकेट लेना होगा। घरेलू निर्माताओं को भी मानक ब्यूरो से गुणवत्ता की जांच करानी होगी।

इन पर भी लागू होगा नियम : बर्तन के साथ स्टेनलेस स्टील सिंक, सेनिटरी केन्स, टिन प्लेट, पेय पदार्थों के लिए इस्तेमाल होने वाले एल्युमिनियम केन्स पर भी क्वालिटी कंट्रोल नियम लागू होगा। किचन में इस्तेमाल होने वाले रोस्टर, टोस्टर जैसे विभिन्न प्रकार के विद्युत उपकरणों के लिए क्वालिटी कंट्रोल नियम को अधिसूचित किया गया है और इन सभी पर आगामी सितंबर माह से नियम लागू हो जाएगा।

बहुत छोटे उद्यमियों को नियम से दी गई है छूट

एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत उन बर्तन उद्यमियों को इस नियम से छूट दी गई है जिनका कारोबार सालाना दो करोड़ से अधिक नहीं है और जिन्होंने मशीनरी और उपकरणों में 25 लाख रुपये से अधिक का निवेश नहीं किया है। घरों में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रिक पंखा एवं एयर कूलर पर क्वालिटी कंट्रोल नियम को लागू करने की अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी है। सरकार घरों में इस्तेमाल होने वाले सुरक्षा का ध्यान रखते हुए छोटे-छोटे आइटम को क्वालिटी कंट्रोल नियम के तहत लाना चाहती है।

भूमि अधिग्रहण और कृषि कानूनों में सुधार जरूरी : गुरुचरण दास

नई दिल्ली, प्रेट्र: प्रसिद्ध अर्थशास्त्री गुरुचरण दास ने सुझाव दिया है कि सरकार को सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए और औद्योगिक क्रांति लाने का प्रयास करना चाहिए। थिंक टैंक फाउंडेशन फार इकोनमिक डेवलपमेंट (एफईडी) के साथ बातचीत में दास ने कहा कि सुधार शुरू हुए अब 30 साल हो गए हैं।

इस अवधि में भारत ने औसतन लगभग छह प्रतिशत सालाना की दर से विकास किया है। हमारे जैसे तर्कशील, सामंती लोकतंत्र के लिए यह दुनिया में अभूतपूर्व है। हमें इस वृद्धि पर गर्व होना चाहिए। हालांकि वास्तविकता यह है कि हम यहीं पर विफल रहे हैं और हमने नौकरियां पैदा नहीं की। दास ने भूमि अधिग्रहण, श्रम संहिता के क्रियान्वयन और कृषि कानूनों में सुधारों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। दास ने कहा, 'इससे फर्क नहीं पड़ता है कि 2024 में कौन सरकार बनाता है। विकास दर को बढ़ाने के लिए किए जाने वाले सुधार प्राथमिकता में होने चाहिए। सुधारों के बल पर ही 40 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला गया है।

भारत के कच्चे तेल के आयात बिल में 16 प्रतिशत की गिरावट

- हालांकि क्रूड के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता नई ऊंचाई पर पहुंची
- एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर 23.4 अरब डालर खर्च किए

नई दिल्ली, प्रेट्र: अंतरराष्ट्रीय दरों में नरमी के चलते पिछले वित्त वर्ष के दौरान भारत के कच्चे तेल के आयात बिल में 16 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) के दौरान 23.25 करोड़ टन कच्चे तेल का आयात किया। यह मात्रा वित्त वर्ष 2022-23 के लगभग बराबर है।

हालांकि तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग और एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के मुताबिक उसने इस मात्रा के लिए 132.4 अरब डालर का भुगतान किया जबकि 2022-23 में 157.5 अरब डालर का भुगतान किया था। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है। घरेलू उत्पादन में गिरावट के चलते उसकी आयात पर निर्भरता बढ़ गई है। पीपीएसी के मुताबिक कच्चे तेल की आयात निर्भरता 87.7 प्रतिशत हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 87.4 प्रतिशत थी। 2023-24 में घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन 2.94 करोड़ टन पर रहा। यह 2022-23 के आंकड़े के बराबर है। भारत ने एलपीजी जैसे 4.81 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर 23.4 अरब डालर खर्च किए।

भारत ने 47.4 अरब डालर कीमत के 6.22 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात भी किया। भारत तरल रूप में गैस का भी आयात करता है, जिसे एलएनजी कहा जाता है। पिछले वित्त वर्ष में भारत ने 30.91 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस के आयात के लिए 13.3 अरब डालर खर्च किए। 2022-23 में 26.3 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस के आयात के लिए भारत ने 17.1 अरब डालर खर्च किए थे। यूक्रेन पर रूस के हमले के चलते ऊर्जा की कीमतें उस समय रिकार्ड पर थीं।

चालू वित्त वर्ष में 8-8.3% विकास दर का अनुमान : पीएचडी चैंबर

- उद्योग संगठन ने कहा, अगले 23 साल तक औसतन 6.7 प्रतिशत रहेगी देश की विकास दर
- 2047 तक 34.7 ट्रिलियन डालर हो जाएगी आर्थिकी, प्रति व्यक्ति आय 21,000 डालर होगी

नई दिल्ली, प्रेट्र: पीएचडी चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआइ) ने बुधवार को कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 8.0 से 8.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उद्योग संगठन ने कहा कि देश की विकास दर अगले 23 साल तक औसतन 6.7 प्रतिशत रहेगी और 2047 तक इसके 34.7 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने का अनुमान है। उस समय तक प्रति व्यक्ति आय 21,000 डालर होगी। पीएचडीसीसीआइ के मुख्य अर्थशास्त्री एसपी शर्मा ने कहा, 'देश में वृद्धि के लिहाज से बुनियाद मजबूत है। इसके साथ हमारी चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 8.0 से 8.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है।' उन्होंने कहा, '2035 के बाद वृद्धि दर उच्चस्तर से धीरे-धीरे नीचे आएगी और औसतन यह अगले 23 साल 6.7 प्रतिशत रहेगी।'

उद्योग संगठन ने एक रिपोर्ट में देश को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सुझाव दिए। पीएचडी चैंबर ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए व्यापार करने की लागत को कम करने और फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों), सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़े स्तर पर क्षमता बढ़ाने की सिफारिश की है। साथ ही सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया है।

शिपिंग कंपनियों के लिए जारी की गई एडवाइजरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने के बीच सरकार ने जहाज कंपनियों को पश्चिम एशियाई जलमार्गों और भारतीय जलक्षेत्र में आने वाले जहाजों के लिए रिपोर्टिंग, ट्रैकिंग और सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने के संबंध में सलाह जारी की है।

पोत परिवहन मंत्रालय ने संवेदनशील क्षेत्रों को भी चिह्नित किया है। इनमें फारस की खाड़ी, होरमुज जलडमरूमध्य, ओमान की खाड़ी, अरब सागर, अदन की खाड़ी, बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य, लाल सागर, सोमाली खाड़ी और अरब सागर क्षेत्र शामिल हैं। इस संबंध में जारी सर्कुलर के मुताबिक, 'किसी भी घटना की वजह से सुरक्षा बढ़ने की स्थिति में इन क्षेत्रों से गुजरने वाले सभी जहाजों को आनलाइन जहाज रिपोर्टिंग फार्म के जरिये अपना विवरण जमा करना होगा। इससे नौसेना को घटना पर प्रतिक्रिया देने के लिए आसान ट्रैकिंग और समन्वय की सुविधा मिलेगी।'

एआइ की मदद से निर्यात बढ़ाने की तैयारी

- इसके जरिये दुनिया के बाजार में निकलने वाली मांग का पहले लग जाएगा पता
- कस्टम क्लीयरेंस, आर्डर ट्रैकिंग जैसे काम में भी मिल सकेगी मदद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : वाणिज्य विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की मदद से निर्यात बढ़ाने की तैयारी में जुट गया है। एआइ की मदद से दुनिया के बाजार में निकलने वाली मांग का पहले पता लग जाएगा और फिर उन देशों को ध्यान में रखकर निर्यात बढ़ाने की तैयारी की जाएगी। निर्यातकों के साथ इन आंकड़ों को शेयर किया जाएगा। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक एआइ की मदद से यह पता चल जाएगा कि भविष्य में किन देशों के ग्राहकों को कितने माल की जरूरत होगी। इस प्रकार का अनुमान प्राप्त होने से निर्यातक पहले से तैयारी कर सकेंगे और इससे बर्बादी को भी रोका जा सकेगा।

अभी मुख्य रूप से 30 प्रकार की वस्तुओं का ही निर्यात किया जाता है। एआइ की मदद से कई ऐसी वस्तुओं के निर्यात की संभावना का पता चल सकेगा, जिसका अभी निर्यात नहीं किया जाता है। एआइ की मदद से निर्यातक सही समय पर कच्चे माल की खरीदारी कर सकेंगे। कंटेनर की मांग कैसी रहने वाली है और लाजिस्टिक लागत का पहले ही अनुमान लगाया जा सकता है। कस्टम क्लीयरेंस, आर्डर ट्रैकिंग जैसे काम में भी एआई की मदद ली जा सकती है। निर्यातकों ने बताया कि वैश्विक व्यापार से जुड़ी दुनिया की कई बड़ी निर्यातक कंपनियां निर्यात-आयात के लिए एआइ का इस्तेमाल शुरू कर चुकी हैं। भारत में भी इस प्रकार की पहल हो चुकी है।

चीन जैसे देश से प्रतिस्पर्धा करने के लिए निर्यात में एआइ की मदद जरूरी है। सरकार के स्तर पर भी इस प्रकार की तैयारी हो रही है।

-ललित ठुकराल, गारमेंट निर्यातक

एआइ की मदद से निर्यात के लिए तलाशे जाएंगे नए बाजार

वाणिज्य मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में वस्तु निर्यात के लिए नए बाजार की तलाश पर बड़े स्तर पर काम किया गया और एआइ की मदद से इस काम को और तेज किया जाएगा। गत वित्त वर्ष में कई देशों में पहली बार इंजीनियरिंग गुड्स, फार्मा और इलेक्ट्रानिक्स जैसे आइटम का निर्यात किया गया, जिससे इन वस्तुओं के निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज करने में मदद मिली। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक गत वित्त वर्ष में पहली बार साओ टोमे, मकाओ, जार्जिया, बिस्साओ, बेलिजे जैसे देश में इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात किया गया। वैसे ही पहली बार विंसेंट, मंगोलिया, अल सल्वाडोर, तुर्कमेनिस्तान, हांडूर्स जैसे देशों में मोबाइल फोन का निर्यात किया गया।

राष्ट्रीय फलक

पाकिस्तान में भारतीय महिला का अपने बच्चों के बिना देश छोड़ने से इन्कार

- मुंबई निवासी फरजाना बोलीं-पाकिस्तान में दोनों बेटों को जान का खतरा
- लाहौर में पाक पुलिस ने किया आरोपित पति मिर्जा युसुफ को गिरफ्तार

मुंबई निवासी फरजाना बेगम और उनके पाकिस्तानी पति मिर्जा मुबीन इलाही। फाइल

इस्लामाबाद, आइएएनएस : मुंबई की रहने वाली एक भारतीय नागरिक फरजाना बेगम वर्तमान में पाकिस्तान में अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए लड़ रही हैं। उसने यह कहते हुए अपने मूल देश लौटने से इन्कार कर दिया है कि उसके बच्चों की जान खतरे में है। इस बीच, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने लाहौर में आरोपित पति मिर्जा युसुफ इलाही को अपनी बेगम को प्रताडित करने के लिए गिरफ्तार कर लिया है।

भारतीय नागरिक फरजाना बेगम इस समय पाकिस्तान में अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए लड़ रही हैं। इससे पहले फोन पर जानकारी देते हुए फरजाना ने मूल देश भारत लौटने से इन्कार किया कि पाकिस्तान में उनके बच्चों की जान को खतरा है। मुंबई निवासी फरजाना बेगम ने साल 2015 में अबूधाबी में पाकिस्तानी नागरिक मिर्जा युसुफ इलाही से शादी की थी। बाद में दंपती 2018 में पाकिस्तान आए। उनके सात और छह साल के दो बेटे हैं। फरजाना का मामला तब सुर्खियों में आया जब उन पर बेटों की कस्टडी और उनके नाम पर कुछ संपत्तियों के विवाद को लेकर पति को प्रताड़ित करने का आरोप लगा। फरजाना ने पति के दावे को भी खारिज किया कि उसने उन्हें तलाक दिया है। फरजाना ने कहा कि अगर उसने तलाक दिया है, तो इसका प्रमाण पत्र दें।

फरजाना वह लाहौर के रहमान गार्डन में घर में बंद हैं और उनके बच्चे भूख से परेशान हैं। फरजाना ने बेटों के बिना मूल देश जाने से इन्कार करते हुए पाकिस्तान सरकार से मामला सुलझने तक सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि लाहौर में कुछ संपत्तियां उनके बेटों के नाम पर हैं। उनके व उनके बच्चों के पासपोर्ट मेरे पति के कब्जे में हैं। फरजाना बेगम, मिर्जा युसुफ इलाही की दूसरी पत्नी हैं। इलाही के पहले से ही एक पाकिस्तानी पत्नी और बच्चे हैं। फरजाना का आरोप है कि वे उसे भारत लौटने और संपत्तियों पर नियंत्रण छीनने के लिए धमकाने की साजिश रच रहे हैं। फरजाना के वकील मोहसिन अब्बास ने कहा कि युसुफ इलाही अफवाह फैला रहे हैं कि फरजाना का वीजा समाप्त हो गया, जबकि उसका पासपोर्ट उसके पास है।

अनंतनाग में आतंकियों ने की बिहार के श्रमिक की हत्या

राज्य ब्यूरो, जागरण, श्रीनगर

- कश्मीर में आतंकी कर रहे चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने व लोगों में भय पैदा करने का षड्यंत्र
- अनंतनाग-राजौरी सीट पर सात मई को होना है मतदान, बढ़ाई गई सुरक्षा

कश्मीर में सुरक्षित व शांत वातावरण में चुनाव कराने के लिए किए जा रहे सुरक्षा प्रबंधों के बीच आतंकियों ने बुधवार को अनंतनाग में पकौड़े का ठेला लगाने वाले बिहार के एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। देर रात तक किसी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली थी, लेकिन पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह दुस्साहस लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का हो सकता है। बता दें कि इस महीने दक्षिण कश्मीर में यह दूसरी आतंकी वारदात है। इससे पहले आठ अप्रैल को आतंकियों ने शोपियां में विदेशी पर्यटकों को कश्मीर घुमाने लेकर आए उत्तराखंड के एक टैक्सी चालक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

हत्या को चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने और लोगों में भय पैदा कर उन्हें मतदान से दूर रखने के आतंकी षड्यंत्र का हिस्सा माना जा रहा है। अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र में सात मई को मतदान होना है। इस वारदात के बाद प्रदेश प्रशासन ने पुलिस व अन्य सभी सुरक्षा एजेंसियों को कश्मीर में अपने-अपने कार्याधिकार क्षेत्र में रहने वाले अल्पसंख्यकों और प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया है।

जानकारी के अनुसार, अनंतनाग के बिजबिहाड़ा में रात करीब आठ बजे स्वचालित हथियारों से लैस दो से तीन आतंकी आए। उन्होंने वहां पकोड़े का ठेला लगाने वाले बिहार के राजा शाह पुत्र शंकर शाह पर नजदीक से गोलियां दागीं। हमले के बाद आतंकी फरार हो गए। इसी बीच, निकटवर्ती इलाके में गश्त कर रहे सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे।

उन्होंने पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए प्रवासी श्रमिक को उपचार के लिए अनंतनाग के जीएमसी अस्पताल पहुंचाया, जहां कुछ ही देर बाद उसकी मृत्यु हो गई। संबंधित अधिकारियों बताया कि घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों से पूछताछ की गई है।

पुंछ में 21 किलो की तीन शक्तिशाली आइईडी जब्त

जागरण संवाददाता, पुंछ

जम्मू-कश्मीर में पहले चरण के 19 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले सुरक्षाबलों ने बुधवार को आतंकियों का बड़ा षड्यंत्र विफल कर दिया। सीमावर्ती जिले पुंछ में एक ठिकाने से 21 किलो की तीन आइईडी बरामद की गई हैं। इनमें से दो को टिफिन में और एक को स्टील के कंटेनर में लगाया गया था। कंटेनर में रखे विस्फोटक का वजन 15 किलो था। अगर आतंकी इन आइईडी को कहीं पर फिट करके धमाका कर देते तो तबाही मच सकती थी। आतंकी ठिकाना ध्वस्त करने के बाद भी जंगल के अन्य भागों तलाशी अभियान जारी है।

खुफिया एजेंसियों से सुरक्षाबल इनपुट मिले थे कि चुनाव के दौरान आतंकी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। आतंकियों ने पुंछ जिले के मेंढर और सुरनकोट के पास जंगली क्षेत्र में ठिकाना बना रखा है।

पुंछ जिले के जंगल में आतंकी ठिकाने से बरामद आइईडी। सौजन्यः पुलिस

इस ठिकाने में गोला-बारूद जमा कर रखा है। इस सूचना के बाद पुलिस के विशेष आपरेशन ग्रुप, सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ के जवानों ने जंगली क्षेत्र को घेरकर अभियान शुरू कर दिया। एक जगह गुफा में चट्टानों के बीच आतंकी ठिकाना मिला। इसकी तलाशी ली गई तो वहां तीन आइईडी मिलीं। इसके अलावा बिजली के तार का बंडल, आइईडी विस्फोट करने के लिए बैटरी, दवाई और कपड़े बरामद किए गए।

हिरासत में मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा से मांगा जवाब

- पुलिस अधिकारियों के खिलाफ की गई है केस दर्ज करने की मांग
- मृतक के भाई ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश को दी है चुनौती

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है, जिनकी हिरासत में हरियाणा के फरीदाबाद जिले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। जस्टिस सुधांशु धूलिया और पीबी वराले की पीठ ने मृतक के भाई आनंद राय कौशिक की याचिका पर हरियाणा सरकार और राज्य के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। मामले में अगली सुनवाई 26 जुलाई को होगी।

वकील राहुल गुप्ता के जरिये दायर याचिका में आनंद राय कौशिक ने पिछले साल 28 नवंबर के पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज करने और मामले की जांच सीबीआइ या किसी अन्य एजेंसी को सौंपने की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि 25 जुलाई, 2013 को उनके भाई सतेंद्र कौशिक की फरीदाबाद के एनआइटी पुलिस स्टेशन में हिरासत के दौरान मौत हो गई थी। आनंद कौशिक ने यह भी दावा किया है कि पुलिस ने उनके भाई को एक होटल मैनेजर की शिकायत पर कोई एफआइआर दर्ज किए बगैर ही हिरासत में ले लिया था। होटल मैनेजर ने सतेंद्र कौशिक पर बिल का भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया था। पुलिस का कहना है कि सतेंद्र कौशिक ने पुलिस स्टेशन के शौचालय की खिड़की से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

नर्स के पति को मुआवजे से इन्कार पर महाराष्ट्र सरकार को फटकार

- हाई कोर्ट ने कहा, आप इतने असंवेदनशील कैसे हो सकते हैं
- नर्स की 2020 में कोविड-19 के संक्रमण से हो गई थी मौत

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने महामारी के दौरान मरीजों का इलाज करते हुए कोविड-19 से अपनी जान गंवाने वाली एक नर्स के पति को 50 लाख रुपये का मुआवजा देने से इन्कार करने और 'असंवेदनशील' दृष्टिकोण अपनाने के लिए बुधवार को महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई। जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस फिरदौस पूनीवाला की खंडपीठ ने कहा कि मुआवजा राशि नहीं देने का सरकार का आदेश विवेक का इस्तेमाल किए बगैर पारित किया गया। जस्टिस कुलकर्णी ने कहा, 'आप इतने असंवेदनशील कैसे हो सकते हैं? जान गंवाने वाली महिला एक नर्स थी जो कोविड-19 से संक्रमित रोगियों का इलाज कर रही थी। ऐसे मामले को खारिज कैसे किया जा सकता है? इन मामलों से अधिक सावधानी से निपटने की जरूरत है।' अदालत ने कहा कि नर्स ने अस्पताल में लंबे समय तक काम किया होगा और उसके पास एक कप चाय पीने का भी समय नहीं रहा होगा। अदालत सुधाकर पवार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में नवंबर, 2023 में सरकार द्वारा पारित उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें मुआवजे की मांग संबंधी उनके आवेदन को खारिज कर दिया गया था। उनकी पत्नी अनीता राठौड़ पवार पुणे के ससून जनरल अस्पताल में सहायक नर्स के रूप में कार्यरत थीं। महामारी के दौरान वह कोविड-19 योद्धाओं की उस टीम का हिस्सा थीं, जिन्होंने अस्पताल में कोरोना वायरस संक्रमित रोगियों का इलाज किया था। अप्रैल, 2020 में महामारी के दौरान वह भी इस बीमारी की चपेट में आ गई थीं और उनकी जान चली गई थी।

याचिकाकर्ता ने कहा कि मुआवजा राशि के उनके आवेदन को इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि पत्नी का स्वास्थ्य कोविड-19 होने से पहले ही खराब था। याचिकाकर्ता ने ससून अस्पताल के डीन द्वारा प्रस्तुत मेडिकल रिपोर्ट पर भरोसा जताया जिसमें कहा गया था कि कोरोना से संक्रमित होने से पहले अनीता का स्वास्थ्य ठीक था। पीठ ने रिपोर्ट पर गौर करने के बाद कहा कि पहली नजर में याचिकाकर्ता मुआवजा राशि का हकदार है। पीठ ने सरकार को हलफनामा दायर कर यह बताने का निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को मुआवजा राशि देने से इन्कार करने का आदेश क्यों रद नहीं किया जाना चाहिए।

डीआरटी पीठासीन अधिकारी ने निलंबन को दी चुनौती

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी), चंडीगढ़ के पीठासीन अधिकारी एमएम धौंचक द्वारा अपने निलंबन को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है। पीठासीन अधिकारी ने अपने निलंबन की कार्रवाई को अवैध, अनुचित और मनमाना बताया है। मामले में अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

एमएम धौंचक ने केंद्र सरकार द्वारा 13 फरवरी को जारी आदेश को चुनौती दी है। इसमें उन्हें निलंबित करने के साथ-साथ 26 फरवरी को उनके खिलाफ दायर आरोप पत्र भी शामिल है। पीठासीन अधिकारी पर आरोप मामलों को लंबे समय तक स्थगित करने के संबंध में है, जिसके कारण ऋण वसूली की गति धीमी हुई है। उन पर वकीलों के प्रति अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया गया है। पीठासीन अधिकारी के अनुसार निलंबन और आरोप पत्र गैरकानूनी है और बिना विचार किए पारित किया गया है। धौंचक ने मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर तर्क दिया कि पूरे भारत में डीआरटी के अन्य पीठासीन अधिकारियों की तुलना में उनका प्रदर्शन कहीं अधिक बेहतर होने के बावजूद उन पर ऋणों की वसूली को धीमा करने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि निलंबन आदेश और आरोपपत्र जारी करना बिना किसी कानूनी या तथ्यात्मक आधार के था। उन्होंने तर्क दिया कि उन पर बिना किसी आधार के उनके सामने पेश होने वाले अधिवक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है।

****

14 लोगों की मौत हो गई पाकिस्तान में बिजली गिरने और भारी बारिश के कारण। इसके साथ ही गत चार दिनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 63 हो गई है। अधिकतर मौतें खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुई हैं।

ईरान पर जवाबी हमले के लिए इजरायल तैयार

इजरायली नेताओं से भेंट के बाद ब्रिटिश विदेश मंत्री ने कही यह बात

यरुशलम, रायटर: इजरायल ईरान के हवाई हमले का जवाब देगा। वह तैयार है और बेहतर स्थितियों का आकलन कर रहा है। यह बात इजरायल की यात्रा पर आए ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने इजरायली नेताओं से भेंट के बाद कही है। वहीं ईरानी राष्ट्रपति इब्राहीम रईसी ने सेना दिवस पर आयोजित परेड को संबोधित करते हुए कहा कि इजरायल के हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

ईरान ने कहा है कि वह इजरायली हमले से निपटने को तैयार है। इसके बाद इजरायल को भी करारा जवाब झेलने पड़ेगा। वायुसेना प्रमुख ने कहा, हमारे लड़ाकू विमान कार्रवाई के लिए तैयार हैं। इस बीच जवाबी हमले के समय व तरीके पर विचार के लिए इजरायल की वार कैबिनेट की बुधवार को भी बैठक हुई पर अमेरिका, रूस सहित विश्व के सभी प्रमुख देश दोनों देशों के टकराव को टालने की कोशिश में लगे हैं। उन्होंने दोनों से संयम बरतने को कहा है।

रविवार रात तीन बजे ईरान ने इजरायल पर 300 से ज्यादा ड्रोन व मिसाइल दागीं थी। इनमें से 99 प्रतिशत को आकाश में ही नष्ट करने का दावा करते हुए इजरायल ने उसी दिन से जवाबी हमले की योजना पर विचार शुरू कर दिया था। उसके बाद से प्रतिदिन प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अध्यक्षता में वार कैबिनेट की बैठक हो रही है। जवाबी हमले के समय और तरीके को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। ईरान ने एक अप्रैल को सीरिया में अपने दूतावास पर हुए हवाई हमले के जवाब में इजरायल पर हमला किया था। उस हमले में दो ईरानी जनरलों समेत 13 लोग मारे गए थे। ईरान ने इसके लिए इजरायल पर शक जताया था। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के इजरायल पर हमले के बाद से दोनों देशों में छद्म युद्ध तेज हुआ है।

डेविड कैमरन। फाइल

▸ अमेरिका की हरी झंडी के बगैर ईरान पर कार्रवाई का समय तय नहीं हो पा रहा

हिजबुल्ला के हमले, 14 इजरायली सैनिक घायल

यरुशलम, रायटर: ईरान समर्थित लेबनान के सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला ने बुधवार को इजरायल के उत्तरी क्षेत्र में स्थित सैन्य ठिकाने पर मिसाइलों व ड्रोन से हमला किया, जिसमें 14 सैनिक घायल हो गए। इनमें छह की हालत गंभीर है। हमले के बाद सैन्य ठिकाने में आग भी लग गई। मंगलवार को दक्षिणी लेबनान स्थित हिजबुल्ला के ठिकाने पर इजरायल के हवाई हमले में सशस्त्र संगठन के एक कमांडर समेत तीन लोग मारे गए थे। बुधवार को गाजा पट्टी के मध्य के 40 ठिकानों को इजरायली सेना ने निशाना बनाया। बताया गया है कि ये ठिकाने हमास और इस्लामिक जिहाद ग्रुप से संबंधित थे। इस कार्रवाई में मारे गए लोगों की संख्या का अभी पता नहीं लगा है। मिस्र सीमा पर स्थित रफाह शहर में इजरायल के हवाई हमले में सात लोगों के मारे जाने की सूचना है।

इजरायल ऐसे दे सकता है ईरान को जवाब

इजरायल ईरान के हमले का जवाब देने के लिए सही समय और मौके का इंतजार कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने ईरान के मिसाइल हमले का मजबूती से जवाब देने का वादा किया है। आईये जानते हैं कि इजरायल हमले के लिए किन विकल्पों को चुन सकता है।

ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हवाई हमला

इजरायल ईरान में हवाई हमला करके जवाब दे सकता है। ईरान का एयर डिफेंस इजरायल और उसके सहयोगियों की तुलना में काफी कमजोर माना जाता है। इजरायल और उसके सहयोगियों के पास बहुस्तरीय एयर डिफेंस सिस्टम है। इजरायल हवाई हमला करके ईरान की रणनीतिक जगहों जैसे रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के बेस या परमाणु सुविधाओं को निशाना बना सकता है। हालांकि यह विकल्प बहुत आक्रामक और सबसे अधिक जोखिम वाला होगा। ईरान भी इस तरह के हमले का जवाब देने के लिए मजबूर हो सकता है। इससे इजरायल और ईरान के बीच युद्ध भी शुरू हो सकता है।

सैन्य प्रतिष्ठानों को बना सकता है निशाना

इजरायल हवाई हमला करके या साइबर आपरेशन के जरिये ईरान के सैन्य प्रतिष्ठानों या महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना सकता है। ईरान के क्षेत्र में इस तरह के हमले में नागरिकों की जान माल का कम से कम नुकसान होगा और यह ईरान के लिए एक कड़ा संदेश होगा। इजरायल के लिए ईरान की जमीन पर मिसाइल या ड्रोन हमला एक बड़ा कदम होगा। हालांकि इजरायल पहले भी ऐसा कर चुका है।

ईरान समर्थक समूहों पर हमला

सीधे ईरान की जमीन पर हमला करने के बजाए इजरायल ईरान समर्थक समूहों जैसे लेबनान में हिजबुल्ला और यमन में हाउती को निशाना बना सकता है। ईराक और सीरिया में भी समूह हैं, जिनको ईरान वित्तीय मदद और हथियार मुहैया कराता है और वे इजरायल पर हमला करते हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर साइबर हमला

इजरायल पर वर्षों से ईरान के नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर साइबर हमले करने के साथ ईरान के परमाणु वैज्ञानिकों की हत्या करने और खुफिया आपरेशन का आरोप लगता रहा है। इजरायल ने कभी भी इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। ऐसे में इजरायल ईरान पर साइबर हमले के जरिये पेट्रोल पंप से लेकर औद्योगिक संयंत्र और परमाणु सुविधाओं को निशाना बना सकता है।

ईरान को अलग-थलग करना

इजरायल ने सैन्य विकल्पों पर विचार करते हुए ईरान को अलग-थलग करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को भी तेज कर दिया है। इसमें ईरान पर और कड़े प्रतिबंध भी शामिल हैं। अमेरिका पहले ही कह चुका है कि वह ईरान के मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रम पर नए प्रतिबंध लगाएगा। अमेरिका को उम्मीद है कि उसके सहयोगी देश भी ईरान के खिलाफ इस तरह के कदम उठाएंगे। इजरायल यूरोप के देशों पर दबाव बना रहा है कि वे रिवोल्यूशनरी गार्ड्स को आतंकवादी संगठन घोषित करें।

ताइवान स्ट्रेट से अमेरिकी विमान गुजरा, चीन ने निगरानी को भेजे फाइटर जेट

बीजिंग, रायटर: अमेरिकी नौसेना का गश्ती और टोही विमान बुधवार को संवेदनशील माने जाने वाले ताइवान स्ट्रेट से गुजरा। इसके बाद, चीन ने कहा कि उसने निगरानी और चेतावनी देने के लिए अपने फाइटर जेट भेजे हैं। एक दिन पहले ही दोनों देशों के रक्षा प्रमुखों ने संबंधों को सुधारने के लिए फोन पर बातचीत की थी। दोनों नेताओं के बीच यह नवंबर 2022 के बाद पहली बातचीत थी।

अमेरिका के सातवें बेड़े की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि नौसेना का पी-8ए पोसीडान बुधवार को ताइवान स्ट्रेट से गुजरा। पोसीडान ने अंतरराष्ट्रीय वायु क्षेत्र में उड़ान भरी। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन किया गया। बयान में कहा गया है कि अमेरिका सभी देशों के नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता का समर्थन करता है।

ताइवान स्ट्रेट से विमान का गुजरना मुक्त हिंद प्रशांत क्षेत्र के अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं चीनी सेना ने इसे सार्वजनिक प्रचार की संज्ञा दी। साथ ही कहा कि चीन ने निगरानी और कानून के अनुसार खतरों से निपटने के लिए अपने फाइटर जेट भेजे थे। चीन के पूर्वी कमान की ओर से कहा गया है कि यहां सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहती है। ज्ञात हो ताइवान को लेकर चीन का रुख हमेशा आक्रामक रहता है।

ईरान ने डूबते टैंकर से 21 श्रीलंकाई क्रू को बचाया

दुबई, रायटर : ओमान की खाड़ी में बुधवार को एक टैंकर डूब गया। ईरानी प्राधिकरण ने कहा कि उसने कुक-आइलैंड ध्वजांकित टैंकर से श्रीलंकाई चालक दल के 21 सदस्यों को बचा लिया। स्टेट न्यूज एजेंसी इरना की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के जस्क तट से 50 किलोमीटर दूर तूफान के कारण अज्ञात टैंकर फंस गया और डूबने लगा। इरानी अधिकारियों ने तत्काल टैंकर के पास पहुंच चालक दल के सदस्यों को बचा लिया। इनमें से अस्वस्थ महसूस कर रहे पांच सदस्यों को जस्क इमरजेंसी सेवा की ओर से चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। उनकी हालत अब ठीक है। रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि यह बचाव कार्य कब हुआ।

उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में समुद्र में कई हादसे हुए है। भारतीय नौसेना के जांबाजों ने ऐसे कई हादसों की जानकारी मिलते ही राहत और बचाव अभियान चलाया। इसके चलते विभिन्न देशों के लोगों को बचाया जा सका।

सीमा पार आतंकवाद पर भारत-पाक के बीच नहीं पड़ेंगे : अमेरिका

वाशिंगटन, प्रेट्र: सीमा पार आतंकवाद को लेकर पीएम नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर अमेरिका ने फिर कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच में नहीं पड़ेगा। बाइडन प्रशासन ने कहा, हालांकि, वह दोनों देशों को वार्ता के जरिये लंबित मुद्दे हल करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

▸ विदेश विभाग के प्रवक्ता कहा, दोनों देशों से लंबित मुद्दों को वार्ता से हल करने को प्रोत्साहित करेंगे

▸ आतंकियों को घुसकर मारने के राजनाथ व मोदी के बयान पर मैथ्यू मिलर ने दी प्रतिक्रिया

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर मंगलवार को प्रेसवार्ता में भारत द्वारा आतंकियों को सीमापार घुसकर मारने के बयान को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। संवाददाताओं द्वारा पीएम मोदी और राजनाथ के बयान को भड़काऊ बताकर पूछा गया कि हाल में खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में हत्या और खालिस्तान समर्थक दूसरे आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की न्यूयार्क में हत्या के प्रयास को लेकर विवाद हो चुका है। इसके अलावा हाल के दिनों में पाकिस्तान में भारत द्वारा वांछित आतंकियों की हत्या को लेकर पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया है। इस पर मैथ्यू मिलर ने कहा कि हम इस मामले में नहीं पड़ेंगे।

हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि आतंकी यदि भारत की शांति में दखल देंगे या आतंकी गतिविधियां में शामिल होंगे तो हम उन्हें करारा जवाब देंगे। इतना ही नहीं यदि वे पाकिस्तान फरार हो जाएंगे तो भारत उन्हें घुसकर मारेगा। इसी से मिलती जुलती बातें पीएम मोदी भी कह चुके हैं। ब्रिटिश समाचार पत्र द गार्जियन ने आरोप लगाया था कि भारतीय खुफिया एजेंसियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बने आतंकियों का विदेशी धरती पर खात्मा करने में जुटी हैं।

अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट ने कहा, निस्संदेह भारत में मोदी युग

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट थिंक टैंक के विशेषज्ञ सदानंद धूमे ने कहा है कि जैसा दिख रहा है कि भारत के लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा स्पष्ट रूप से आगे है और वापसी करने को तैयार है। जाहिर तौर पर भारतीय संदर्भ में यह अभूतपूर्व है।

दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञ धूमे ने कहा, हम जो देख रहे हैं वह 1960 के दशक की शुरुआत के बाद पहली बार होगा कि सत्तारूढ़ दल लगातार तीन राष्ट्रीय चुनाव जीतने के लिए तैयार दिख रही है। भारत में निस्संदेह मोदी युग है। मेरा मतलब है, हम एक युग में रह रहे हैं। 2015 से अमेरिकी राजनीति में ट्रंप युग रहा है, भले ही वह सत्ता में हों या नहीं। 2013 से भारत में स्पष्ट रूप से मोदी युग आ गया है। वे राष्ट्रीय बातचीत का केंद्र बिंदु हैं। चाहे आप उनसे प्यार करते हों या नफरत।

1960 के दशक के बाद पहली बार सत्तारूढ़ पार्टी लगातार तीसरी बार जीतने को तैयार दिख रही

धूमे ने कहा, कांग्रेस दुनिया भर में सफल राजनीतिक दलों की तरह नेतृत्व उत्तराधिकार की व्यवस्था का पता नहीं लगा पाई है। अमेरिका में चाहे लेबर पार्टी हो, कंजर्वेटिव या डेमोक्रेटिक, जब आप चुनाव हारते हैं तो नया नेतृत्व मिल जाता है। कांग्रेस यह नहीं जानती कि यह कैसे करना है, क्योंकि यह परिवार संचालित पार्टी बन गई है। कांग्रेस मानती कि गांधी परिवार ही गत 50 वर्षों से एकजुट करने वाला एकमात्र सहारा है। यह अब महात्मा गांधी और स्वतंत्रता संग्राम की पार्टी नहीं है।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू भ्रष्टाचार में फंसे, विपक्ष ने मांगा इस्तीफा

माले, प्रेट्र: मालदीव में संसदीय चुनाव से पूर्व विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति मुहम्मद मुइज्जू पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए जांच और उनके खिलाफ महाभियोग की मांग की है। ये आरोप 2018 के मामलों में भ्रष्टाचार होने के हैं। मुइज्जू ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

▸ मालदीव में संसदीय चुनाव से पहले घोटाला आया सामने

2018 के मामले में मुइज्जू के खाते में आया था धन

मालदीव की संसद मजलिस के लिए रविवार को मतदान होना है। इससे पहले सत्ता पक्ष की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) और मुख्य विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के बीच आरोपों का दौर चल रहा है। इन आरोपों में गर्माहट सोमवार को तब आई जब इंटरनेट मीडिया एक्स पर हसन कुरुसी के अकाउंट से एक खुफिया रिपोर्ट पोस्ट की गई। यह रिपोर्ट मालदीवियन मोनेटरी अथारिटी की फाइनेंशियल इंटेलीजेंस यूनिट (एफआइयू) के दस्तावेजों पर आधारित है। इस रिपोर्ट में राष्ट्रपति मुइज्जू के भ्रष्टाचार में लिप्त होने का जिक्र है। रिपोर्ट में दस स्थानों पर लाल रंग से गड़बड़ी होने को इंगित किया गया है। जिस मामले में मुइज्जू के भ्रष्टाचार में लिप्त होने का जिक्र है वह 2018 का है। इसमें मुइज्जू के निजी बैंक खाते में गलत तरीके धन स्थानांतरित किए जाने की जानकारी दी गई थी। इस प्रकार से मुइज्जू आर्थिक कदाचार के दायरे में आते हैं और उसके आधार पर उनके खिलाफ जांच शुरू हो सकती है।

एक्स पर इस पोस्ट के आते ही विपक्ष सक्रिय हो गया। विपक्षी दल एमडीपी और पीएनएफ ने मामले की जांच की मांग कर दी। जांच प्रभावित न हो, इसके लिए विपक्ष ने मुइज्जू से पद छोड़ने की मांग की है। ऐसा न करने पर पूर्व उप राष्ट्रपति डा. मुहम्मद जमील अहमद ने मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग लाने की मांग की है।

यूएन कर्मचारियों पर चीन से मिलीभगत का गंभीर आरोप

लंदन, एएनआइ: मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की पूर्व कर्मचारी एम्मा रीली ने संयुक्त राष्ट्र व चीन के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। ब्रिटिश संसद की विदेशी मामलों की समिति ने बहुलवादी प्रणाली में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के इस लिखित साक्ष्य को प्रकाशित किया है। व्हिसिलब्लोअर के रूप में काम कर रहीं रीली ने जांच समिति के समक्ष अपनी गवाही में संयुक्त राष्ट्र पर चीन सरकार का पक्ष लेने को खतरनाक बताया।

ब्रिटिश संसद की विदेशी मामलों की समित ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। रीली ने आरोप लगाया कि सतत विकास लक्ष्यों की दो साल की बातचीत के दौरान बीजिंग ने महासभा सत्र के दो पूर्व अध्यक्षों को रिश्वत दी, जिन्होंने अंततः प्रक्रिया की देखरेख की और महासभा में रखे गए अंतिम पाठों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। कहा, चीन ताइवान से राजनयिक संबंध रखने वाले देशों को धन मुहैया न कराने को लेकर संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों पर गुप्त शर्तें भी थोपता रहा है। रीली ने लिखित साक्ष्य में मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय में मानव अधिकार परिषद की शाखा के प्रमुख पर गंभीर आरोप लगाए और कहा, फ्रांसीसी नागरिकता रखने वाले इस शख्स ने परिषद में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं के बारे में अग्रिम सूचनाएं दीं। यूएन सचिवालय ने एनजीओ प्रतिनिधियों के नाम चीन को पहले ही बता दिए। कहा, उन प्रतिनिधियों ने बताया कि इससे उनके स्वजन को चीन पुलिस ने प्रताड़ित किया। उन्हें उनकी वकालत बंद करने के लिए फोन करने को विवश किया गया। कई को बिना कारण जेल में डाला गया। उइगरों को एकांत शिविरों में रखकर प्रताड़ित किया गया।

▸ ब्रिटेन की विदेशी मामलों की समिति के समक्ष व्हिसिलब्लोअर की गवाही से सनसनी

▸ एम्मा रीली ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा चीन सरकार का पक्ष लेने को बताया बहुत ही खतरनाक

बढ़ती गर्मी की वजह से सू की को जेल से हटाकर घर में नजरबंद किया

बैंकाक, एपी : म्यांमार में आंग सान सू की को जेल से निकालकर घर में नजरबंद कर दिया गया है। म्यांमार सरकार के अनुसार, यह कदम बढ़ती गर्मी के बीच उनके स्वास्थ्य संबंधी परेशानी को देखते हुए उठाया गया है। साथ ही सरकार ने पारंपरिक नववर्ष के उपलक्ष्य में 3000 कैदियों को माफी दी गई है।

सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल जा मिन टुन ने कहा, 78 वर्षीय सू की के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति विन मिंट को भी जेल से निकालकर घर में नजरबंद कर दिया गया है। हालांकि, देश में सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा नहीं की गई है।

म्यांमार की पूर्व नेता सू की 27 वर्ष की जेल की सजा काट रही हैं। ये सजा कई आपराधिक मामलों में दी गई है। उनके समर्थक इसे राजनीति से प्रेरित मान रहे हैं। वहीं, विन मिंट म्यांमार के बागो क्षेत्र में आठ वर्ष की सजा काट रहे हैं। म्यांमार में संघर्ष तब शुरू हुआ था जब वर्ष 2021 में चुनी गई सरकार को सेना की ओर से अपदस्थ कर दिया गया था और सू की को कैद कर दिया गया था।

क्लाउड सीडिंग हो सकती है यूएई में भारी बारिश की वजह

दुबई, एपी: संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में मंगलवार को हुई भारी बारिश की एक वजह 'क्लाउड सीडिंग' हो सकती है। इसमें छोटे विमान बादलों के बीच से गुजरने के दौरान विशेष रसायन का छिड़काव करते हुए जाते हैं। इस रसायन से बादल संघनित होते हैं और इसके प्रभाव से बारिश होती है। विज्ञानी जलवायु परिवर्तन को भी ऐसी मौसमी घटनाओं का कारण मान रहे हैं।

सोमवार से शुरू होकर मंगलवार को पूरे दिन बहरीन, ओमान, कतर और सऊदी अरब में भी बारिश हुई, पर यूएई में बारिश तेज थी। सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम ने इसे मौसम की ऐतिहासिक घटना कहा जो 1949 में आंकड़ों का एकत्रीकरण शुरू होने के बाद से दर्ज बारिश के किसी भी आंकड़े से अधिक रही। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों के हवाले से बताया गया कि भारी बारिश से पहले उन्होंने छह या सात क्लाउड सीडिंग उड़ानें संचालित की थीं। हालांकि मौसम विज्ञान केंद्र ने इस बारे में बुधवार को कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी। फ्लाइट ट्रैकिंग डाटा के विश्लेषण से पता चला कि यूएई के क्लाउड सीडिंग प्रयासों से जुड़े एक विमान ने सोमवार को देश के ऊपर उड़ान भरी थी। यूएई अपने घटते भूजल का स्तर बढ़ाने के लिए क्लाउड सीडिंग का सहारा लेता है। दुबई में मंगलवार रात तक 24 घंटों में 5.59 इंच बारिश हुई, जबकि एक औसत वर्ष में दुबई इंटरनेशल एयरपोर्ट पर 3.73 इंच बारिश दर्ज होती है। अबुधाबी में अल ऐन के पास अल-शकला में मंगलवार को सबसे अधिक (10 इंच) बारिश हुई। यूएई के पूर्वी तट पर स्थित अमीरात फुजैरा में 5.7 इंच बारिश दर्ज की गई। यूएई में बुधवार को भी स्कूल बंद रहे और सरकारी कर्मचारियों ने यथासंभव घर से काम किया। सड़कों व राजमार्गों से पानी निकालने के लिए प्रशासन ने टैंकर लगाए हैं। मलबा भी हटाया जा रहा है। लोगों के घरों तक में पानी भरा है। राहत की बात यह है कि जान-माल का ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है।

▸ दुबई में एक दिन में हो गई सालभर से अधिक बारिश

▸ सड़कों से पानी निकालने व मलबा हटाने का काम जारी

दुबई में भारी बारिश के बाद हालात बद से बदतर हो गए। बुधवार को भी प्रमुख मार्गों पर जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हुआ और कई स्थानों पर वाहन डूब गए। रायटर

पुलिस ने बताया कि वाहन बह जाने से रास अल खैमाह में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। दुनिया के सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डों में से एक दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टैक्सीवे पर जलभराव के कारण मंगलवार रात विमानों का आवागमन रोक दिया गया। एयरपोर्ट ने स्वीकार किया कि जलभराव की वजह से परिचालन के विकल्प सीमित रह गए और उड़ानें प्रभावित हुई हैं क्योंकि विमानों के चालक दल हवाई अड्डे तक नहीं पहुंच सके। परिचालन सामान्य होने में कुछ समय लगेगा। एयरपोर्ट के सीईओ पाल ग्रिफिथ ने बताया कि जलभराव की स्थिति बुधवार सुबह भी बनी रही, लिहाजा कुछ विमानों को दुबई के ही अल मकतोम एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। कई एयरलाइनों ने दुबई से आने-जाने वाली कई उड़ानों को रद कर दिया है।

घर बनाने का उत्तर कोरिया में मना शानदार जश्न

उत्तर कोरिया ने राजधानी प्योंगयांग में दस हजार आवासीय भवनों के निर्माण का दूसरा चरण पूरा होने का बुधवार को जश्न मनाया और जमकर आतिशबाजी की। समारोह में कोरियाई लीडर किम जोंग उन भी सम्मिलित हुए। दो लाख से अधिक लोग इस जश्न में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया की आठवीं कांग्रेस के दौरान 2025 तक प्योंगयांग में 50,000 आवास या प्रतिवर्ष 10,000 घर बनाने का लक्ष्य बनाया था। एएफपी

सिंध की हाई कोर्ट ने कहा, हफ्तेभर में एक्स का निलंबन रद करे गृह मंत्रालय

कराची, प्रेट्र: पाकिस्तान में 17 फरवरी से लगातार एक्स पर रोक जारी है। सिंध हाई कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए गृह मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह निलंबन को लेकर जारी अपने फैसले को हफ्ते भर में वापस ले। याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अकील अहमद अब्बासी ने कहा कि ऐसा लगता है कि एक्स की सेवा निलंबित करने को लेकर उचित तर्क नहीं दिया गया है। अगर मंत्रालय निर्देश को वापस नहीं लेता है तो वह आदेश जारी करेंगे। सुनवाई नौ मई तक स्थगित कर दी गई है।

वहीं, गृह मंत्रालय ने एक्स पर प्रतिबंध के संबंध में एक अन्य केस में इस्लामाबाद हाई कोर्ट को सूचना दी है कि एक्स सरकार की चिंताओं का हल मुहैया कराने में नाकाम रही है। इंटरनेट प्लेटफार्म पर अपलोड कंटेंट राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। सार्वजनिक व्यवस्था को बरकरार रखने और राष्ट्र की एवं अंखडता को सुरक्षित रखने के लिए रोक लगाई गई थी।

▸ दो महीने से इंटरनेट प्लेटफार्म की सेवा बाधित, अपलोड कंटेंट को सुरक्षा के लिए खतरा बताया

तोशाखाना वाहन मामले में नवाज शरीफ को क्लीन चिट: राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने तोशाखाना वाहन मामले में पूर्व पीएम नवाज शरीफ को क्लीन चिट दे दी है। एनएबी ने बुधवार को कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट में कहा, 1997 में सऊदी अरब सरकार द्वारा नवाज को उपहार में दिया गया वाहन तोशाखाना को सौंपा गया था। बाद में इसे संघीय परिवहन पूल में शामिल किया गया। नवाज ने 2008 में यहीं से वाहन खरीदा था। अतः मामले में तोशाखाना के लाभों की प्रासंगिकता नहीं बनती। नवाज को बरी कर दिया जाए।

पीएमएल-एन ने एक दिन में खो दीं संसद की दो सीटें : सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने दो नेशनल असेंबली सीटें खो दीं, क्योंकि लाहौर हाई कोर्ट की अलग-अलग पीठों ने गुजरांवाला व लोधरान से उसके सांसदों की जीत की अधिसूचना रद कर दी है।

भारत व दुबई के बीच 30 से ज्यादा उड़ानें रद

नई दिल्ली, प्रेट्र : यूएई में भारी बारिश के कारण भारत-दुबई के बीच संचालित होने वाली 30 से ज्यादा उड़ानें मंगलवार और बुधवार को रद करनी पड़ीं। इनमें एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो, एमिरेट्स और स्पाइस जेट एयरलाइंस की उड़ानें शामिल हैं।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि एयरलाइन प्रभावित यात्रियों को अगले कुछ दिनों में अन्य उड़ानों में समायोजित कर उनके गंतव्य तक पहुंचाने की प्रयास कर रही है। साथ ही 16 और 17 अप्रैल का वैध टिकट रखने वाले यात्रियों को तिथि बदलने की छूट दे रही है ताकि वे वे अपनी फ्लाइट रिशेड्यूल कर सकें। एअर इंडिया देश के विभिन्न शहरों से दुबई के लिए हफ्तेभर में 72 उड़ानों का परिचालन करती है। एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को दिल्ली एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली 10 उड़ानें और आने वाली नौ उड़ानें रद हुईं। एअर इंडिया एक्सप्रेस की यूएई की तीन-चार उड़ानें विलंबित हुईं और सात को रद करना पड़ा। एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों को फुल रिफंड व फ्री रिशेड्यूलिंग का विकल्प दिया है।

यूक्रेन पर रूसी हमले में 17 की मौत, 60 से अधिक घायल

कीव, रायटर: यूक्रेन के शहरों पर रूसी हमले जारी हैं। उसने बुधवार को उत्तरी यूक्रेन के शहर चेर्नेहिव को निशाना बनाया। मिसाइल हमले में 17 नागरिकों की मौत हो गई और तीन बच्चों समेत 60 से अधिक घायल हो गए। हमले में नागरिक ढांचे व अस्पताल को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के कुछ घंटे बाद पश्चिमी देशों से हथियारों की आपूर्ति की मांग की, जिससे रूस को जवाब दे सकें।

चेर्निहिव के कार्यवाहक मेयर ओलेक्जेंडर लोमेको ने बताया कि बुधवार सुबह नौ बजे के बाद शहर के व्यस्त क्षेत्र में तीन धमाके हुए, जिसमें एक बहुमंजिला इमारत ध्वस्त हो गई। आंतरिक मंत्री इहोर क्लीमेंको ने टेलीग्राम एप पर लिखा-बचाव कार्य जारी है। हमले में लोगों की जान जाने के अलावा चार बहुमंजिला इमारतों, एक अस्पताल, एक शैक्षणिक संस्थान, दर्जनभर कारों को नुकसान पहुंचा है। कहा, रूस ने हमले में तीन इस्कंदर क्रूज मिसाइलों का प्रयोग किया। वहीं, रूस ने नागरिकों व नागरिक ढांचों पर हमले से इन्कार किया है। रूस, यूक्रेन के एयर डिफेंस को निशाना बना रहा है। यूक्रेन को अमेरिका से फंड नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि कांग्रेस (संसद) में रिपब्लिकन ने इसे महीनों से रोक रखा है। वहीं यूरोपीय संघ समय से हथियारों की आपूर्ति करने में विफल रहा है।

▸ हमले में नागरिक ढांचे और अस्पताल को भी पहुंचा नुकसान

▸ रूस को जवाब देने के लिए जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से मांगी मदद

हमारे पास नहीं बचीं हैं मिसाइलें: जेलेंस्की: यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पीबीएस न्यूजआवर को दिए साक्षात्कार में कहा, हम बिजली संयंत्रों पर रूस के हवाई हमलों को विफल नहीं कर सके, क्योंकि हमारे पास अब मिसाइलें नहीं बची हैं। रूस ने त्रिपिल्स्का बिजली संयंत्र पर 11 मिसाइलें दागी थीं। हमने सात को नष्ट कर दिया था, पर बाद की मिसाइलों ने संयंत्र तबाह कर दिया।

****

टी-20 आइपीएल 17

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
चहल	राजस्थान	12
बुमराह	मुंबई	10
मुस्तफिजुर	चेन्नई	10

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
विराट कोहली	आरसीबी	361
रियान पराग	राजस्थान	318
सुनील नारायण	केकेआर	276

इंपैक्ट प्लेयर नियम आने के बाद गेंदबाजों का बचकर निकलना मुश्किल : मोहित शर्मा

कई फ्रेंचाइजियों और भारतीय टीम में खेल चुके तेज गेंदबाज मोहित शर्मा 35 वर्ष की उम्र में गुजरात टाइटंस के लिए कमाल दिखा रहे हैं। उन्होंने अपनी गेंद से विपक्षी खिलाड़ियों को बांधने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उनकी यह अदा चर्चा का विषय बनी हुई है। पिछले आइपीएल सत्र में 27 विकेट लेने वाले गुजरात टाइटंस के गेंदबाज मोहित शर्मा का कहना है कि इंपैक्ट प्लेयर नियम आने के बाद से गेंदबाजों के लिए ज्यादा कुछ बचा नहीं है। टी-20 बल्लेबाजों का खेल बन गया है। हालांकि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वह गेंदबाजी में सफल रहे हैं। इस सत्र में अब तक आठ विकेट ले चुके **मोहित शर्मा से अभिषेक त्रिपाठी** ने विशेष बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश :-

साक्षात्कार

● गुजरात टाइटंस के लिए अब तक सत्र मिलाजुला रहा है। इस पर क्या कहेंगे?

-हां, बिल्कुल हमारे लिए अब तक सत्र मिलाजुला रहा है, लेकिन मेरी नजर में नतीजे से ज्यादा आप टीम के रूप में कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं, कैसे एक इकाई के रूप में खेल रहे हैं, वह ज्यादा महत्व रखता है। अभी टूर्नामेंट काफी बचा है। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि नतीजे हमारे पक्ष में रहेंगे, लेकिन सबसे जरूरी है कि आप कैसी तैयारी के साथ मैदान पर उतरते हैं। टीम का माइंडसेट बहुत अच्छा है और आशा है कि आने वाले मैचों में हम अपनी तैयारियों के अनुसार प्रदर्शन करेंगे।

● आइपीएल में इस बार कई मैचों में 250 से ऊपर का स्कोर बना है। एक गेंदबाज के रूप में क्या यह आपको चकित करता है?

-मैं इससे आश्चर्यचकित नहीं हूं। मेरा मानना है कि इंपैक्ट प्लेयर का नियम आने के बाद से 20 से 25 रन स्कोर में अपने आप बढ़ गए हैं। जहां पहले आठ नंबर से आपके गेंदबाज बल्लेबाजी करने उतरते थे, अब इंपैक्ट प्लेयर नियम के बाद आठ नंबर पर आपको एक विशुद्ध बल्लेबाज दिखता है। नौवें नंबर पर आपके पास आलराउंडर रहता है। ऐसे में अब गेंदबाजों के लिए ज्यादा कुछ बचा नहीं है। लेकिन गेंदबाज अब भी थोड़ा ज्यादा दिमाग लगा सकते हैं। अपने रणनीति पर ज्यादा काम कर सकते हैं, लेकिन ये ज्यादातर निर्भर करता है कि आपका दिन कैसा है।

● हालांकि अगर इस सत्र की बात करें तो आपको टीम ने इंपैक्ट प्लेयर के रूप में ज्यादा खिलाया है और आप काफी सफल भी रहे हैं। इस पर क्या कहेंगे?

-एक गेंदबाज के रूप में मुझे ये नियम पसंद नहीं है, क्योंकि पहले जब 11 खिलाड़ी खेलते थे तो आठवें नंबर पर गेंदबाज बल्लेबाजी करने आता था, तब आपको लगता था कि अब डेथ में आपको ज्यादा मार नहीं पड़ेगी। अब नौवें नंबर पर आलराउंडर आता है और रन ज्यादा बनते हैं। हां मनोरंजन की दृष्टि से ये नियम अच्छा है क्योंकि दर्शकों को चौके-छक्के देखने में मजा आता है। मैं अगर अपनी बात करूं तो अगर इंपैक्ट प्लेयर के रूप में मैं सफल हूं तो मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं।

● नए कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी को अब तक कैसे आंकते हैं?

-मुझे लगता है कि अब तक शुभमन ने काफी अच्छी कप्तानी की है। निजी रूप से कहूं तो अगर कप्तान को बार-बार मैदान पर खुद को दिखाने की आवश्यकता पड़ रही है तो कहीं न कहीं मामला थोड़ा गड़बड़ रहता है। शुभमन की बात करें तो वह मैदान पर काफी शांत रहता है। वह चुपचाप अपना काम करता है, ज्यादा दिखाता नहीं है। एक कप्तान के लिए यह सबसे ज्यादा जरूरी कि वह दबाव में घबराने की जगह स्थिति को समझकर उसे चुपचाप जाकर संभाले। वह बहुत अच्छा काम कर रहा है और आशा है कि नतीजे भी हमारे पक्ष में आएंगे।

● पहले गुजरात टाइटंस के साथ आप नेट गेंदबाज के रूप में जुड़े थे, लेकिन अब आप उसकी गेंदबाजी आक्रमण का प्रमुख हिस्सा हैं। अपनी वापसी पर क्या कहेंगे?

-मैं इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन जो इसे सबसे अच्छी वापसी बता रहे हैं, उनका मैं धन्यवाद देना चाहूंगा। ये केवल एक या दो साल की बात नहीं है। चार-पांच साल पहले जब मुझे ज्यादा क्रिकेट खेलने (आइपीएल) का अवसर नहीं मिल रहा था तो मैंने घरेलू क्रिकेट पर ध्यान लगाया। मैं क्रिकेट में जुड़ा रहना चाहता था, उससे मैं कभी दूर नहीं हुआ। हां, ये कह सकते हैं कि आइपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में बड़े समय बाद खेला। मैंने अभ्यास कभी नहीं छोड़ा, जब वह समय आया कि मुझे पेशेवर क्रिकेट फिर खेलने को मिला तो यह मेरी मेहनत का फल था।

● एक ओवर में दो बाउंसर के नियम को आप कैसे देखते हैं, क्या गेंदबाजों को इससे फायदा हुआ है?

-एक गेंदबाज के लिए इसका फायदा और नुकसान दोनों है। जब आप ज्यादा गेंदबाजी में बह जाते हो तो आपको दिक्कत हो सकती है। महत्वपूर्ण यह है कि आप इसे किस तरह से इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन तेज गेंदबाज के लिए ये थोड़ा लाभदायक ज्यादा है।

● टी-20 क्रिकेट बल्लेबाजों का खेल बनते जा रहा है। एक गेंदबाज के रूप में इसे कैसे देखते हैं?

-जैसे मैंने इंपैक्ट नियम को लेकर कहा कि ये बल्लेबाजों का खेल तो है ही। गेंदबाजों के पास ज्यादा कुछ है नहीं, आगे तो आप देखेंगे कि धीरे-धीरे गेंद भी स्विंग होना बंद हो गई है। आज के समय में गेंदबाजों का फोकस स्विंग से ज्यादा वैरिएशन पर हो गया है। क्योंकि शुरुआत में अगर आपकी गेंद स्विंग होती है तो बल्लेबाजों के दिमाग में भी रहता है कि एक या दो ओवर निकाल दो, फिर तो स्विंग होना बंद ही हो जाएगी। फिर आप गेंदबाज को निशाना बना सकते हो। हां, गेंदबाजों के लिए मुश्किल हैं, लेकिन रणनीति को सही तरह से इस्तेमाल करने पर इससे बचा जा सकता है। इसके साथ ही अब मैदान भी छोटे हो रहे हैं। बहुत कम ही जगहों पर बाउंड्री बड़ी है, जहां गेंदबाज थोड़ा खुलकर कर गेंदबाजी कर सकता है।

एक नजर में

शीतल ने सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता

नई दिल्ली : एशियाई पैरा खेलों की स्वर्ण विजेता शीतल देवी ने खेलो इंडिया एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता। वह हरियाणा की एकता रानी के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जो जूनियर विश्व चैंपियन हैं। डीडीए यमुना खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा की और व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140 से हार गईं। (प्रेट्र)

नडाल दूसरे दौर में हारे

बार्सिलोना : तीन महीने बाद कोर्ट पर लौटे राफेल नडाल को बार्सिलोना ओपन के दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। बुधवार को नडाल को चौथी वरीयता प्राप्त एलेक्स डि मिनौर ने सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से पराजित किया। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल इस वर्ष अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे थे और जनवरी के बाद यह पहला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट था। चोट के कारण वह मोंटे कार्लो में भी नहीं खेले थे। (आइएएनएस)

झेंग ने कर्स्टी को हराया

स्टुटगार्ट : चीन की झेंग किनवेन ने लंबे सफर के बाद पोर्श ग्रांप्रि टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में सोराना कर्स्टी को सीधे सेट में शिकस्त दी। विश्व की सातवें नंबर की खिलाड़ी झेंग ने 76 मिनट में 6-2, 6-3 से जीत प्राप्त की। झेंग लंबे सफर के बाद यहां पहुंची थीं, लेकिन उन पर थकान का असर नहीं दिखा। बेल्जियम की एलिस मर्टेंस ने कड़े मुकाबले में तात्याना मारिया को 6-1, 4-6, 6-0 से हराया। वह दूसरे दौर में दो बार की गत चैंपियन इगा स्वियातेक से भिड़ेंगी। (एपी)

कारूआना से भिड़ेंगे गुकेश

टोरंटो : रूस के इयान नेपोमनियाच्ची के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे भारत के डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 11वें दौर में अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फाबियानो करूआना से भिड़ेंगे, जबकि आर प्रगनानंद का सामना अमेरिका के हिकारू नाकामूरा से होगा। टूर्नामेंट में केवल चार दौर का खेल बाकी है और भारत के इन दोनों किशोर खिलाड़ियों गुकेश और प्रगनानंद के पास अच्छा मौका है। विदित गुजराती ने भी मुकाबले में खुद को बनाए रखा है। (प्रेट्र)

मनिका, श्रीजा हारीं

नई दिल्ली : भारत की अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला बुधवार को मकाऊ के गैलेक्सी एरेना में आइटीटीएफ विश्व कप में क्रमशः चीन की वांग मन्यु और गत चैंपियन चेन मेंग के खिलाफ दूसरे दौर के ग्रुप चरण में हारकर बाहर हो गईं। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज श्रीजा वर्तमान ओलिंपिक चैंपियन और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज खिलाड़ी से 1-3 से हार गईं। (प्रेट्र)

सर्वोटिक को मिली फ्रेंचाइजी

नई दिल्ली : आइपीएल की समाप्ति के साथ जून के पहले सप्ताह में बंगाल प्रो टी20 लीग का आयोजन किया जाएगा। आगामी सत्र की शुरुआत से पहले सर्वोटिक पावर सिस्टम को लीग की एक फ्रेंचाइजी का स्वामित्व दिया गया है। बंगाल प्रो टी20 लीग में आइपीएल की तरह ही पुरुष और महिला श्रेणी में आठ फ्रेंचाइज टीमें भाग लेती हैं। सर्वोटिक पावर सिस्टम पहली बार क्रिकेट जगत में उतर रहा है। सौर्य ऊर्जा के क्षेत्र में कंपनी काम करती है। (जेएनएन)

टाइटंस के बल्लेबाजों का सरेंडर

गुजरात अपने न्यूनतम स्कोर 89 पर ढेर कैपिटल्स ने छह विकेट से जीता मैच

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : अनुभवी इशांत शर्मा की अगुआई में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने बुधवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में ऐसा कहर बरपाया कि गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने उनके आगे 'सरेंडर' कर दिया। गुजरात के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए और टीम आइपीएल में अपने न्यूनतम स्कोर 89 पर ढेर हो गई। इससे पूर्व उसका न्यूनतम स्कोर छह विकेट पर 125 रन था और मजे की बात है कि टाइटंस ने यह स्कोर 2023 सत्र में इसी मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध ही बनाया था। दिल्ली ने केवल महज 8.5 ओवर में चार विकेट खोकर 92 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। वहीं, पिछले वर्ष की उपविजेता गुजरात की सात मैचों में यह चौथी हार है और उसके लिए आगे की राह और कठिन हो गई है।

दिल्ली कैपिटल्स ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और कप्तान रिषभ पंत का यह निर्णय बिल्कुल सही साबित हुआ। अनुभवी इशांत, मुकेश कुमार जैसे विशेषज्ञ गेंदबाज तो कमाल दिखा ही रहे थे, लेकिन विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका निभाने वाले ट्रिस्टन स्टब्स ने भी अपनी स्पिन के जाल में दो बल्लेबाजों को फंसाया। इशांत ने दूसरे ओवर में ही कप्तान गिल को आउट किया तो उसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई। गुजरात का शीर्षक्रम चरमरा गया और केवल 30 रन पर शुभमन गिल (08), रिद्धिमान साहा (02), साई सुदर्शन (12) और डेविड मिलर (02) लौट चुके थे। गुजरात की हालत कुछ ऐसी ही थी, जैसी पिछले साल इसी मैदान पर मोहम्मद शमी के आगे दिल्ली के बल्लेबाजों की थी। तब दिल्ली ने 4.6 ओवर में केवल 23 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे और शमी ने चार विकेट लिए थे। गुजरात की टीम में इस बार मोहम्मद शमी तो नहीं थे, लेकिन दिल्ली की टीम में इशांत थे। इशांत ने पिछले साल हुए मैच में कमाल की गेंदबाजी की थी और टीम 130 रन का लक्ष्य भी बचाने में सफल रही थी। बुधवार को एक बार फिर इशांत ने मोर्चा संभाला और कप्तान गिल और फिर डेविड मिलर को चलता किया। इसके बाद बाकी गेंदबाजों ने भी गुजरात के बल्लेबाजों को पैर नहीं जमाने दिए। मुकेश ने तीन और स्टब्स ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। गुजरात के लिए केवल राशिद खान की कुछ सामना कर सके और सर्वाधिक 31 रन बनाए।

विकेट लेने के बाद पंत व मुकेश ● एएफपी

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस : 89 (17.3 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
रिद्धिमान साहा बो. मुकेश	02	10	0/0
शुभमन गिल का. पृथ्वी बो. इशांत	08	06	2/0
साई सुदर्शन रन आउट	12	09	2/0
डेविड मिलर का. पंत बो. इशांत	02	06	0/0
अभिनव मनोहर स्टं. पंत बो. स्टब्स	08	14	1/0
राहुल तेवतिया एलबीडब्ल्यू बो. अक्षर	10	15	1/0
शाह रुख खान स्टं. पंत बो. स्टब्स	00	01	0/0
राशिद खान का. पंत बो. मुकेश	31	24	2/1
मोहित शर्मा का. सुमित बो. खलील	02	14	0/0
नूर अहमद बो. मुकेश	01	07	0/0
स्पेंसर जानसन अविजित	01	01	0/0

अतिरिक्त : 12 (लेबा-5, वा-5, नोबा-2)
कुल : 17.3 ओवर में 89 पर सभी आउट
विकेटपतन : 1-11 (गिल, 1.5), 2-28 (साहा, 3.5), 3-28 (सुदर्शन, 4.1), 4-30 (मिलर, 4.6), 5-47 (मनोहर, 8.3), 6-48 (शाहरुख, 8.4), 7-66 (तेवतिया, 11.2), 8-78 (मोहित, 14.6), 9-88 (राशिद, 17.1)
गेंदबाजी : खलील 4-1-18-1, इशांत शर्मा 2-0-8-2, मुकेश 2.3-0-14-3, कुलदीप 4-0-16-0, ट्रिस्टन 1-0-11-2, अक्षर 4-0-17-1

दिल्ली कैपिटल्स : 92/4 (8.5 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
पृथ्वी शा का. जानसन बो. वारियर	07	06	1/0
मैकगर्क का. अभिनव बो. जानसन	20	10	2/2
अभिषेक पोरेल बो. वारियर	15	07	2/1
शाई होप का. मोहित बो. राशिद	19	10	1/2
रिषभ पंत अविजित	16	11	1/1
सुमित कुमार अविजित	09	08	2/0

अतिरिक्त : 6 (लेबा-4, वा-2)
कुल : 8.5 ओवर में चार विकेट पर 92 रन
विकेटपतन : 1-25 (मैकगर्क, 1.6), 2-31 (शा, 2.4), 3-65 (पोरेल, 4.6), 4-67 (होप, 5.4)
गेंदबाजी : संदीप वारियर 3-0-40-2, स्पेंसर जानसन 2-0-22-1, राशिद खान 2-0-12-1, नूर अहमद 1.5-0-14-0

दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध न्यूनतम स्कोर

स्कोर	टीम	स्थान	वर्ष
89	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद	2024
92	मुंबई इंडियंस	मुंबई	2012
108	पुणे सुपरजायंट्स	पुणे	2017
110/8	सीएसके	दिल्ली	2012

गुजरात टाइटंस का न्यूनतम स्कोर

स्कोर	बनाम	स्थान	वर्ष
89	दिल्ली	अहमदाबाद	2024
125/6	दिल्ली	अहमदाबाद	2023
130	लखनऊ	लखनऊ	2024
135/6	लखनऊ	लखनऊ	2023

4 शिकार किए पंत ने विकेट के पीछे, वह ऐसा करने वाले दिनेश कार्तिक के बाद दिल्ली के दूसरे विकेटकीपर बने

विकेट के पीछे रंग में दिखे पंत : दिल्ली के कप्तान पंत विकेट के पीछे पूरे रंग में दिखे। उन्होंने इशांत की गेंद पर बाईं ओर शानदार डाइव लगाकर एक हाथ से डेविड मिलर का कैच लपका, वहीं शाहरुख खान और अभिनव मनोहर को स्टंप्स किया। इसके अलावा उन्होंने एक कैच भी लपका। इसके साथ ही पंत दिल्ली की ओर से विकेट के पीछे सर्वाधिक शिकार करने के मामले में दिनेश कार्तिक के बराबर पहुंच गए। कार्तिक ने 2009 में राजस्थान रायल्स के विरुद्ध विकेट के पीछे चार शिकार किए थे। पंत को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

नेट रनरेट के फेर में दिखाई हड़बड़ी : लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली के सामने केवल 90 रन का लक्ष्य था, लेकिन उसके बल्लेबाजों की नजरें मैच जल्द खत्म करने के साथ नेट रनरेट पर थी।

पटरी पर लौटने को तैयार 'राजधानी एक्सप्रेस' मयंक यादव

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ सुपरजायंट्स और उसके प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। एलएसजी अगला मैच शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान इकाना स्टेडियम में खेलेगी, जिसमें तेज गेंदबाज मयंक यादव वापसी कर सकते हैं। मयंक चोट के चलते पिछले दो मैचों में टीम का हिस्सा नहीं थे। दोनों मुकाबलों में लखनऊ को हार का सामना करना पड़ा। मेजबान टीम ने बुधवार को एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी है कि मयंक पूरी तरह फिट हैं और जल्द मैदान पर वापसी कर सकते हैं।

दरअसल, लखनऊ की ओर से एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में मयंक यादव गेंदबाजी करते हुए नजर आ रहे हैं। गेंदबाजी के लिए दौड़ते हुए वह पूरी तरह फिट दिख रहे हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए एलएसजी ने लिखा, 'फिर से उड़ चला'। इसको देखते हुए यह माना जा रहा है कि 21 वर्षीय गेंदबाज चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अहम मुकाबले में मैदान पर वापसी करेंगे। टीम को उनकी कमी खल रही है। मयंक की अनुपस्थिति में लखनऊ को अपने घर में दिल्ली कैपिटल्स और ईडन गार्डेंस में कोलकाता नाइट राइडर्स से हार झेलनी पड़ी। टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आया। हालांकि, इस युवा खिलाड़ी के फिट होने के संकेत ने टीम प्रबंधन को काफी राहत दी है। एलएसजी अब तक छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ छह अंक लेकर तालिका में पांचवें नंबर पर काबिज है।

श्रेयस अय्यर पर 12 लाख का जुर्माना : कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर पर राजस्थान रायल्स के विरुद्ध धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आइपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत यह केकेआर का सत्र का पहला अपराध था इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मंगलवार को खेला मुकाबला बेहद रोमांचक रहा था, जिसमें बटलर ने अंतिम गेंद पर जीत दिलाई थी।

शिखर के बिना मुंबई से भिड़ेंगे पंजाब के किंग्स

हार्दिक पांड्या ● फाइल फोटो, प्रेट्र
सैम कुर्रन ● फाइल फोटो, प्रेट्र

विकास शर्मा ● जागरण

पंजाब का सामना आज मुंबई इंडियंस से, जीत की पटरी पर लौटने उतरेंगी टीमें

चंडीगढ़ : आइपीएल में गुरुवार को पंजाब किंग्स जब मुंबई इंडियंस से भिड़ेंगी तो इस बार भी अपने नियमित कप्तान शिखर धवन के बगैर खेलना होगा। पिछले मुकाबले में राजस्थान के विरुद्ध सैम कुर्रन की कप्तानी बेहद ही साधारण रही थी और टीम को हार झेलनी पड़ी थी। मुंबई इंडियंस के विरुद्ध एक बार फिर कुर्रन की टीम की कप्तानी करेंगे, ऐसे में पंजाब के लिए अपने घर पर मुंबई से पार पाना आसान नहीं होगा। हालांकि पंजाब की तरह मुंबई के सामने भी अपने अभियान को पटरी पर लाने की चुनौती है। पिछले मैच में उसे चेन्नई सुपरकिंग्स से हार मिली थी।

खलेगी गब्बर की कमी : पंजाब के लिए शिखर धवन शीर्ष स्कोरर रहे है। ऐसे में उनकी कमी टीम को निश्चित रूप से खलेगी क्योंकि उसका शीर्षक्रम लगातार खराब प्रदर्शन कर रहा है। प्रभसिमरन 119 और जानी बेयरस्टो ने सिर्फ 96 रन बनाए हैं। टीम के लिए दिक्कत यही है कि शीर्षक्रम विफल होने से टीम मैच हार रही है। शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा के अलावा कोई भी खिलाड़ी अपनी छाप नहीं छोड़ सका है। शशांक सिंह ने छह मैचों में 73.00 की औसत और 184.81 की स्ट्राइक रेट से 146 रन बनाए हैं। वहीं गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह और कैगिसो रबादा को बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा।

मुंबई को रोहित-बुमराह से आस : मुंबई इंडियंस की जीत रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर निर्भर करती है। रोहित शर्मा ने पिछले मुकाबले में नाबाद 105 रन बनाए पर वह टीम को नहीं जिता सके। इशान किशन भी अच्छी लय में हैं। गेंदबाजी का दारोमदार बुमराह पर है। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने नौ मैचों में जीत दर्ज की है।

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	टाई	नेट रन रेट	अंक
1	राजस्थान	7	6	1	0	+0.677	12
2	केकेआर	6	4	2	0	+1.399	8
3	सीएसके	6	4	2	0	+0.726	8
4	हैदराबाद	6	4	2	0	+0.502	8
5	लखनऊ	6	3	3	0	+0.038	6
6	दिल्ली	7	3	4	0	-0.074	6
7	गुजरात	7	3	4	0	-1.303	6
8	पंजाब	6	2	4	0	-0.218	4
9	मुंबई	6	2	4	0	-0.234	4
10	आरसीबी	7	1	6	0	-1.185	2

टी-20 विश्व कप के लिए विकेटकीपर की दौड़ में रिषभ व संजू सैमसन आगे

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्य के टीम में होने से शीर्ष क्रम में खेलने वाले केएल राहुल व इशान किशन की जगह बननी कठिन

नई दिल्ली : अमेरिका में होने वाले आगामी टी-20 विश्व कप के लिए इस महीने के अंत तक जब भारतीय टीम को अंतिम रूप दिया जाएगा तो इसमें बीते सत्र में टीम में खेल चुके खिलाड़ियों पर ही भरोसा जताए जाने की संभावना है। ऐसे में विकेटकीपर के रूप में रिषभ पंत को वरीयता दी जा सकती है। दूसरे विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन को जितेश शर्मा, केएल राहुल और इशान किशन से प्रतिस्पर्धा मिलेगी। राहुल और इशान शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करते हैं, जो उनके विरुद्ध जा सकता है क्योंकि शीर्ष क्रम में रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार के होने से इनकी जगह बनती नहीं दिख रही है। आइपीएल में इन दोनों ने अभी तक मध्यक्रम में बल्लेबाजी का प्रयास नहीं किया है जिससे चयनकर्ताओं के लिए निचले क्रम में उनके प्रदर्शन का विश्लेषण करना मुश्किल होगा। वहीं जितेश शर्मा ने भारत की ओर से ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है, ऐसे में रिषभ और संजू का पलड़ा फिलहाल भारी दिख रहा है।

अगर कुल मिलाकर स्थिति देखी जाए तो कप्तान रोहित के साथ, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, रिषभ पंत, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव का चयन निश्चित है। ये 10 खिलाड़ी अगर फिट हैं तो निश्चित रूप अमेरिका की उड़ान भरेंगे। वहीं, शुभमन और यशस्वी जायसवाल के बीच में चयन की बात की जाए तो इनमें से गुजरात टाइटंस के कप्तान ने ज्यादा रन जुटाए हैं लेकिन जायसवाल की बात की जाए तो चयन समिति आइपीएल में उनके कुछ कम स्कोर को देखते हुए उनकी अनदेखी नहीं कर सकती। साथ ही वह शीर्ष चार में केवल एकमात्र बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जो अच्छी चीज है लेकिन अगर गिल लगातार रन बनाते रहते हैं तो चीजें काफी मुश्किल हो जाएंगी। वर्ना चयनकर्ता दोनों को शामिल कर सकते हैं तथा शिवम और रिंकू में से किसी एक को बाहर कर सकते हैं।

'रिजर्व' स्पिनर के स्थान के लिए तीन क्रिकेटरों में प्रतिद्वंद्विता होगी जिसमें अक्षर पटेल, युजवेंद्रा सिंह चहल और रवि बिश्नोई शामिल हैं। अक्षर जहां बाएं हाथ के स्पिनर हैं तो उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। चहल ने अपने नौ साल के करियर में अभी तक एक भी टी-20 विश्व कप नहीं खेला है, लेकिन वह गेंदबाजी कौशल में अन्य दोनों से कहीं आगे हैं लेकिन बार बार महत्वपूर्ण टीम से उन्हें बाहर किया जाना जून में होने वाले टूर्नामेंट में उनके चयन पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। बीसीसीआइ के सूत्रों ने बताया कि इसके लिए कोई प्रयोग या फिर मैदान के प्रदर्शन से चयन नहीं होगा। भारत के लिए जो खिलाड़ी खेलते हैं और जिन्होंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय तथा आइपीएल में निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें चुना जाएगा।

'रेड कार्ड' ने लिखी पीएसजी की विजय गाथा, डार्टमंड से भिड़ेंगे

● एमबापे के दो गोल से पीएसजी ने बार्सिलोना के विरुद्ध दूसरे चरण में 4-1 से दर्ज की जीत

● घर पर अलग ही रंग में दिखा डार्टमंड, एटलेटिको मैड्रिड को दूसरे चरण में 4-2 से हराया

नई दिल्ली, जेएनएन : पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में बार्सिलोना को हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले चरण में बढ़त होने के बावजूद घर पर खेल रहे बार्सिलोना के लिए रेफरी के सख्त रवैये ने उनका खेल बिगाड़ दिया। कायलियन एमबापे के दो गोल से पीएसजी ने मंगलवार को 4-1 से जीत प्राप्त की और घरेलू मैदान पर पहले चरण में हार के बावजूद 6-4 के कुल स्कोर से सेमीफाइनल में स्थान पक्का किया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना डार्टमंड से होगा, जिन्होंने दूसरे चरण में वापसी करते हुए एटलेटिको मैड्रिड को 4-2 से हराकर 5-4 के कुल स्कोर से जीत प्राप्त की।

अराउजो को रेड कार्ड से बार्सिलोना हुई कमजोर : बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को 29वें मिनट में ब्रेडली बार्कोला के विरुद्ध फाउल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया जिसके बाद टीम को शेष एक घंटे का मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। रेफरी इस्तवान कोवाक्स ने विरोध करने पर दूसरे हाफ में टीम के कोच जावी हर्नांडिज और गोलकीपिंग कोच जोस रामोन को भी रेड कार्ड दिखाया। इससे बार्सिलोना की राह मुश्किल और पीएसजी की आसान हो गई।

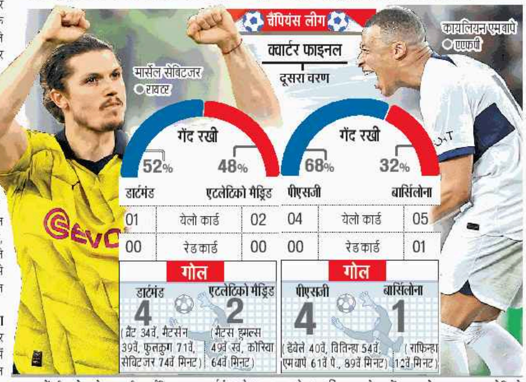

डार्टमंड को आक्रामक खेल का मिला लाभ : डार्टमंड को पहले चरण के मुकाबले दूसरे चरण में आक्रामक खेल दिखाने का लाभ मिला। मार्सेल सेबिटजर के अद्भुत गोल और दो गोल में मदद के दम पर एटलेटिको मैड्रिड पर डार्टमंड पूरी तरह से हावी रहा। वहीं, डिएगो सिमियोनी की टीम का प्रदर्शन पहले चरण के मुकाबले बहुत औसत रहा।

****

दैनिक जागरण

सप्तरंग

तकनीक की दुनिया का

गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024

कल यानी 19 अप्रैल से लोकसभा चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया शुरू हो रही है। चुनाव में हिस्सा लेना चाहते हैं, लेकिन आपके पास फिजिकल वोटर आइडी कार्ड नहीं है तो आप आनलाइन डिजिटल वोटर आइडी कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। आनलाइन लिस्ट में अपना नाम चेक करने के साथ यह भी देख सकते हैं कि मतदान स्थल कहां है। आइए जानते हैं क्या है इसका तरीका...

फाइल फोटो

कैसे पाएं डिजिटल वोटर आइडी

लोकसभा चुनाव-2024

डिजिटल वोटर आइडी कार्ड को डाउनलोड करने के लिए आपको सबसे पहले आधिकारिक मतदाता सेवा पोर्टल (https://voters.eci.gov.in/) पर जाना होगा। इसके बाद साइट पर स्वयं को रजिस्टर करना होगा। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया के बाद लागइन कर लें। फिर आपको ई-ईपीआइसी डाउनलोड (E-EPIC Download) का विकल्प मिलेगा। यहां पर क्लिक करने के बाद 'ईपीआइसी नंबर' या फिर 'फार्म रेफरेंस नंबर' में से किसी एक को सेलेक्ट करना होगा। अगर ईपीआइसी नंबर को सेलेक्ट करते हैं तो यह नंबर दर्ज करने के बाद आपको अपना राज्य चुनना होगा। फिर 'सर्च' बटन पर क्लिक करें। वोटर आइडी की डिटेल स्क्रीन पर दिखाई देगी। अब 'सेंड ओटीपी' बटन पर टैप करें। इसके बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा, जिसे दर्ज करना होगा। अगर आपका मोबाइल नंबर रजिस्टर नहीं है तो वेबसाइट पर 'फार्म-8' भरना होगा। ओटीपी वेरिफाई करने के बाद 'डाउनलोड ई-ईपीआइसी' बटन पर क्लिक करके डिजिटल वोटर आइडी को डाउनलोड कर सकते हैं और इसकी मदद से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

वोटर लिस्ट में अपना नाम कैसे चेक करें

वोटर लिस्ट में अपना नाम चेक करने की प्रक्रिया आसान है। इसके लिए आधिकारिक वेबसाइट https://electoralsearch.eci.gov.in पर जाएं। यहां पर सर्च बाय ईपीआइसी (Search by EPIC) का विकल्प दिखाई देगा, उस पर क्लिक करें। अब नीचे की तरफ एक पेज दिखाई देगा। जहां पहले अपनी भाषा को सेलेक्ट कर लें। फिर वोटर आइडी कार्ड पर मौजूद ईपीआइसी नंबर दर्ज करें और अपना स्टेट यानी राज्य सेलेक्ट कर लें। कैप्चा कोड दर्ज करने के बाद सर्च बटन पर क्लिक करें। स्क्रीन पर वोटर लिस्ट में आपका नाम है या नहीं, इसकी जानकारी मिल जाएगी।

पोलिंग स्टेशन कैसे सर्च करें

अपना पोलिंग स्टेशन सर्च करना काफी सरल है। आपको https://electoralsearch.eci.gov.in/pollingstation पर जाना है। यहां पर अपना ईपीआइसी नंबर दर्ज करना होगा। कैप्चा कोड दर्ज करने के बाद सर्च बटन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद स्क्रीन पर पोलिंग स्टेशन की जानकारी दिख जाएगी।

हेल्पलाइन एप से आइडी डाउनलोड करें

डिजिटल वोटर आइडी कार्ड को वोटर हेल्पलाइन एप से भी डाउनलोड कर सकते हैं। यह एप एंड्रायड और आइओएस डिवाइस के लिए उपलब्ध है। इसे डाउनलोड करने के बाद मोबाइल पर ओपन करें। फिर आपको रजिस्टर या लागइन करना होगा। यहां आप 'ई-ईपीआइसी डाउनलोड' पर क्लिक करें। इसके बाद वोटर आइडी की डिटेल दिखाई देगी। फिर ओटीपी के साथ वेरिफाई करना होगा। इस प्रक्रिया के बाद 'डाउनलोड ई-ईपीआइसी' वाले विकल्प पर क्लिक करें। मोबाइल पर डिजिटल वोटर आइडी डाउनलोड हो जाएगी।

संतोष आनंद

न्यू लांच

मोटो जी 64 5जी

मोटोरोला ने पहले मीडियाटेक डायमेंसिटी 7025 चिपसेट वाले नए बजट फोन मोटो जी 64 5जी को लांच किया है। इसमें 6.5 इंच एफएचडी+एलसीडी 120 हर्ट्ज डिस्प्ले और गोरिल्ला ग्लास प्रोटेक्शन है। फोन का 50एमपी का ओआइएस (आप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन) कैमरा फोटो के ब्लर होने की आशंका को दूरकर अच्छी फोटोग्राफी में सहायक है। इसके साथ ही इसमें आठ एमपी का अल्ट्रा वाइड सेंसर और आठ एमपी का मैक्रो+डेप्थ सेंसर और 16 एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है। मिंट ग्रीन, पर्ल ब्लू व आइस लाइलैक तीन कलर आप्शन में उपलब्ध फोन की मोटाई मात्र 8.89 मिमी. और वजन 192 ग्राम है। पंच होल डिस्प्ले जैसी खूबियां इसे आकर्षक बनाती हैं। यह फोन एंड्रायड 14 आधारित है। इसमें एंड्रायड 15 अपग्रेड और तीन साल के सिक्योरिटी अपडेट की सुविधा दी गई है। फोन में 6000 एमएएच बैटरी और 33 वाट टर्बो पावर चार्जर बजट फोन सेगमेंट में मोटो जी64 को बेहतर बनाता है। कीमत की बात करें तो 8 जीबी+128 जीबी वैरिएंट की 14,999 रुपये और 12 जीबी+256जीबी वैरिएंट की कीमत 16,999 रुपये है।

वर्ग पहेली - 2604

बाएं से दाएं
2 भीम और हिडिंबा का पुत्र (4)।
5 धृतराष्ट्र के सलाहकार थे (3)।
6 तुलसीदास की एक कृति (4)।
7 कुंभकरण का भाई (3)।
9 भोला-भाला, सीधा (3)। 12 बातों का झगड़ा (4)।
15 श्मशान (4)।
16 पंक्ति, क्रम (3)।
19 भीरु, डरपोक (3)।
20 मन को रमाने वाला (4)।
21 अत्यधिक क्रोध (3)।
22 समझ नहीं रखने वाला (4)।

ऊपर से नीचे
1 सम्राट अशोक के पिता (4)।
3 चौधरी ...सिंह भारत के दूसरे गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे (3)। 4 अग्नि, आग (3)।
8 वन में रहने वाला (4)।
9 संगम, सभा, मेल, जमघट (4)।
10 पक्षाघात (3)। 11 आद्योपांत, पूर्णतया (4)।
13 कामना करने योग्य, चाहने लायक (4)।
14 द्वार, किवाड़, गेट (3)।
17 अलकतरा (4)। 18 परिहास (3)।
19 अभिलाषा, इच्छा (3)।

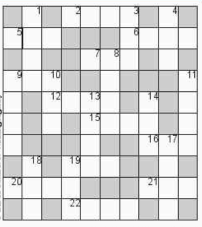

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

ज		दु	र्ज	न		का	रु	णि	क
ब		र्भा		सी	र	त			
र		ब	ज	ह		र	स	म	य
न	हा	ना		त	न		फे		कू
	ति		डा			खि	द	म	त
ह	म	जो	ली			न्न		वा	
द		खि		ह	द		ग	द	र
स	ला	म	त		ह	ज	म		ण
			र	जि	श		गी		क्षे
ड	ग	म	ग		त	प	न		त्र

जागरण सुडोकू-2604

4			9		7			5
	8				2		9	1
9			5		1	4		
	4	8						
2				1		6		
		6						3
7		9	2		8	5		4
	5						7	
8			1		5			2

कल का हल

3	8	6	1	7	9	5	2	4
4	9	7	6	5	2	3	1	8
2	5	1	3	4	8	6	7	9
5	3	8	4	2	1	9	6	7
7	4	9	8	3	6	2	5	1
1	6	2	7	9	5	8	4	3
6	7	5	9	8	4	1	3	2
9	2	3	5	1	7	4	8	6
8	1	4	2	6	3	7	9	5

वर्कस्पेस

रचनात्मक लेखन, फोटो, वीडियो एडिटिंग, डाटा प्रबंधन व विश्लेषण, प्रेजेंटेशन जैसे कार्य अब एआइ टूल्स की मदद से सहज और बेहतर हो रहे हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ उपयोगी एआइ टूल्स और उनके अनुप्रयोगों के बारे में...

पेशेवर कार्यों में उपयोगी एआइ टूल्स

किसी रचनात्मक व्यक्ति के लिए कार्य की शुरुआत करना मुश्किल होता है। अगर कोई लेखक किसी विषय पर लेखन के लिए प्रयास कर रहा है या फिर कोई ग्राफिक डिजाइनर बेसिक लेआउट बनाने के लिए घंटों लगा हुआ है, उसके लिए जेनरेटिव एआइ टूल्स की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। पावरफुल एआइ टूल को बस कुछ आसान प्राम्प्ट देने भर की जरूरत होती है और कुछ ही सेकंड में कंटेंट या लेआउट सामने आ जाता है। साथ ही ढेर सारे विकल्प भी मिल जाते हैं। यही कारण है मार्केटिंग, क्रिएटिव लीडर इसका प्रयोग करने लगे हैं। हालांकि मशीनी दिमाग से अच्छा कंटेंट प्राप्त करने के लिए प्राम्प्ट की भी बेहतर समझ जरूरी है।

किस तरह सहायक हैं ये टूल्स: कंटेंट राइटिंग में जहां शब्दों के चयन, संयोजन आदि का बार-बार ध्यान रखना होता है, वहीं ग्राफिक डिजाइन में रीसाइजिंग, इमेज क्रापिंग जैसे कार्य दोहराए जाते हैं। ये सब कार्य अब एआइ टूल्स से संभव हैं। इसी तरह एआइ टूल्स आटोमेटेड ट्रांसक्रिप्ट, वीडियो कंटेंट और वीडियो टैगिंग में भी मददगार हो रहे हैं। प्रिडिक्टिव एडिटिंग और रियल टाइम फीडबैक में भी एआइ बेहतर हो रहा है।

वर्कस्पेस फीचर: गूगल के वर्कस्पेस में एआइ जुड़ जाने से गूगल डाक्स, शीट, स्लाइड, मीट और जीमेल अधिक उपयोगी बन रहे हैं। जेमिनी की मदद से टेक्स्ट जेनरेट करने, सारांश बनाने, प्राम्प्ट से इमेज तैयार करने और डाटा प्रबंधन जैसे कार्य किए जा सकते हैं, वहीं माइक्रोसाफ्ट एआइ आउटलुक, वर्ड, पावरप्वाइंट, एक्सेल की कार्यप्रणाली को बेहतर बना रहा है। कुछ खास सेवाओं के लिए 20 से 30 डालर प्रतिमाह तक भुगतान करना होता है।

ब्रह्मानंद मिश्र

इमेजेज बाजार

कौन-सा एआइ टूल बेहतर

अगर टेक्स्ट, इमेज, स्प्रेडशीट या प्रेजेंटेशन माइक्रोसाफ्ट 365 एप में तैयार कर रहे हैं और इस इकोसिस्टम में प्रतिदिन के टास्क के लिए मदद चाहते हैं तो माइक्रोसाफ्ट कोपायलट का प्रयोग कर सकते हैं, वहीं क्रिएटिव कंटेंट को लिखना या संपादित करना चाहते हैं खासकर गूगल डाक्स में तो जेमिनी का प्रयोग कर सकते हैं। हालांकि एआइ कंटेंट की गुणवत्ता के लिए निरंतर जांच-परख भी जरूरी है।

एआइ टूल्स के प्रयोग

ईमेल और डाक्यूमेंट तैयार करें: गूगल के एआइ माडल जेमिनी को प्राम्प्ट देकर ईमेल के लिए प्रतिक्रिया और डाक्यूमेंट तैयार कर सकते हैं। यह ग्रामर और स्पेलिंग की गलतियों की भी प्रूफरीडिंग करता है। ईमेल ड्राफ्ट करने में मदद ली जा सकती है। गूगल वन एआइ प्रीमियम प्लान है तो जीमेल, डाक्स, स्लाइड्स, शीट और गूगल मीट में जेमिनी की मदद ले सकते हैं।

फोटो गैलरी करें व्यवस्थित: गूगल फोटोज आपकी फोटो को क्लाउड में सेव करता है। यह एआइ से अलग-अलग कैटेगरी में फोटो को व्यवस्थित करता है, जैसे- पीपुल, प्लेस, ट्रिप्स, फूड आदि। इससे फोटो को खोजने और सहेजने में आसानी होती है। फोटो स्टैक एआइ से मिलती-जुलती फोटो, अच्छी फोटो चुनने और डुप्लीकेट को हटाने में सहायक है।

कैप्शन अनुवाद: वीडियो काल के दौरान कैप्शन को अपनी भाषा में अनुवाद कर सकते हैं। गूगल मीट में किसी अन्य भाषा के व्यक्ति के साथ भी संवाद सहज हो जाता है। आने वाले दिनों में आटोमैटिक ढंग से आपकी भाषा में कैप्शन अनुवाद की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

एआइ की सुरक्षा: गूगल ड्राइव पर लोग जरूरी फाइलों को सेव करते हैं। इसे सुरक्षित बनाने के लिए एआइ सिक्योरिटी फीचर उपयोगी है। यह फाइलों को चिह्नित, वर्गीकृत और उन्हें सुरक्षित करता है। यह प्राइवेसी प्रिजर्विंग एआइ माडल कर फाइलों की निगरानी करता है।

लें टिप्स और ट्रैक करें प्लान: प्लान को गूगल शीट से ट्रैक कर सकते हैं। इसके साथ ही जेमिनी से टिप्स भी ले सकते हैं। किसी स्पोर्ट्स इवेंट की तैयारी कर रहे हैं तो ट्रेनिंग प्लान और चेकबाक्स के साथ टू-डू लिस्ट तैयार कर सकते हैं।

आज का भविष्यफल- 18 अप्रैल, 2024, गुरुवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : चैत्र मास शुक्ल पक्ष दशमी।
आज का राहुकाल : दोपहर 01 बजकर 30 मिनट से 03 बजे तक।
आज का दिशाशूल : दक्षिण। आज का पर्व एवं त्योहार : श्री धर्मराज दशमी

कल 19 अप्रैल, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पश्चिम
कल का पर्व एवं त्योहार : कामदा एकादशी
कल की भद्रा : प्रात: 06 बजकर 48 मिनट से रात्रि 08 बजकर 05 मिनट तक।
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, चैत्र शुक्ल पक्ष की एकादशी तत्पश्चात द्वादशी मघा नक्षत्र तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र वृद्धि योग तत्पश्चात सिंह में चंद्रमा।

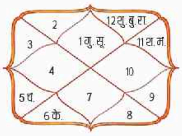

मेष : रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। जीवन सुखमय होगा।
वृष : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। पारिवारिक तनाव मिल सकता है।
मिथुन : आर्थिक प्रगति होगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
कर्क : सम्मान में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
सिंह : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। पिता या धर्म गुरु का सहयोग मिलेगा।
कन्या : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। किसी से तनाव मिल सकता है।
तुला : सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
वृश्चिक : व्यावसायिक प्रयास सार्थक होगा। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
धनु : व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। सामाजिक रुचि बढ़ेगी।
मकर : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन में तनाव आ सकता है।
कुंभ : रिश्तों में निकटता आएगी। सहयोग लेने में सफलता मिलेगी।
मीन : सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

राष्ट्रीय फलक

रामनाम की संजीवनी ने पूरी की दर्शन की अभिलाषा

प्रहलाद तिवारी • जागरण

अयोध्या : रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही रामनगरी में निरंतर भक्ति का ज्वार उमड़ रहा है, लेकिन रामनवमी के अवसर पर यहां पुण्य की डुबकी लगाने के लिए विदेश तक से श्रद्धालु रामनगरी आ पहुंचे। लगभग 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद रामलला के विग्रह की स्थापना भव्य व दिव्य धाम में हुई तो आह्लाद के इन क्षणों का साक्षी बनने के लिए हर कोई व्याकुल नजर आया।

असाध्य रोग भी रोक न पाए दर्शन की चाह, खींच लाई रामलला के द्वार

रामभक्तों ने रामलला के दरबार में आस्था निवेदित की। असाध्य रोग से हो रही पीड़ा भी आराध्य के दर्शन में बाधा नहीं बन सकी। कोलकाता के दिनेश सिंह असाध्य रोग से पीड़ित हैं, फिर भी वह रामनगरी पहुंचे और व्हील चेयर पर बैठ कर दर्शन किए। व्हील चेयर पर बैठकर 80 वर्षीय बहराइच की मालती देवी भी यहां पहुंचीं, जो असाध्य रोग से पीड़ित हैं। उनके पौत्र रमेश बताते हैं कि इस बार रामनवमी पर जब प्रभु अपने भव्य व दिव्य महल में विराजमान हो गए तो उनकी इच्छा और बलवती हो गई।

ओरछा में श्रीराम जन्मोत्सव के दौरान श्रीरामराजा सरकार मंदिर परिसर में भजनों की धुन पर थिरकते हुए श्रद्धालु। फोटो- नईदुनिया

ओरछा में पांच दिन चलेगा राम जन्म महोत्सव

नईदुनिया, ओरछा: बुंदेलखंड की अयोध्या कही जाने वाली ओरछा नगरी में श्री रामराजा सरकार का जन्मोत्सव शुरू हुआ जो पांच दिनों तक चलेगा। बुधवार दोपहर बारह बजते ही मंदिर में 'भए प्रगट कृपाला दीनदयाला, कौशल्या हितकारी' गूंजने लगा और भक्त ताली बजाते-नाचते निहाल हो उठे। पूजा के बाद शहर में रथ यात्रा निकाली गई। रथ पर माता कौशल्या के साथ विराजमान श्रीरामलला सरकार नगर भ्रमण पर निकले। लोगों ने पुष्प वर्षा की। अब श्रीराम राजा सरकार 19 से 21 अप्रैल तक गर्भगृह से बाहर आकर दर्शन देंगे।

मुस्लिम महिलाओं ने की श्रीराम की आरती, गाया सोहर

जासं, वाराणसी : रामनवमी पर वाराणसी स्थित लमही के सुभाष भवन में बीते 18 वर्षों की भांति इस बार भी बुधवार को मुस्लिम महिलाओं ने भगवान श्रीराम की आरती की। मुस्लिम महिलाओं ने अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनने के लिए प्रार्थना की थी और ऐसा होने पर प्रसन्नता जताई। मुस्लिम महिला फाउंडेशन की प्रमुख नाजनीन अंसारी के नेतृत्व में हिंदू-मुस्लिम महिलाओं ने उर्दू में रचित श्रीराम प्रार्थना एवं श्रीराम की आरती गाई।

महामहोत्सव से तृप्त हुए भक्त

प्रथम पृष्ठ से आगे

तृप्ति-तुष्टि के इस महोत्सव में रामलला के सम्मुख गुण मंडप से लेकर नृत्य मंडप तक में डटे हजारों श्रद्धालु ही नहीं शामिल थे, बल्कि दूरदर्शन पर जीवंत प्रसारण के माध्यम से देश-दुनिया के कोटि-कोटि राम भक्त इस महामहोत्सव से तृप्त हो रहे थे। छह मिनट तक चली प्राकट्य आरती के आधे समय तक रामलला का ललाट सूर्य देव की रश्मियों से आलोकित होता रहा।

प्राकट्य का बोध भक्तों के हृदय तक : प्राकट्य आरती पूरी होते-होते रामलला के प्राकट्य का बोध करोड़ों भक्तों के हृदय तक व्याप्त होता प्रतीत हुआ। ठीक उसी तरह जैसा तुलसीदास ने प्रभु राम के प्राकट्य को यह कहकर घोषित किया, जगनिवास प्रभु प्रकटे अखिल लोक विश्राम...। आरती के बाद अर्चकों ने जब भए प्रकट कृपाला दीनदयाला... की स्तुति आरंभ की, तब वह अकेले नहीं थे, बल्कि संपूर्ण मंडप और विश्व में फैले करोड़ों भक्तों की आस्था व समर्पण का स्वर भी समवेत था।

सलमान के घर पर फायरिंग मामले में एक और दबोचा

मुंबई, प्रेट्र : बालीवुड अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी मामले में हरियाणा से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध का संबंध गिरफ्तार किए गए एक आरोपित से था। घटना से पहले और बाद में वे लोग संपर्क में थे। हिरासत में लिए गए व्यक्ति पर जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल से निर्देश लेने का संदेह है।

बताते चलें, घटना के कुछ घंटों के बाद फेसबुक पर एक पोस्ट लिखा गया, जिसमें फायरिंग की जिम्मेदारी ली गई थी। यह पोस्ट कथित तौर पर अनमोल बिश्नोई द्वारा लिखा गया था। पुलिस ने कहा था कि गिरफ्तार आरोपितों से गोलीबारी करवाने में लारेंस बिश्नोई गिरोह की भूमिका का संकेत मिला है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि सलमान के आवास पर गोलीबारी करने के आरोप में गिरफ्तार सागर पाल व विक्की गुप्ता हिरासत में लिए गए संदिग्ध को गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दे रहे थे। बातचीत के लिए इंटरनेट कालिंग का इस्तेमाल किया जा रहा था।

पंजाब में किसानों ने ट्रैक पर लगाया धरना, ट्रेनों के रूट किए गए डायवर्ट

शंभू रेलवे स्टेशन पर ट्रैक पर बैठे आंदोलनकारी किसान। जागरण

जागरण संवाददाता, पटियाला

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) ने बुधवार दोपहर 12 बजे शंभू रेलवे स्टेशन पर ट्रैक पर पक्का धरना लगा दिया। इस कारण लुधियाना से होकर अंबाला को जाने वाली और अंबाला से लुधियाना आने वाली ट्रेनों को बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। किसानों के पक्के धरने के चलते रेलवे ने ट्रेनों को लुधियाना से अंबाला की तरफ जाने वाली ट्रेनों को साहनेवाल-चंडीगढ़-अंबाला रूट पर डायवर्ट कर चलाना पड़ा। इसी तरह इसी रास्ते से अंबाला से आने वाली ट्रेनों को चलाया गया।

आदिवासी महिलाओं की आवाज दुईजी अम्मा का निधन

जासं, नारीबारी (प्रयागराज)

अशिक्षित होते हुए भी पठारी क्षेत्र के लगभग 32 गांवों के आदिवासी बच्चों को शिक्षित बनाने के साथ पत्थर खनन श्रमिकों को अत्याचार से मुक्ति दिलाने वालीं 85 वर्षीय दुईजी मां बुधवार को पंचतत्व में विलीन हो गईं। 2005 में शांति के नोबल पुरस्कार के लिए नामित होने वाली दुईजी मां ने मंगलवार रात घर पर अंतिम सांस ली।

बांदा के मऊरानीपुर क्षेत्र के गाहुर गांव से करीब लगभग 40 वर्ष पहले महिला बच्चों के साथ रोजी की तलाश में शंकरगढ़ के जूही कोठी गांव पहुंची। पति की मृत्यु के बाद छह बेटियों और चार बेटों के भरण पोषण के लिए पत्थर तोड़ने लगीं। उन्होंने ठेकेदारों की मनमानी और मजदूरों पर जुल्म को करीब से देखा। उन्होंने महिला उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई। दुईजी मां ने दर्जनों गांवों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हैंडपंप रिपेयरिंग, कुकिंग चूल्हा, हैंडपंप का रैंप, राजगीर आदि की ट्रेनिंग संस्थाओं से दिलाईं। उनके प्रयास से मजदूरी 20 से 200 रुपये पर पहुंच गई।

दुईजी अम्मा। फाइल फोटो

नोबेल पुरस्कार के लिए हुईं नामित : दुईजी के कार्यों ने ऐसा प्रभाव दिखाया कि 2005 में उनका नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया। उत्तराखंड सरकार उन्हें अवध पुरस्कार दे चुकी है। वर्ष 2006 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार ने सम्मान दिया था।

मनी लांड्रिंग मामले में राजद नेता के करीबी के घर ईडी का छापा

जासं, जागरण. कोचस (रोहतास) : ईडी की टीम ने मनी लांड्रिंग के मामले में बुधवार सुबह बिहार के रोहतास जिले में बालू कारोबारी व राजद नेता सुभाष यादव के करीबी तथा मोर मुकुट कंपनी के निदेशक जितेंद्र सिंह के घर छापामारी की। सुभाष की बालू खनन से जुड़ी कंपनी मोर मुकुट में जितेंद्र को निदेशक बनाया गया है। स्वजन से ज्यादा पूछताछ इसी कंपनी से संबंधित लेनदेन के बारे में की गई। ईडी की टीम ने लगभग छह घंटे तक उनके घर तथा आसपास छानबीन की। ईडी के अधिकारी छापेमारी के दौरान टीम की कार्रवाई से संबंधित जानकारी देने से बचते रहे।

बता दें कि सुभाष राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के टिकट पर झारखंड के चतरा लोकसभा सीट से 2019 में चुनाव लड़े थे। वह उस दौरान यह चुनाव हार गए थे। सुभाष यादव को राजद प्रमुख लालू प्रसाद का करीबी बताया जाता है। सुभाष के पटना में दानापुर स्थित आवास पर इसी वर्ष नौ मार्च को ईडी की टीम ने छापेमारी की थी।

'पसंद के धर्म से वंचित करना न्यायिक कदाचरण'

जागरण संवाददाता, लखनऊ

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने जबरन मतांतरण के एक केस के विचारण के दौरान विशेष जज विवेकानंद शरण त्रिपाठी के खिलाफ सख्त टिप्पणी की है। विशेष जज के मुस्लिम अधिवक्ताओं के शुक्रवार को केस की पैरवी करने से मना कर नमाज के लिए जाने पर कुछ अभियुक्तों के लिए एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) नियुक्त करने पर कोर्ट ने कहा कि यह धार्मिक आधार पर भेदभाव दिखाता है।

धर्म परिवर्तन केस के एक अभियुक्त मोहम्मद इदरीस ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर विशेष जज के 19 व 20 जनवरी, 2024 के आदेशों को चुनौती दी। याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति शमीम अहमद की एकल पीठ ने पांच मार्च को याची के संदर्भ में उक्त दोनों आदेशों पर स्थगन दे दिया था।

इसके बाद विशेष जज ने हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में याची के संबध में एमिकस क्यूरी देने वाले अपने आदेश पर 11 मार्च को रोक लगा दी, लेकिन अन्य अभियुक्तों को एमिकस क्यूरी देने की बावत अपने आदेश को यथावत रखा।

लखनऊ खंडपीठ में विशेष जज के निर्णय पर सख्त टिप्पणी

याचिका पर जब 15 अप्रैल को हाई कोर्ट में पुनः सुनवाई हुई तो न्यायमूर्ति शमीम अहमद ने विशेष जज पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि उन्होंने हाई कोर्ट के पांच मार्च के आदेश को ठीक से नहीं समझा। न्यायमूर्ति अहमद ने कहा कि विशेष जज ने 11 मार्च को इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को देने के बावत कोई आदेश क्यों नहीं पारित किया।

उन्होंने कहा कि विशेष जज त्रिपाठी ने याची सहित कुछ अन्य अभियुक्तों को एमीकस क्यूरी देने का जो आदेश दिया है वह भारत के संविधान के अनुच्छेद 15 के तहत प्रदत्त मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन है और यह धार्मिक विभेद की श्रेणी में आता है। ऐसा आदेश कुछ अभियुक्तों को अपनी पसंद के धर्म के अधिवक्ता से वंचित कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि विषेश जज का आदेश कदाचरण की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने उन्हें 15 अप्रैल को तलब किया तो आदेश के अनुपालन में विशेष जज त्रिपाठी हाई कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने बिना शर्त माफी मांगी। कोर्ट ने उनसे 18 अप्रैल तक व्यक्तिगत हलफनामा भी मांगा है।

यह है मामला : विशेष जज की कोर्ट में जबरन धर्म परिवर्तन के मामले में मौलाना मोहम्मद उमर हैदर सहित अन्य अभियुक्तों का विचरण चल रही है। हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने 16 दिसंबर, 2022 को सुनवाई के दौरान आदेश दिया था कि विचरण की कार्यवाही शीघ्र और प्रयास करके एक वर्ष में पूरी की जाये, जिसके बाद विशेष जज ने दिन प्रतिदिन सुनवाई करने की कार्यवाही प्रारंभ की। 19 जनवरी, 2024 को कुछ अभियुक्तों के अधिवक्तागण शुक्रवार को नमाज अदा करने के लिए जाने की बात कहकर कोर्ट से चले गये। कोर्ट ने अगले दिन 20 जनवरी, 2024 को जिन अभियुक्तों के अधिवक्ता मुस्लिम थे, उनके लिए एमीकस क्यूरी भी नियुक्त कर दिये कि यदि उनके मुस्लिम अधिवक्ता न उपस्थित रहें तो एमीकस क्यूरी केस के विचारण में सहयोग करें। इसी मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त टिप्पणी की।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक से टकराई कार, 10 की मौत

नाडियाड, (गुजरात), प्रेट्र : गुजरात के खेड़ा जिले के नाडियाड शहर के पास अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर बुधवार को तेज रफ्तार कार पहले से खड़े एक ट्रक से टकरा गई, जिससे एक बच्चे सहित कार में सवार दस लोगों की मौत हो गई।

खेड़ा पुलिस अधीक्षक राजेश गढ़िया ने कहा कि जांच से पता चला है कि महाराष्ट्र में रजिस्टर्ड ट्रक खराबी आने के बाद व्यस्त एक्सप्रेस वे के बाएं लेन पर खड़ा था। पीछे से आई कार ट्रक से टकरा गई। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में चालक और पांच साल के बच्चे सहित कार में सवार सभी दस लोगों की मौत हो गई। कार वडोदरा से अहमदाबाद की ओर जा रही थी। गंभीर रूप से दो घायलों को नडियाड सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में इन दो लोगों ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, ट्रक पुणे से जम्मू जा रहा था। कार सवार वडोदरा, नडियाड और अहमदाबाद सहित गुजरात के विभिन्न शहरों के रहने वाले थे। अब तक केवल चार मृतकों की पहचान हो सकी है।

****

अमेरिका में आयोजित हुआ दुनिया का पहला महिला विश्व मेला

1925 में आज ही के दिन अमेरिका में तत्कालीन प्रथम महिला ग्रेस कूलिज द्वारा दुनिया का पहला महिला विश्व मेला आयोजित किया गया था। इसके जरिए 70 उद्योगों में महिलाओं की प्रगति को दर्शाया गया था। 1893 में आयोजित विश्व मेले में महिलाओं ने केवल सिलाई प्रदर्शनी लगाई थी।

पूर्ण साक्षरता हासिल करने वाला पहला राज्य बना केरल

1991 में आज ही के दिन केरल पूर्ण साक्षरता हासिल करने वाला भारत का पहला राज्य बना था। 1990 में केरल के एर्नाकुलम को देश का पहला पूर्ण साक्षर जिला घोषित किया गया था। 2016 में केरल प्राथमिक शिक्षा में 100 प्रतिशत की दर हासिल करने वाला पहला राज्य बना।

ललिता के नाम सबसे लंबे करियर का गिनीज रिकार्ड

अभिनेत्री ललिता पवार का जन्म 1916 में आज ही के दिन नासिक में हुआ था। नौ साल की उम्र से फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया। 1942 में एक शूटिंग के दौरान सह कलाकार भगवान दादा के थप्पड़ से उनकी बाईं आंख खराब हो गई। रामायण सीरियल में मंथरा के किरदार ने खास पहचान दिलाई। राजकुमारी, हिम्मत-ए-मर्दा, श्री 420, आनंद, अनाड़ी, सहित 700 से अधिक फिल्मों में काम किया। ललिता के नाम बालीवुड अभिनेत्री के रूप में सबसे लंबे करियर (70 वर्षों का) का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड भी दर्ज है।

आनलाइन फूड डिलीवरी मेन्यू में प्रमुख पोषण संबंधी जानकारी गायब

प्रतीकात्मक फाटो

नई दिल्ली, आईएएनएस: जैसे-जैसे अधिक से अधिक युवा भोजन खरीदने के लिए एप्स का उपयोग कर रहे हैं, रविवार को एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई कि अधिकांश विज्ञापित वस्तुओं में आनलाइन फूड डिलीवरी मेन्यू में पोषण संबंधी जानकारी गायब है, नहीं तो उपभोक्ताओं को अलग तरीके के स्वस्थ विकल्प चुनने में मदद करेगी। सिडनी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने प्रमुख आनलाइन फूड डिलीवरी आउटलेट और एप्स पर मेन्यू आइटम की जांच की।

उन्होंने पाया कि उबरइट्स, मेन्यूलाग और डिलीवरयूबो जैसे आनलाइन फूड डिलीवरी एप्स पर फूड आउटलेट्स के छह प्रतिशत से भी कम मेन्यू में संपूर्ण पोषण संबंधी लेबलिंग थी। पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं द्वारा उबरइट्स, मेन्यूलाग और डिलीवरयूबो के कुल 482 मेन्यू की समीक्षा की गई। प्रमुख अध्ययन लेखक सिसी जिया ने कहा कि ऐसे कई अध्ययन हैं जो दिखाते हैं कि मेन्यू लेबलिंग का वास्तविक दुनिया पर प्रभाव पड़ता है कि जिन उपभोक्ताओं को पोषण संबंधी जानकारी प्रदान की गई थी, उन्होंने कम ऊर्जा सामग्री वाले भोजन का चयन किया। सिडनी विश्वविद्यालय में चार्ल्स पर्किन्स सेंटर और सुसान वाकिल स्कूल ऑफ नर्सिंग एंड मिडवाइफरी से जिया ने कहा कि हालांकि, फूड डिलीवरी सेवाओं की मांग बढ़ रही है, लेकिन यह अज्ञात है कि मेन्यू लेबलिंग को कितनी अच्छी तरह लागू किया जाता है।

टाइम की 100 सबसे प्रभावशाली सूची में आलिया भट्ट, अजय बंगा और साक्षी मलिक का नाम

- टाइम की 100 सबसे प्रभावशाली सूची बुधवार को जारी हुई
- अभिनेता-निर्देशक देव पटेल सहित कई अन्य नाम भी शामिल

विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, बालीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट और पहलवान साक्षी मलिक। जागरण आर्काइव

न्यूयार्क, प्रेट्र : टाइम की 100 सबसे प्रभावशाली सूची बुधवार को जारी हुई। इसमें विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, बालीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट, माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्य नडेला, पहलवान साक्षी मलिक और अभिनेता-निर्देशक देव पटेल सहित कई अन्य भारतवंशी शामिल हैं। टाइम की 2024 की सूची में अमेरिकी ऊर्जा विभाग के ऋण कार्यक्रम कार्यालय के निदेशक जिगर शाह, येल विश्वविद्यालय में खगोल विज्ञान की प्रोफेसर प्रियंवदा नटराजन, भारतीय मूल की रेस्तरां मालकिन अस्मा खान के साथ ही रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनाया का नाम भी शामिल है।

हार्ट आफ स्टोन के निर्देशक टाम हार्पर ने आलिया भट्ट के संबंध में लिखा कि वह वास्तव में अंतरराष्ट्रीय स्टार है। जिस तरह से वह काम करती हैं, उसमें एक शालीनता है। वह केंद्रित, विचारों के प्रति खुली और रचनात्मक जोखिम लेने को तैयार रहती हैं। 2023 में आलिया भट्ट ने हार्ट आफ स्टोन से हालीवुड डेब्यू किया था। अजय बंगा के संबंध में अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने लिखा कि पिछले जून में विश्व बैंक के अध्यक्ष बनने के बाद से अजय बंगा ने गरीबी से मुक्त दुनिया बनाने के लिए नई दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। टाइम ने माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के बारे में लिखा कि वह भविष्य को आकार देने में अत्यधिक प्रभावशाली हैं। वह एआइ को एक ऐसे उपकरण के रूप में देखते हैं, जो इंसानों को सशक्त बनाएगा। फिल्म निर्माता निशा पाहुजा ने साक्षी मलिक के संबंध में लिखा कि वह भारत की प्रसिद्ध पहलवानों में से एक थीं, जो महिला एथलीटों के यौन उत्पीड़न के आरोपित की तत्काल गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग पर जंतर मंतर पर एकत्र हुई थीं। देव पटेल के संबंध में अभिनेता डेनियल कालूया ने लिखा कि जब वह स्क्रीन पर आते हैं तो उनके लिए समर्थन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। एस्ट्रोफिजिसिस्ट व निदेशक शेप डोलेमैन ने नटराजन के लिए लिखा कि वर्षों पहले विकसित नया दृष्टिकोण हमें खगोल विज्ञान में बुनियादी रहस्य को समझने के करीब लाया।

आर्ट शो में दर्शाया शरणार्थी संकट

इटली के वेनिस शहर में वेनिस बिएननेल आर्ट शो के दौरान स्पेन के आर्टिस्ट सैंड्रा गामाना हेशिकी की 'द माइग्रेंट गार्डन' में प्रदर्शित कलाकृतियां। प्री-ओपनिंग में विश्वभर के एक दर्जन से अधिक आर्टिस्टों की कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। बिएननेल आर्ट शो, दुनिया के सबसे प्रमुख आर्ट शो में से एक है। 'द माइग्रेंट गार्डन' के माध्यम से आर्टिस्ट ने शरणार्थियों की पीड़ा और समस्याओं को दर्शाया है। एएफपी

इधर-उधर की

आस्ट्रेलिया के सबसे बड़े कद्दू को बना लिया नाव

कद्दू में बैठकर नदी में चप्पू चलाते एडम फार्कुहार्सन। इंटरनेट मीडिया

कैनबरा, एजेंसी: कद्दू का उपयोग सब्जी के रूप में किया जाता है लेकिन आस्ट्रेलिया के एडम फार्कुहार्सन 409 किलो के टारमंड नाम के कद्दू की नाव बना चर्चा में हैं। टारमंड नाम के आस्ट्रेलिया के सबसे बड़े कद्दू का रिकार्ड दर्ज है। इसे मार्क पीकाक ने उगाया। एडम मार्क के दोस्त हैं। एडम ने बताया कि जब कद्दू से नाव बनाने की योजना मार्क को बताई तो वे राजी हो गए। उन्होंने कद्दू में न्यू साउथ वेल्स में तुमुत नदी में एक मील की दूरी तय की।

चाक की धूल सोख एलर्जी से बचाएगी डिवाइस

एक साल पहले पेटेंट के लिए किया था आवेदन, 12 अप्रैल को जर्नल में हुआ प्रकाशित

सनमीत सिंह थिंद • जागरण

- सीडीएलयू के प्रोफेसर और स्टूडेंट्स ने तैयार की चाक डस्टर क्लीनिंग डिवाइस
- ब्लैक बोर्ड साफ करते समय प्रोफेसर को चाक से हुई एलर्जी तो आया डस्टर क्लीनिंग डिवाइस का आइडिया

कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रोफेसर हरीश रोहिल चाक क्लीनिंग डस्टर मशीन दिखाते हुए। जागरण

सिरसा: चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और स्टूडेंट्स ने मिलकर आटोमैटिक चाक डस्टर क्लीनिंग डिवाइस तैयार की है। यह चाक की धूल को सोख इंसान को एलर्जी से बचाएगी और पौधों के लिए खाद भी तैयार करेगी। डिवाइस का प्रयोग कंप्यूटर एंड साइंस विभाग में पिछले एक साल से किया जा रहा है। 100 रुपये की लागत से तैयार इस तकनीक को पेटेंट करवाने के लिए विभाग ने एक साल पहले मिनिस्ट्री आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री भारत सरकार के कंट्रोलर जनरल आफ पेटेंट एंड ट्रेड मार्क के पास आवेदन किया था। 12 अप्रैल 2024 को कंट्रोलर जनरल आफ पेटेंट डिजाइन एंड ट्रेड मार्क ने अपने जर्नल में प्रकाशित किया है। अब इस डिवाइस की तकनीक को लेकर हियरिंग होगी।

विभाग के चेयरमैन प्रोफेसर हरीश रोहिल ने बताया कि प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालय तक हर ब्लैक बोर्ड पर चाक का प्रयोग होता है। चाक को साफ करने के लिए डस्टर को झटकाते हैं। इस दौरान स्वयं या अपने कपड़े को धूल से नहीं बचा सकते हैं। चाक के धूल से अंगुलियों में स्किन एलर्जी की समस्या आती है। चाक छोड़ देने पर कुछ दिन ठीक रहती है। इस समस्या के निदान के लिए मशीन बनाने का आइडिया आया ताकि चाक से बनी धूल न उड़े।

डस्टर रखने पर आन हो जाएगी डिवाइस: चाक डस्टर क्लीनिंग डिवाइस में एक डिब्बा है। इसमें मोटर के अतिरिक्त सेल व एडाप्टर का प्रयोग किया गया। डस्टर को डिब्बे में रखने पर मोटर आन हो जाएगी और धूल उसमें लगी जाली से नीचे गिरती है। जैसे ही डस्टर को उठाएंगे तो डिवाइस बंद होगी। दोबारा डिब्बे में रखने पर आटोमैटिक आन हो जाएगी।

पौधों के लिए फायदेमंद चाक मिट्टी: हरीश रोहिल ने बताया कि पौधों के लिए चाक मिट्टी फायदेमंद है। क्योंकि इसमें कैल्शियम होता है। डिब्बे में इकट्ठी होने पर उसे पौधों को डालकर खाद के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

एक साल पहले पेटेंट के लिए किया था आवेदन: एक साल पहले 11 मार्च 2023 को टीम ने इसे पेटेंट करवाने के लिए आवेदन किया था। अब पेटेंट जर्नल में पब्लिश हुआ है। पेटेंट विभाग छह महीने में कभी भी इसे देख सकती है। इस तकनीक को विकसित करने में नरेंद्र कुमार, डा. हरीश रोहिल, डा. मंजू रोहिल, प्रदीप पाठक, राकेश कुमार, डा. यशपाल सिंह, डा. गोपाल सिंह और नरेंद्र कुमार ने टीम वर्क के तौर पर काम किया।

आनलाइन अधिक समय बिताने से किशोरों के स्कूल न जाने का जोखिम

अनुसंधान

एक हालिया शोध में किशोरों के आनलाइन समय बिताने को लेकर चिंता जताई गई है। शोध में पता चला है कि खाने, सोने और व्यायाम जैसी आवश्यक गतिविधियों को छोड़ने की हद तक आनलाइन समय बिताने से किशोरों में स्कूल न जाने का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने यह भी कहा कि लड़कों की तुलना में लड़कियां अत्यधिक इंटरनेट उपयोग के प्रति ज्यादा संवेदनशील थीं, शायद इसलिए क्योंकि वे लड़कों की तुलना में इंटरनेट मीडिया का अधिक उपयोग करती हैं। हालांकि, कामचोरी व स्कूल न जाने की दर लड़कों में अधिक पाई।

फिनलैंड के हेलेसिंकी यूनवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि अनुशंसित आठ से दस घंटे की नींद और व्यायाम व माता-पिता के साथ एक भरोसेमंद रिश्ता सुरक्षात्मक प्रतीत होता है। उनके निष्कर्ष जर्नल आर्काइव्स आफ डिजीज इन चाइल्डहुड में प्रकाशित हुए हैं। अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 14 से 16 वर्ष के 86 हजार से अधिक किशोरों के स्कूल हेल्थ प्रमोशन डाटा का विश्लेषण किया। किशोर-किशोरियों से अभिभावकों से रिश्ते पर सवाल पूछे गए। इनमें नींद और व्यायाम को लेकर चिंताओं को साझा करना शामिल था। इस दौरान किशोरों के इंटरनेट उपयोग को एक्सेसिव इंटरनेट यूज (ईआइयू) स्केल से मापा गया, जो परिवार, दोस्त और अध्ययन की चिंता न करना और बिना खाए व पूरी नींद पूरी लिए बिना आनलाइन व्यस्त रहने के संदर्भ में था। शोधकर्ताओं ने पाया कि लड़कों के 79 प्रतिशत की तुलना में लड़कियों ने 96 प्रतिशत इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग किया। उन्होंने काम के दिनों में निर्धारित आठ घंटे की नींद के बजाय केवल एक तिहाई नींद ली।

स्क्रीन शाट

जब करण व अक्षय ने स्क्रीन के लिए निभाई दोस्ती

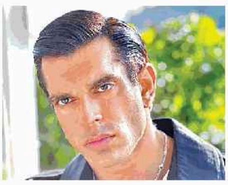

आगामी दिनों में कतार में हैं करण की कई फिल्में और वेब सीरीज Instagram (@iamksgofficial)

कैमरे के सामने काम करते हुए कलाकारों की कोशिश अपने भूमिका को वास्तविकता के करीब रखने की होती है। फिल्म फाइटर में अभिनेता करण सिंह ग्रोवर और अक्षय ओबेराय ने वायुसेना के पायलट भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के दौरान दोनों बिना काम के भी एक दूसरे के सीन में लगातार खड़े रहते थे। इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में करण बताते हैं, 'कैमरे के सामने स्वाभाविक दिखने के लिए मुझे काफी बदलाव करने पड़े। फिल्म में एक सीन है जहां पाकिस्तान में जहाज क्रैश के बाद हम दोनों (करण और अक्षय) को वहां की जेल में लटका कर बांध दिया जाता है। इस सीन को शूट करने में दो दिन का समय लगा था। उस दौरान फिर चाहे कैमरे में सिर्फ मेरे ही शाट ही क्यों न लिए जा रहा हो, अक्षय तब भी मेरे बगल में वैसे ही हाथ बांधकर लटके रहते थे। हमें देखकर निर्देशक सिद्धार्थ आनंद समेत सेट पर उपस्थित कई लोगों ने हमें कहा कि तुम लोग ऐसा क्यों कर रहे हो? हमने उन्हें कुछ नहीं बोला। बाद में सिद्धार्थ समझ गए कि दोनों अपनी भूमिकाओं में रम चुके हैं वो जैसा कर रहे हैं उनको छोड़ दो। शूटिंग के बाद तो ऐसा लगता था जैसे कि किसी ने हमारा हाथ ही उखाड़ दिया हो।'

400 डांसर्स के साथ चार दिनों में शूट होगा सिंघम अगेन का डांस नंबर

सिंघम अगेन में लेडी सिंघम की भूमिका में नजर आएंगी दीपिका फाइल

साल 2011 में प्रदर्शित फिल्म सिंघम से शुरु हुई सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म सिंघम अगेन की आधे से ज्यादा हिस्सों की शूटिंग हो चुकी है। हाल ही में इस फिल्म की प्रदर्शन तिथि आगे बढ़ाकर इसे दीवाली पर प्रदर्शित किए जाने की खबरें आई, लेकिन अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इस बीच फिल्म के निर्देशक रोहित शेट्टी ने फिल्म के एक बड़े डांस नंबर गाने की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस गाने के लिए मुंबई के विले पार्ले क्षेत्र में एक भव्य सेट स्थापित किया गया है। पहले इस गाने की शूटिंग 15 अप्रैल से की जानी थी, लेकिन कुछ समस्याओं के कारण शूटिंग आगे बढ़ाकर बुधवार से शुरु की गई। गणेश आचार्य की कोरियोग्राफी में बन रहे इस गाने की भव्यता का पता इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके लिए 400 बैकग्राउंड डांसर बुलाए गए हैं। गाने की शूटिंग करीब चार दिनों तक चलेगी। इस गाने को फिल्म के मुख्य अभिनेता अजय देवगन के साथ टाइगर श्राफ, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण के साथ फिल्म के बाकी महत्वपूर्ण कलाकारों के साथ फिल्माया जाएगा। दीपिका पहली बार इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनीं हैं, वह फिल्म में लेडी सिंघम की भूमिका में नजर आएंगी। बुधवार को गाने के सेट के उनकी कुछ तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर वायरल भी हुईं।

मनपसंद काम करने के लिए दलाई ने स्वयं ही शुरु कर दिया लेखन

वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राइ के लिए सराहना बटोर रही हैं दलाई Instagram (@dalaiallegedly)

सिनेमा इंडस्ट्री में आया हर कलाकार अपना मनपसंद काम करना चाहता है, ऐसी भूमिकाएं निभाना चाहता है, जहां उन्हें अपनी कला के अलग-अलग पहलू दिखाने का मौका मिला। मेड इन हेवन वेब सीरीज की अभिनेत्री दलाई कैमरे के सामने मनपसंद भूमिका निभाने के लिए एक कदम आगे बढ़ गई। वह अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रदर्शित वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में नजर आई। दैनिक जागरण से बातचीत में लेखन में उतरने व आगामी प्रोजेक्ट के बारे में दलाई बताती है, 'मैं अभी दो प्रोजेक्ट लिख रही हूं। हमारी इंडस्ट्री में सबसे अच्छी बात यह है कि हम खुद के लिए काम बना सकते हैं। मेरे मन में आया कि मुझे फलां तरीके की कहानी में एक्टिंग करनी है, लेकिन वैसी कहानी अभी तक किसी ने लिखा नहीं तो मैंने दो प्रोजेक्ट लिखना शुरू किया। इसके अलावा बतौर अभिनेत्री मैंने दो और प्रोजेक्ट साइन किया है। जिसमें से एक वेब सीरीज है, जो कि पिछली सदी के पांचवें व छठे दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित पीरियड कहानी है। उस शो को नवोदित निर्देशक बना रहे हैं। इससे ज्यादा मैं इस शो के बारे में और कुछ नहीं बता सकती हूं। मैं एक फीचर फिल्म भी कर रही हूं। यह कमर्शियल फीचर फिल्म नहीं है। यह फिल्म गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि मैं स्वयं गोवा में पली-बढ़ी हूं।'

सत्या का वह सीन जिसे सही नहीं कर पाए थे राम गोपाल वर्मा

अपनी पसंद की फिल्में बनाना पसंद करते हैं राम गोपाल वर्मा। फाइल

ऐसा कई बार फिल्म देखते हुए उसमें गलतियां पकड़ आ जाती हैं, जैसे एक शाट में कानों की बाली बदल जाती है या जूते बदल जाते हैं। लेकिन कई ऐसी सिनेमाई आजादी भी फिल्ममेकर लेते हैं, जिसे दर्शक भी नहीं पकड़ पाते हैं। ऐसी ही एक सिनेमाई आजादी राम गोपाल वर्मा ने सुपरहिट फिल्म सत्या में ली थी। उस सीन को ठीक करना भी चाहते थे, लेकिन नहीं बदल पाए। हाल ही में एक साक्षात्कार में राम गोपाल वर्मा ने कहा कि सत्या में एक थिएटर वाला सीन है, जिसमें सत्या अपनी गर्लफ्रेंड जिसका रोल उर्मिला मातोंडकर ने निभाया था, के साथ फिल्म देख रहा होता है। पुलिस आती है और पूरे सिनेमाघर को घेर लेती है। मुझे पता था कि ऐसा नहीं हो सकता है। पुलिस एक ऐसे अपराधी को जिसने पुलिस कमिश्नर को मारा है, उसे पकड़ने के लिए ऐसे वर्दी में धावा नहीं बोलेगी। वह सादे कपड़ों में आकर उसे दबोचेगी। लेकिन जरूरी था उस सीन को वैसे ही फिल्माना, ताकि सत्या उर्मिला के किरदार को बिना बताए कि वह गैंगस्टर है, वहां से निकल सके। इसलिए ध्यान भटकाने के लिए पुलिस का जमावड़ा लगाना जरूरी था। मैंने कई लोगों को वह सीन सुनाया, किसी ने आपत्ति नहीं जताई।

24 दिन में ही शूट हो गई 'बारामुला' : आदित्य सुहास

बारामुला में मानव कौल होंगे पुलिस अफसर की भूमिका में • मिडडे आर्काइव

हर फिल्म का अपना भाग्य होता है। कई बार फिल्म बनकर तैयार होती है, लेकिन रिलीज नहीं हो पाती। ऐसा ही कुछ हुआ फिल्म बारामुला के साथ। आर्टिकल 370 की निर्माता-निर्देशक जोड़ी आदित्य धर और आदित्य सुहास जांभले ने आर्टिकल 370 से पहले बारामुला फिल्म पर काम शुरू किया था। वह फिल्म शूट भी हो चुकी थी, लेकिन फिर आर्टिकल 370 की कहानी आई और वह पहले बनकर रिलीज हो गई। अब बारामुला की बारी है। फिल्म के निर्देशक आदित्य सुहास जांभले कहते हैं, 'एक-दो महीने में हम कश्मीर की पृष्ठभूमि पर बनी इस सुपरनेचुरल फिल्म की रिलीज की घोषणा करेंगे। फिलहाल विजुअल इफेक्ट्स पर काम चल रहा है।'

पहले बनी थी बारामुला: बारामुला बनाने को लेकर आदित्य सुहास बताते हैं, 'यह फिल्म मैंने खुद लिखी है। बस एक ख्याल था कि क्या सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म को कश्मीर में बनाया जा सकता है। मैंने आदित्य धर से कहा था कि इस कहानी को मैं लिखूंगा। उन्होंने स्वीकृति दी। मैं फिर गोवा चला गया। छह महीने तक रिसर्च की, कश्मीरी लोगों से मिला। आदित्य को स्क्रिप्ट पसंद आई। हमने शूटिंग शुरू कर दी। बारामुला फिल्म को देखकर ही आर्टिकल 370 का आइडिया आदित्य धर के दिमाग में आया और उन्होंने मुझसे कहा कि आप उस फिल्म के लिए सही निर्देशक होंगे। मुझे भी राजनीति से जुड़ी चीजों में रिसर्च करने में दिलचस्पी है। मैंने कहा कि फिल्म कर लेता हूं। सात-आठ दिनों में बारामुला की शूटिंग खत्म कर आर्टिकल 370 की शूटिंग भी एक साल में खत्म कर दी। दोनों फिल्मों की टीम एक ही थी तो बारामूला पर काम धीमा हो गया था।'

कुछ अलग दिखाने के लिए चुना कश्मीर

कश्मीर पर आधारित फिल्मों में आतंकवाद या वहां के मतभेद ही दिखाए जाते रहे हैं। ऐसे में इस फिल्म को सुपरनेचुरल बनाने को लेकर आदित्य कहते हैं, 'जो चीज नहीं बनी होती है, मेरा वही करने का मन होता है। मुझे हारर फिल्म बनाने का आफर आया था। मुझे इस जानर को भी अलग बनाना था। मैंने उसमें कश्मीर और सुपरनेचुरल को मिला दिया। बारामुला फिल्म में दर्शक डरेंगे, लेकिन जब फिल्म खत्म होगी, वह रोते-रोते थिएटर से बाहर निकलेंगे। कश्मीर में जब शाम होती है, तो वह डरावना सा लगता है, वहां के मतभेदों की वजह से नहीं, बल्कि घने जंगल, पहाड़ों की वजह से। मुझे लगा वहां सुपरनेचुरल कहानी को बनाना बेहतरीन होगा। अब तक वहां फैले आतंकवाद की कहानियां दिखाई जाती रही हैं। बारामूला उस जगह को लेकर दर्शकों को नया नजरिया देगा। हमने माइनस 18 डिग्री में फिल्म की शूटिंग की है। 24 दिन में एक्शन, हारर, थ्रिलर हर तरह के शाट के साथ फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई थी।'

आदित्य सुहास जांभले

कश्मीरी कलाकार की तलाश ले आई मानव तक

फिल्म में मानव कौल डीएसपी की भूमिका में होंगे। इस रोल में मानव को लेने का कारण बताते हुए आदित्य कहते हैं, 'हमें कोई ऐसा कलाकार चाहिए था, जो कश्मीर से हो। वह केवल उसे एक रोल की तरह न देखे। मानव को थिएटर करते हुए देखा था। हमें उनकी क्षमता पर भरोसा था। वह स्क्रीन पर अच्छे लगते हैं और खुद भी कश्मीरी हैं। कई नाम सोचने के बाद लगा की मानव ही इस रोल के लिए सही होंगे।'

अगली फिल्म भी आदित्य धर के साथ

आदित्य धर के साथ आदित्य सुहास अपनी तीसरी फिल्म भी करने वाले हैं। वह बताते हैं, 'फिलहाल इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। फिल्म गोवा पर आधारित होगी। दो महीने में स्क्रिप्ट फाइनल होगी, तो शूटिंग शुरू करेंगे। आदित्य के साथ संबंध अच्छे हैं। मैं रिश्ते लंबे समय के लिए बनाता हूं।'

फिल्म जगत की खबरें नहीं रखते राघव

दांपत्य जीवन में जब पति और पत्नी दोनों अलग-अलग पेशे से हों, तो अक्सर दोनों के बीच एक दूसरे के पेशे को लेकर काफी उत्सुकता होती है। हालांकि, पिछले साल आप सांसद राघव चड्ढा से शादी करने वाली अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के मामले में ऐसा नहीं दिखता। इस बात को लेकर परिणीति को अपने पति से शिकायत भी है। शादी के बाद अब परिणीति राजनीतिक हलचलों की कितनी खबर रखती हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'अब तो रखना पड़ता है, लेकिन मेरी शिकायत यह है कि वह (राघव) मनोरंजन उद्योग की खबरें नहीं रखते हैं। उन्होंने आखिरी बार क्या देखा था? यह तो सिर्फ वो खुद या भगवान ही बता सकते हैं। हां, मैं यह बताना चाहूंगी कि वह संगीत में बहुत अच्छे हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं पता रहता कि मेरी कौन सी फिल्म का कौन सा गाना या कौन सी फिल्म आ रही है। मैं उन्हें लगातार टोकती रहती हूं कि कम से कम इस तरह दिखाओ तो कि आपको उन चीजों के बारे में पता है। खैर एक तरफ से मुझे यह सही भी लगता है कि मैं राजनीति के बारे में कुछ नहीं जानती और उन्हें मनोरंजन जगत के बारे में कुछ नहीं पता रहता। इसलिए हमारी बातें सिर्फ हमारी जिंदगी तक ही सीमित रहती हैं। यह मेरे लिए परफेक्ट है।'

अमर सिंह चमकीला में अमरजोत कौर की भूमिका में दिखीं परिणीति • मिडडे

फिल्म खलनायक की सीक्वल के लिए जारी है नायक की तलाश

खलनायक 2 की पटकथा पूरी कर चुके हैं सुभाषघई • मिडडे

हिंदी सिनेमा में वर्तमान में चल रही सीक्वल और फ्रेंचाइजी फिल्मों की लहर में शामिल होने के लिए दिग्गज फिल्मकार सुभाष घई भी कमर कस चुके हैं। साल 1993 में प्रदर्शित हुई संजय दत्त और माधुरी दीक्षित अभिनीत फिल्म खलनायक उस साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक रही थी। इस फिल्म की सीक्वल को लेकर सुभाष कई बार बातें कर चुके हैं। अब खबरें है कि वह इस फिल्म की पटकथा पूरी कर चुके हैं और इसके लिए नायक की तलाश जारी है। सुभाष की योजना फिल्म में किसी चर्चित ए लिस्टर कलाकार को कास्ट करने की है। सुनने में आया है कि इस कड़ी में वह कुछ दक्षिण भारतीय अभिनेताओं के नामों पर भी विचार कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म को लेकर रणबीर कपूर, रणवीर सिंह और कन्नड़ अभिनेता यश के नाम सामने आए हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि खलनायक के सीक्वल में सुभाष इन्हीं तीन अभिनेताओं में से किसे कास्ट करते हैं।

****